

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 52 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 18 अक्टूबर 2026(रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

धर्म की आड़ में पाखंड का महाविनाश

जैन मुनि सागरचंद्र सागर के वायरल कांड का सबसे घातक, कंपा देने वाला और नग्न सत्य !

महानगर मेट्रो का सनसनीखेज खुलासा

धर्म की आड़ में विवाद! जैन मुनि सागरचंद्र सागर के वायरल फोटो-वीडियो पर गंभीर सवाल, फोरेंसिक रिपोर्ट के दावों से बढ़ा बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर/अहमदाबाद। धर्म, आस्था, पवित्रता और आध्यात्मिकता के पवित्र मुखौटे के पीछे छिपे अधर्म, पाप और भयानक पाखंड का 'महानगर मेट्रो' आज एक ऐसा सनसनीखेज, रोंगटे खड़े कर देने वाला और कलेजा कंपा देने वाला खुलासा करने जा रहा है, जिसे पढ़कर न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश का जैन समाज और श्रद्धालु जगत स्तब्ध और हतप्रभ रह जाएगा! जैन मुनि सागरचंद्र सागर के अत्यंत असंस्कारी, नग्न और धर्म को कलंकित करने वाले फोटो तथा साध्वीजी के साथ कथित अश्लील वीडियो कॉल के जो स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हुए थे, उस पर अब तक जो पर्दा डाला जा रहा था, उसका अब एक ऐसा भयानक और कड़वा सच सामने आया है जिसे जानकर पैरों तले जमीन खिसक जाएगी! फर्जी रिपोर्ट्स और झूठ की आड़ में मीडिया को गुमराह करने का सबसे घृणास्पद खेल! अब तक मुनि सागरचंद्र सागर और उनके वफादार गुप्त सिंडिकेट द्वारा 'महानगर मेट्रो' के समक्ष अत्यंत चालाकीपूर्वक कुछ नकली सबूत और निजी प्रयोगशालाओं की बनावटी रिपोर्ट्स पेश की गई थीं। इन सभी दस्तावेजों में यह गंभीर दावा किया गया था कि ये सभी विवादास्पद और नग्न तस्वीरें पूरी तरह से एडिटेड यानी डिजिटली छेड़छाड़ करके बनाई गई हैं। एक जिम्मेदार मीडिया होने के नाते, शुरुआत में हमने इन प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर सावधानी बरती थी। परंतु, जैन धर्म के सच्चे और प्रबुद्ध अग्रणियों, सम्मानित बुजुर्गों तथा धर्मरक्षकों ने जब रक्त रंजित आँखों और भारी आक्रोश के साथ हमसे संपर्क कर चीख-चीखकर कहा कि यह एक महाझूठ है, असली राक्षसी खेल तो पर्दे के पीछे खेला जा रहा है, तब 'महानगर मेट्रो' ने पत्रकारिता की पवित्र धरोहर और महासत्य की ताकत को पहचानते हुए इस मामले की हर दिशा में कड़ाई से जांच करने का आखिरी फैसला किया! गांधीनगर सरकारी फोरेंसिक लैब की सबसे बड़ी और झकझोर देने वाली विस्फोटक रिपोर्ट एक प्रतिशत भी एडिटिंग नहीं! सत्य की तह तक पहुँचने के लिए, 'महानगर मेट्रो' द्वारा इन सभी वायरल नग्न तस्वीरों और अश्लील वीडियो स्क्रीनशॉट को किसी आम जगह पर नहीं, बल्कि गांधीनगर स्थित अत्यंत सख्त, विश्वसनीय और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सरकारी फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में गुप्त और कड़ी जांच के वास्ते भेजा गया था। अब, सरकारी लैब द्वारा जो आधिकारिक रिपोर्ट बाहर आई है, उसने मुनि सागरचंद्र सागर के साम्राज्य को जमीनोजद कर दिया है! सरकारी जांच ने स्पष्ट कर दिया है कि वायरल हुई सभी नग्न तस्वीरें और अश्लील वीडियो स्क्रीनशॉट 100' असली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है! इन तस्वीरों में किसी भी प्रकार की डिजिटल एडिटिंग, कोई छेड़छाड़ या किसी भी तरह का मॉर्फिंग नहीं किया गया है! मुनि सागरचंद्र सागर द्वारा मीडिया और जांचकर्ताओं को भ्रमित करने के लिए पेश किए गए निजी लैब के सभी रिपोर्ट्स पूरी तरह से बनावटी, आधारहीन और आपराधिक हद तक गुमराह करने वाले थे!



समाज का महाआक्रोश: साधुता के पवित्र वेश में छिपे हवस के इन राक्षसों का अंत कब?

सफेद वस्त्रों और साधुता के पवित्र आवरण के नीचे बैठकर ऐसे पापी तत्व पूरे जैन धर्म, परंपरा और संस्कृति को खून के आँसू रुला रहे हैं। निर्दोष साध्वियों और श्रद्धालुओं को अपनी घातक हवस और लालसा का शिकार बनाने वाले, तथा धर्म के नाम पर अत्याचार करने वाले ऐसे कुसाधुओं को अब जैन समाज से दूध से मक्खी की तरह हमेशा के लिए बाहर फेंकना ही होगा। यह सिर्फ किसी व्यक्ति विशेष का अपराध नहीं है, बल्कि वर्षों की आस्था, भक्ति और लाखों श्रद्धालुओं के विश्वास पर किया गया सबसे बड़ा, घातक और क्रूर प्रहार है! 'महानगर मेट्रो' की अत्यंत सख्त और दो टूक कार्रवाई: मुनि सागरचंद्र सागर के खिलाफ दर्ज होगी सीधी एफआईआर! पत्रकारिता के चौथे स्तंभ को फर्जी सबूत सौंपकर गुमराह करने के गंभीर अपराध के बदले और सत्य पर कालिख पोतकर समाज के साथ खुलेआम धोखाधड़ी करने के एवज में, 'महानगर मेट्रो' अब कानून का शिकंजा कसते हुए मुनि सागरचंद्र सागर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़कर सीधी पुलिस एफआईआर दर्ज कराने जा रहा है! अब कानून बोलेगा और पाखंड का यह आधारहीन महल जलकर राख हो जाएगा!

वायरल तस्वीरों से जैन मुनि सागरचंद्र सागर प्रकरण में बढ़ा विवाद

जैन मुनि सागरचंद्र सागर से जुड़ी कथित आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियो कॉल के स्क्रीनशॉट को लेकर विवाद गहराया है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है तस्वीरों में डिजिटल छेड़छाड़ के प्रमाण नहीं मिले। हालांकि, रिपोर्ट और जांच संबंधी इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। मामले में संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया और आधिकारिक दस्तावेज सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी

कल के महासनसनीखेज अंक में अवश्य पढ़ें

ऐसे नकली साधुओं और हवस के पुजारियों का असली चेहरा बेनकाब करने वाले सभी जिंदा सबूत, असली तस्वीरें और अंदर की खतरनाक कहानी की विस्तृत और सनसनीखेज रिपोर्ट सिर्फ और सिर्फ 'महानगर मेट्रो' पर! सत्य कभी छिप नहीं सकता, और अब पाखंड को घुटनों के बल जमीन पर झुकना ही होगा, क्योंकि हमारा एकमात्र धर्म है: असली, नग्न और अपरिवर्तनीय सत्य सीधे जनता के समक्ष लाना!

गगनयान मिशन के क्रू और सर्विस मॉड्यूल को अलग करने वाले सिस्टम की टेस्टिंग पूरी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान कार्यक्रम के तहत क्रू मॉड्यूल (सीएम) और सर्विस मॉड्यूल (एसएम) को अलग करने वाले सिस्टम की टेस्टिंग पूरी कर ली है। इन परीक्षणों के बाद सेपरेशन सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई है। यह प्रणाली गगनयान मिशन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करने से पहले क्रू मॉड्यूल को सर्विस मॉड्यूल से अलग होना होगा। ये परीक्षण तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में किए गए। इसरो का लक्ष्य गगनयान कार्यक्रम के पहले मानवरहित मिशन जी-1 को वर्ष 2026 में लॉन्च करना है। इस मिशन के जरिए मानव को अंतरिक्ष में भेजने से पहले अंतरिक्ष यान की विभिन्न प्रणालियों और उनकी कार्यक्षमता का परीक्षण किया जाएगा। गगनयान का ऑर्बिटल मॉड्यूल क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल से मिलकर बना है। दोनों मॉड्यूल एक विशेष सेपरेशन सिस्टम के जरिए जुड़े रहते हैं। इस प्रक्रिया में कई चरण निर्धारित क्रम में पूरे किए जाते हैं,

रायपुर में 3 साल के मासूम से बेरहमी, हाथ में फ्रैक्चर और पीठ पर सिगरेट से दागने के निशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। शहर के पंडरी क्षेत्र में तीन साल के बच्चे के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। बच्चे के हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण प्लास्टर चढ़ाना पड़ा, जबकि चोट के चलते उसकी बाईं आंख में भी काफी सूजन है। इसके अलावा, उसकी पीठ पर सिगरेट से दागने जैसे निशान मिलने की बात सामने आई है। मामले में बच्चे की मां और सौतेले पिता पर मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। और मामले की शिकायत दर्ज कराई।



अभिव्यक्ति गरबा उत्सव का चौथा दिन, मां की आराधना के बाद थिरकेंगे प्रतिभागी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

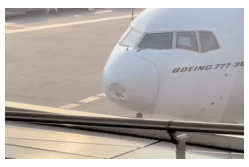
इंदौर। अभिव्यक्ति गरबा उत्सव में शनिवार को चौथे दिन भी उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिल रहा है। बायपास रोड स्थित सी-21 एस्टेट ग्राउंड पर शाम से ही प्रतिभागियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागी गरबा की तैयारियों के साथ आयोजन स्थल पर पहुंच रहे हैं। मां की आरती और आराधना के बाद गरबा की शुरुआत होगी। आयोजन में भक्ति, संगीत और नृत्य का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मां की आरती के बाद प्रतिभागी फिल्मी गीतों और पारंपरिक गरबा धुनों पर कदमताल करेंगे। रंग-बिरंगे परिधान, संगीत की लय और गरबा के पारंपरिक अंदाज से आयोजन स्थल पर उत्सवी माहौल बना हुआ है। अभिव्यक्ति गरबा उत्सव में पारंपरिक गरबा के साथ युवाओं का आधुनिक अंदाज भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। आयोजन में प्रतिभागी अपनी वेशभूषा और खास संदेशों के जरिए उत्सव को अलग पहचान दे रहे हैं।



दिल्ली से दुबई जा रही एमिरेट्स की फ्लाइट से टकराया पक्षी, विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली से दुबई जाने वाली एमिरेट्स की फ्लाइट ईके 517 टेकऑफ के दौरान एक पक्षी से टकरा गई। टक्कर के कारण विमान के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा और उसका नोज कोन पिचका हुआ नजर आया। विमान को शाम 4:25 बजे उड़ान भरनी थी। घटना के बाद एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टाफ ने विमान की जांच की, ताकि नुकसान का आकलन किया जा सके। सामने आए वीडियो में एयरपोर्ट कर्मचारी विमान के अगले हिस्से यानी नोज कोन का निरीक्षण करते दिखाई दे रहे हैं। पक्षी से टकराने की घटना को विमानन की भाषा में बर्ड स्ट्राइक कहा जाता है। ऐसी घटनाएं उड़ान के दौरान या टेकऑफ और लैंडिंग के समय हो सकती हैं। इनसे विमान के बाहरी हिस्से, इंजन और विंडशील्ड को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। बर्ड स्ट्राइक से होने वाले नुकसान की गंभीरता कई बातों पर निर्भर करती है। इसमें पक्षी का आकार, पक्षियों की संख्या और विमान के किस हिस्से से उनकी टक्कर हुई, ये प्रमुख कारक हैं। छोटे पक्षी की टक्कर से कभी-कभी मामूली नुकसान होता है, जबकि बड़े पक्षी या पक्षियों के झुंड से टकराने पर विमान को गंभीर क्षति पहुंच सकती है।



रोहतक में स्कूल में यौन उत्पीड़न का आरोप जांच में गलत निकला, माता-पिता गिरफ्तार

पिता पर यौन शोषण का आरोप, मां पर मामला दबाने और छात्र को फंसाने की कोशिश का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में चार साल की बच्ची के साथ स्कूल में यौन उत्पीड़न किए जाने का मामला पुलिस जांच में सही नहीं पाया गया। पुलिस ने इस मामले में बच्ची के माता-पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जांच में बच्ची के पिता पर उसके साथ यौन शोषण करने का आरोप सामने आया है, जबकि मां पर घटना की जानकारी होने के बावजूद मामले को दबाने और स्कूल के एक छात्र पर गलत आरोप लगाने की कोशिश करने का आरोप है। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर मामले की पूरी कड़ियां जोड़ने में जुटी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। महम के डीएसपी तनुज शर्मा के नेतृत्व में टीम ने करीब डेढ़ महीने तक जांच की। इस दौरान स्कूल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और संबंधित लोगों से पूछताछ की गई। जांच में स्कूल में बताई गई घटना के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद पुलिस ने बच्ची के माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, बच्ची के पिता से सख्ती से पूछताछ की जाएगी, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस का दावा है कि पिता ने अश्लील सामग्री देखने के बाद बच्ची का यौन शोषण किया, जबकि मां को इसकी जानकारी थी। इन आरोपों की जांच के साथ पुलिस मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, 16 सितंबर को एक महिला ने शिकायत दी थी कि उसकी चार साल की बेटी नजदीकी गांव के एक निजी स्कूल में पढ़ती है।



हेमंत सोरेन की दिवंगत मां का दशकर्म संपन्न, रविवार को होगा संस्कार भोज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामगढ़। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दिवंगत मां रूपी सोरेन का दशकर्म शनिवार को रामगढ़ जिले के पैतृक गांव नेमरा में संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने परिजनों के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों और विधि-विधान के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान किए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक भोजन परोसने की पारंपरिक रस्म निभाई और अपनी दिवंगत माता का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। रविवार को गांव में संस्कार भोज का आयोजन किया जाएगा। दोनों कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संस्कार भोज में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात की व्यापक व्यवस्था की है। गांव में भीड़ को नियंत्रित करने और लोगों की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने आम लोगों के वाहनों की पार्किंग के लिए नेमरा से करीब पांच किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में तीन पार्किंग स्थल बनाए हैं। यहां वाहन खड़े करने के बाद लोग टोटो और ऑटो के माध्यम से गांव तक पहुंच सकेंगे। इसके लिए करीब 250 से 300 टोटो-ऑटो की व्यवस्था की गई है। वहीं, मंत्रियों, विधायकों और अन्य विशिष्ट अतिथियों के वाहनों के लिए धुमकुड़िया और मोबाइल टावर के पास अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं।



केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में सुबह 3:30 बजे संदिग्ध गतिविधि के बाद शुरू हुई गोलीबारी, सर्च ऑपरेशन जारी

कुपवाड़ा में LoC के पास मुठभेड़, दो आतंकी मारे गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास शनिवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, इस मुठभेड़ में अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। शुरुआती तौर पर घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि आतंकी भारतीय सीमा में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे थे या नहीं। सेना के अनुसार, कुपवाड़ा के केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद इलाके में कार्रवाई शुरू की गई और दोनों ओर से गोलीबारी होने लगी। मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षाबल आसपास के इलाकों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। 12 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ था। इस घटना में चार लोग मारे गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, ये लोग भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। मारे गए लोगों में लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर भी शामिल था। 12 अक्टूबर को ही पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सेना को सीमा पर लगी बाड़ के पास दो जंग लगी बारूदी सुरंगें मिली थीं। अधिकारियों के अनुसार, ट्रैक बनाने के दौरान सुबह करीब 8:25 बजे और दोपहर 12:10 बजे इनका पता चला। इसके बाद सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट कर दोनों बारूदी सुरंगों को नष्ट कर दिया। 17 सितंबर: उधमपुर में जैश के दो पाकिस्तानी आतंकी ढेर जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था। अधिकारियों के मुताबिक, एक संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर को भी हिरासत में लिया गया था। घटनास्थल से एके राइफल, एम4 कार्बाइन, पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए गए थे। डोडा जिले में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकी का सड़ा हुआ शव मिला था। उसके पास से नाइट विजन क्षमता वाली एम4 राइफल भी बरामद हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आतंकी 6 सितंबर को सेओजधार के घने जंगलों में हुई मुठभेड़ में मारा गया था।



बांग्लादेश में मंत्री का पिस्तौल लेकर ड्रग्स के खिलाफ अभियान, वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूर

ढाका। बांग्लादेश में एक राज्य मंत्री का हाथ में पिस्तौल लेकर ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करने का वीडियो सामने आया है। राज्य मंत्री इशराक हुसैन राजधानी ढाका के गेंडारिया इलाके की एक बस्ती में अपने साथियों के साथ पिस्तौल लेकर घूमते और स्थानीय लोगों से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उनके साथ मौजूद लोग कुछ निवासियों को पकड़ते और तिरपाल से बनी झोपड़ियों को तोड़ते नजर आ रहे हैं। यह घटना शनिवार को हुई। मंत्री और उनके साथियों ने कार्रवाई के दौरान छह लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मंत्री के इस तरह कार्रवाई करने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस ने भी स्पष्ट किया है कि छापेमारी करने का अधिकार कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास है। हालांकि, कोई भी नागरिक अपराध के संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर सकता है। कार्रवाई के बाद राज्य मंत्री इशराक हुसैन ने अपने फेसबुक पेज पर इसका वीडियो साझा किया। उन्होंने दावा किया कि अभियान के दौरान छह लोगों को पकड़ा गया। वीडियो में मंत्री हाथ में पिस्तौल लिए बस्ती में घूमते दिखाई देते हैं, जबकि उनके साथ मौजूद लोग स्थानीय निवासियों को पकड़ते और झोपड़ियों को हटाते नजर आते हैं। पुलिस के अनुसार, मंत्री ने कुछ लोगों को पकड़ने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और संबंधित लोगों को हिरासत में लिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मलिक अहसान उद्दीन सामी ने बताया कि पुलिस 10 लोगों को गेंडारिया थाने लेकर गई थी। उन्होंने कहा कि मंत्री की ओर से कुछ लोगों को पकड़े जाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की और जांच के आधार पर उन्हें हिरासत में लिया।



यूपी में मिड-डे मील रसोइयों का मानदेय 2 हजार से बढ़कर 3 हजार रुपए हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोइयों के मानदेय में 1 हजार रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी की गई है। अब रसोइयों को हर महीने 2 हजार रुपए के बजाय 3 हजार रुपए मिलेंगे। बढ़ा हुआ मानदेय सितंबर 2026 से लागू होगा। ऐसे में अक्टूबर में मिलने वाले भुगतान में सितंबर का 1 हजार रुपए का बकाया भी शामिल होगा। इसके चलते इस महीने पात्र रसोइयों के खातों में कुल 4 हजार रुपए भेजे जाएंगे। मध्याह्न भोजन योजना के निदेशक प्रेम रंजन सिंह ने 17 अक्टूबर को सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों और वित्त एवं लेखाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि रसोइयों के खातों में बढ़ी हुई दर के अनुसार मानदेय समय पर भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भुगतान में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत रसोइयों को मिलने वाले 3 हजार रुपए के मासिक मानदेय में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की हिस्सेदारी होगी। इसमें 1 हजार रुपए केंद्रीय योजना के तहत दिए जाएंगे, जबकि 2 हजार रुपए उत्तर प्रदेश सरकार अतिरिक्त सहायता के रूप में देगी। इससे पहले रसोइयों को कुल 2 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते थे।



मशहूर लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के 'परंपरा नगरी' गरबा में खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ गंभीर लापरवाही का आरोप

सामाजिक कार्यकर्ता शुभम ठाकरे ने कीर्तिदान गढ़वी और आयोजकों पर उठाए सवाल

क्या करोड़ों कमाने वाले आयोजक खिलाड़ियों की जान से खेल रहे हैं?

मैदान के रैंप से निकली कील लगने से खिलाड़ी घायल !



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात के मशहूर और लोकप्रिय लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के नाम पर अहमदाबाद में बड़ी धूमधाम से हो रहे 'परंपरा नगरी' गरबा उत्सव में आयोजकों की लापरवाही सामने आई है। गरबा खेलने के लिए जमा हुए हजारों खिलाड़ियों की सुरक्षा और सेहत से सीधे खिलवाड़ करने की इस घटना से काफी गुस्सा फैल गया है। सामाजिक कार्यकर्ता शुभम ठाकरे ने गरबा स्थल पर बड़े पैमाने पर हो रही लापरवाही को उजागर किया है और कीर्तिदान गढ़वी और आयोजकों पर सीधे सवाल उठाए हैं। अहमदाबादः गुजरात के मशहूर और लोकप्रिय लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के नाम पर अहमदाबाद में बड़ी धूमधाम से हो रहे 'परंपरा नगरी' गरबा उत्सव में आयोजकों की लापरवाही सामने आई है। गरबा खेलने के लिए जमा हुए हजारों खिलाड़ियों की सुरक्षा और सेहत से सीधे खिलवाड़ करने की इस घटना से काफी गुस्सा फैल गया है। रैंप पर निकली कीलें बनीं 'मौत का फंदा': एथलीट गंभीर रूप से घायल मिली जानकारी के मुताबिक, परंपरा नगरी के गरबा ग्राउंड में बने रैंप और स्टेज के चारों ओर काम या फिटिंग में लापरवाही के कारण लोहे की नुकीली कीलें निकली हुई थीं। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि गरबा की धुन पर नाच रहा एक मासूम एथलीट इस निकली हुई कील पर गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। अगर महंगे पास खरीदकर मां अंबा की पूजा करने आने वाले एथलीट सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे शानदार आयोजनों का क्या मतलब है? यही सवाल लोग पूछ रहे हैं।

सोशल एक्टिविस्ट शुभम ठाकरे ने सीधा जवाब मांगा

घटना की गंभीरता को समझते हुए, सोशल एक्टिविस्ट शुभम ठाकरे ने कीर्तिदान गढ़वी और आयोजन समिति को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया और सवालों के ज़रिए पूछा है कि जब कलाकार स्टेज से बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तो क्या मैदान की सुरक्षा और सफाई की जांच करना आयोजकों की पहली ज़िम्मेदारी नहीं है? आयोजक, जो सिर्फ़ अपनी जेब भरने के चक्कर में हैं, खुलेआम एथलीटों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऑर्गनाइज़र की मनमानी के खिलाफ़ लोगों का गुस्साः क्या सिस्टम सख्त एक्शन लेगा? इस घटना के बाद गरबा पसंद करने वालों और पेरेंट्स में बहुत डर और गुस्सा है। सवाल यह है कि परमिशन देते समय फायर और सेफ्टी के साथ-साथ ग्राउंड की फिजिकल सेफ्टी भी चेक की जाती है या नहीं? अगर इन कीलों और खतरनाक रैंप को तुरंत ठीक नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में बड़े प्रोटेस्ट की पूरी संभावना है।

परंपरा नगरी गरबा में सुरक्षा पर सवाल, रैंप की निकली कील से खिलाड़ी घायल

अहमदाबाद लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के 'परंपरा नगरी' गरबा उत्सव में मैदान की सुरक्षा व्यवस्था पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक, रैंप से निकली लोहे की नुकीली कील की चपेट में आने से एक खिलाड़ी घायल हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता शुभम ठाकरे ने कीर्तिदान गढ़वी और आयोजकों से सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठाए हैं। घटना के बाद गरबा स्थल पर खिलाड़ियों की सुरक्षा और आयोजकों की जिम्मेदारी को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि, घटना और लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

डभोई के पुडा रोड पर MGVCL के खुले बिजली के बॉक्स बने 'मौत का जाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



डभोई। डभोई तालुका के ऐतिहासिक शहर में पुडा जाने वाली मुख्य सड़क पर मध्य गुजरात इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड प्रशासन की भयानक और चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है। इस व्यस्त सड़क पर बिजली के बॉक्स लंबे समय से खुले, खराब और रहने लायक हालत में नहीं पड़े हैं। ये खुले बिजली के बॉक्स यहां से गुजरने वाले मासूम पैदल चलने वालों, गाड़ी चलाने वालों और बेजुबान जानवरों के लिए सीधे 'मौत का जाल' साबित हो रहे हैं। ऐसा भयानक माहौल बन गया है जहां प्रशासन की लापरवाही के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा या जान का नुकसान हो सकता है पुडा मार्ग से हर दिन बड़ी संख्या में गांववाले, किसान और मजदूर आते-जाते हैं। सड़क के किनारे लगे इन बिजली के बॉक्स के दरवाज़े या तो टूट गए हैं या खुले छोड़ दिए गए हैं। बॉक्स से हाई-वोल्टेज तार लटक रहे हैं। मानसून के मौसम में या आम दिनों में भी, अगर कोई गलती से इन तारों को छू ले, तो उसकी मौके पर ही जान जा सकती है। इसके अलावा, इस बात की भी पूरी संभावना है कि आस-पास के खुले इलाकों में चर रहे बेजुबान जानवर अनजाने में इस करंट की चपेट में आ जाएं और वाली पॉलिसी और बड़ी लापरवाही कोई नई बात नहीं है.

अंबाजी के पास कुंभारिया जोड़ आंगनवाड़ी सेंटर में नवरात्रि का त्योहार मनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। यात्राधाम अंबाजी के पास कुंभारिया जोड़ स्थित आंगनवाड़ी सेंटर में नवरात्रि का त्योहार उत्साह और बहुत ही खुशनुमा माहौल में मनाया गया। आदिवासी और दूर-दराज के इलाके में स्थित इस आंगनवाड़ी में आयोजित गरबा उत्सव में छोटे बच्चों, गर्भवती और दूध पिलाने वाली माताओं, टीनएजर्स और आंगनवाड़ी बहनों ने एक साथ आकर पारंपरिक गरबा किया। जगदजन की मां अंबा के निवास अंबाजी के आसपास के ग्रामीण और अंदरूनी इलाकों में नवरात्रि का त्योहार अनोखी आस्था के साथ मनाया जाता है। कुंभारिया जोड़ के आंगनवाड़ी सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में मां अंबा की पूजा के साथ गरबा उत्सव की शुरुआत हुई। अंदरूनी इलाकों से आई टीनएजर्स और छोटे बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा पहनकर गरबा किया। आंगनवाड़ी के बच्चों के अलावा, आस-पास के दूसरे बच्चे और गांववाले भी पूरे जोश के साथ इस त्योहार में शामिल हुए, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और खुशनुमा हो गय आंगनवाड़ी सेंटर पर इस तरह के कल्चरल प्रोग्राम न सिर्फ़ मनोरंजन करते हैं, बल्कि छोटी उम्र से ही छोटे बच्चों में भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जागरूकता भी लाते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की लीडरशिप में 777 इमरजेंसी केस में सफलतापूर्वक संजीवनी दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूर



गांधीनगर। राज्य सरकार की 'बोट एम्बुलेंस' सर्विस गुजरात के बड़े तटीय इलाकों और आइलैंड एरिया में रहने वाले लोगों के साथ-साथ समुद्र के बीच में मछली पकड़ने वाले मछुआरों के लिए भी सही मायने में 'फरिश्ता' साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की मजबूत और संवेदनशील लीडरशिप में, समुद्र के बीच में भी मेडिकल इमरजेंसी के समय तुरंत इलाज देने के लिए एक मजबूत सिस्टम बनाया गया है। अप्रैल 2018 से सितंबर 2026 के बीच, राज्य की बोट एम्बुलेंस सर्विस ने मेडिटेरेनियन और आइलैंड में लगभग 777 बहुत ज़्यादा इमरजेंसी केस में सफलतापूर्वक इलाज किया है, जिससे मरीज़ों को ज़िंदगी वापस मिली है। पानी से इलाजः एक ऐसी सर्विस जो प्रधानमंत्री के 'लास्ट माइल हेल्थकेयर' विज़न को पूरा करती है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इस संकल्प को पूरा करने के लिए कि 'हेल्थ सर्विस वहाँ पहुँचनी चाहिए जहाँ लोग रहते हैं या काम करते हैं', गुजरात सरकार ने 108 इमरजेंसी रिस्पॉन्स सर्विस के एक ज़रूरी हिस्से के तौर पर यह बोट एम्बुलेंस सर्विस शुरू की थी। जिन ज्योग्राफिकल इलाकों में पानी के रास्ते सड़कों से ज़्यादा आसान और तेज़ हैं, वहाँ यह सर्विस बहुत बड़ी मदद साबित हो रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए, राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल्ल पंसेरिया ने कहा, 'मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, सरकार राज्य के दूर-दराज के लोगों तक हेल्थ सर्विस पहुँचाने के लिए कमिटेड है। एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाली बोट एम्बुलेंस को तैनात किया गया है ताकि तटीय गाँवों, चमगादड़-द्वीपों में रहने वाले लोगों और समुद्र में काम करने वाले मछुआरों को हॉस्पिटल ले जाने से पहले बोट के अंदर इमरजेंसी मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जा सके।' ओखा और पोरबंदर में मौजूद दो बोट एम्बुलेंस का अहम योगदान गुजरात सरकार दो मॉडर्न बोट एम्बुलेंस चलाती है, जिनमें से एक देवभूमि द्वारका के ओखा में और दूसरी पोरबंदर में चल रही है। इन बोट के अंदर सभी तरह का इमरजेंसी इलाज देने के लिए, ज़रूरी मेडिकल इक्विपमेंट, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम और जान बचाने वाली दवाएँ काफ़ी मात्रा में मौजूद रखी गई हैं।

पुलिस पर हमला करने वाले या भागने वाले आरोपियों के खिलाफ खाकी का खौफनाक रूप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। रेंज ढ्ढत्त नीललिप्सा राय की टीम ने सुरेंद्रनगर समेत पूरे इलाके में असामाजिक तत्वों और फरार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। क्राइम के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी रखने वाले ढ्ढत्त नीललिप्सा राय के निर्देश पर कार्रवाई में लगाई गई टीम के PSI पी. एन. मोरी (पृथ्वीराज सिंह मोरी) ने ऑपरेशन के दौरान सख्ती दिखाई और आरोपी देवेंद्र उर्फ देंदू पर गोली चलाई मिली जानकारी के मुताबिक, जब पुलिस टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए घेराबंदी कर रही थी, तो आरोपी देवेंद्र उर्फ देंदू ने पुलिस ऑपरेशन में रुकावट डालने या हमला करके भागने की कोशिश की। हालात की गंभीरता को देखते हुए, PSI पी. एन. मोरी ने लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए चेतावनी के तौर पर पहले हवा में 1 राउंड फायर किया। लेकिन, आरोपी नहीं माना और पुलिस टीम के लिए खतरा बन गया, PSI मोरी ने तुरंत फैसला लिया और दूसरा राउंड सीधे आरोपी देवेंद्र उर्फ डेंडू के पैर में फायर कर दिया। गोली लगते ही आरोपी जमीन पर गिर गया और पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में लेकर इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया। रेंज ढ्ढत्त नीललिप्स राय और उनकी टीम की इस सख्त कार्रवाई के बाद इलाके के भ्रष्ट और असामाजिक तत्वों में भारी हलचल मच गई है। आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधियों में कानून का डर पैदा करने के लिए पुलिस द्वारा उठाया गया यह सख्त कदम चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस ने इस मामले में आगे की कानूनी और जांच कार्रवाई तेज कर दी है।

भावनगर के युवक का शव महाराष्ट्र की गहरी घाटी में मिला, हत्या की आशंका से परिजनों और क्षत्रिय समाज में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। गुजरात के भावनगर निवासी एक युवक का शव महाराष्ट्र के पहाड़ी क्षेत्र की गहरी घाटी में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से परिवार और क्षत्रिय समाज में शोक और आक्रोश का माहौल है। युवक का शव खून से लथपथ हालत में मिला। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और कठिन परिस्थितियों में शव को घाटी से बाहर निकाला। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फिलहाल युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। भावनगर के युवक का शव महाराष्ट्र के पहाड़ी इलाके में मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। युवक गुजरात से महाराष्ट्र कैसे पहुंचा और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि युवक दुर्घटनावश घाटी में गिरा, उसकी हत्या की गई या घटना के पीछे कोई अन्य कारण है। हालांकि, फिलहाल हत्या की आशंका को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। मामले की जांच के तहत युवक की गतिविधियों, उसके संपर्कों और घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल की कॉल डिटेल और युवक के आखिरी संपर्कों की जांच जैसे पहलुओं पर ध्यान दे रही है। गुजरात और महाराष्ट्र पुलिस के बीच भी मामले को लेकर समन्वय स्थापित किया गया है, ताकि घटना की कड़ियों को जोड़ा जा सके। युवक की मौत की खबर सामने आने के बाद परिजनों और क्षत्रिय समाज के लोगों में गहरा दुख और आक्रोश है। समाज के लोगों ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी ने युवक के साथ अपराध किया है, तो ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। परिवार और समाज से जुड़े लोगों ने आरोप लगाया कि अपराधियों में कानून का भय कम होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने मांग की कि जांच में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, घटना के संबंध में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी की पुष्टि सामने नहीं आई है। इस घटना ने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। क्षत्रिय समाज के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेंगे। समाज ने प्रशासन से जल्द से जल्द घटना की सच्चाई सामने लाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस जांच के निष्कर्षों का इंतजार है। युवक की मौत दुर्घटना थी या किसी आपराधिक साजिश का परिणाम, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के तथ्यों के अनुसार की जाएगी। इस घटना ने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। क्षत्रिय समाज के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेंगे। सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

'पुलिस से कहो कि कोई बेवकूफी न करे!: धंधुका के किसानों को पब्लिक जुलूस निकालने पर हाई कोर्ट ने फटकार लगाई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद. जिले के धंधुका तालुका में खाकी पहनने और कानून के गलत इस्तेमाल की एक बहुत ही चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। हाई कोर्ट में एक अर्जी दी गई है जिसमें अपनी ही जमीन पर कब्जे और फसल के नुकसान की शिकायत करने गए चार बेगुनाह किसानों को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लेने, उनकी पिटाई करने, उनके हाथ बांधने और पब्लिक जुलूस निकालने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद रेंज के IG, SP और धंधुका PI बी. टी. गोहिल समेत 9 पुलिसवालों को सख्त नोटिस ारी कर जवाब मांगा है। शिकायत करने गए किसानों के साथ खाकी का भयानक खेल धंधुका के चार किसानों–हुसैन मालवत, मोहम्मद हुसैन मोदन, दादिक मोदन और इमरान मारू–ने इंसाफ के लिए गुजरात हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। घटना की जानकारी के मुताबिक, याचिकाकर्ता किसानों की फसलों में गैर-कानूनी तरीके से घुसपैठ की गई और उन्हें बहुत नुकसान पहुंचाया गया। जब वे इस बारे में पुलिस स्टेशन में शिकायत करने जा रहे थे, तो रास्ते में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले मवेशियों के मालिकों से उनकी बहस हो गई। पुलिस ने निष्पक्ष जांच करने के बजाय, दूसरे पक्ष के हितों की रक्षा करने या मामले को दबाने के लिए दोनों पक्षों पर शिकायत दर्ज करने का बहुत दबाव डाला। जैसे ही किसानों ने इस गलत दबाव का विरोध किया, खाकी का असली चेहरा सामने आ गया। याचिकाकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाया है कि धंधुका PI बी. टी. गोहिल के सीधे निर्देश और इशारे पर उन्हें गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया। लॉकअप में उनके साथ मारपीट की गई। इसलिए, खाकी न होते हुए, 9 अक्टूबर को चारों किसानों के हाथ रस्सियों से बांध दिए गए और धंधुका की आम सड़कों पर उनका जुलूस निकाला गया। इस काम में कुल 9 पुलिसवाले शामिल थे, जिसमें चार महिला कांस्टेबल भी शामिल थीं, जो पूरी तरह से मानवाधिकारों और कानून के नियमों का उल्लंघन था। इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए जस्टिस संजय गौड़ा और जस्टिस जे. एल. ओडेदरा की बेंच ने पुलिस सिस्टम को फटकार लगाई।

MLA अक्षय पटेल द्वारा आयोजित 'श्री रंगनाथ फाउंडेशन गरबा महोत्सव' में हजारों खिलाड़ी मंत्रमुग्ध हो गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



करजण। नवरात्रि के पावन पर्व पर पूरे राज्य में आस्था और भक्ति का माहौल बना हुआ है, वहीं वडोदरा जिले के करजण विधानसभा क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का एक अनोखा रोमांच देखने को मिल रहा है। करजण के लोकप्रिय और सक्रिय MLA अक्षय पटेल द्वारा आयोजित और निर्देशित 'श्री रंगनाथ फाउंडेशन गरबा महोत्सव 2026' इस साल पूरे वडोदरा जिले और मध्य गुजरात में आकर्षण का सबसे बड़ा और भव्य केंद्र बनकर उभरा है। नोर्टा के इस पावन अवसर पर करजण शहर मां अंबा की भक्ति में ऐसे डूबा हुआ है जैसे स्वर्ग के आनंद में डूबा हो। हाई-टेक लाइटिंग, दमदार साउंड और शानदार सेटअपः एथलीटों के लिए एक शानदार माहौल श्री रंगनाथ फाउंडेशन ने करजन में मौजूद बड़े गरबा ग्राउंड में एथलीटों के लिए पहले कभी नहीं देखे गए और लेटेस्ट इंतज़ाम किए हैं मॉडर्न स्टेज और लाइटिंग पूरा ग्राउंड वर्ल्ड-क्लास लेज़र लाइट, एक बड़ी स्पष्ट स्क्रीन और शानदार स्टेज डेकोरेशन से रोशन है। बूमिंग साउंड सिस्टमः मशहूर कलाकारों की रिदम से मैच करने के लिए एक सुपर-डिजिटल साउंड सिस्टम लगाया गया है, जो ग्राउंड के हर कोने में खड़े खिलाड़ियों को गरबा का असली रोमांच देता है। परंपरा और मॉडर्निटी का तालमेलः पुराने गरबा की गरिमा बनाए रखते हुए, युवाओं के लिए मॉडर्न स्टाइल के स्टेप्स और म्यूज़िक का एक शानदार कॉम्बिनेशन किया गया है,

दावों और तबाही की होली असलियत में, पानी के लिए जूझ रहे आदिवासी सरकार के खिलाफ हंगामा कर रहे हैं!

छोटा उदेपुर को सिंचाई के पानी के लिए 'वर्ल्ड्स बेस्ट अवॉर्ड' मिलना चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। गुजरात में महंगे कैंपेन और 'डेवलपमेंट' के बड़े-बड़े बोर्डों के बीच, आदिवासी बहुल ज़िले छोटा उदेपुर से एक कड़वी और डरावनी सच्चाई सामने आई है, जो शासकों की नीतियों पर करारा प्रहार करती है। छोटा उदेपुर ज़िले और क्वांट पंथक के आदिवासी किसान और ग्रामीण इलाकों के लोग 21वीं सदी में भी पीने और सिंचाई के पानी के लिए बूंद-बूंद संघर्ष कर रहे हैं। एडमिनिस्ट्रेशन की घोर अनदेखी से तंग आकर लोग अब सड़कों पर उतर आए हैं और सरकार के खिलाफ पूरी जंग के लिए मोर्चा खोल दिया है। पानी के बिना बर्बादी ': कागज़ पर हुनर, ज़मीन पर खालीपन! छोटा उदयपुर ज़िले से बड़ी नदियाँ और नर्मदा की मुख्य नहरें गुज़रती हैं, इसके बावजूद इस इलाके के आदिवासी किसानों के खेतों तक सिंचाई के पानी की एक भी बूँद नहीं पहुँचती। ताना कसने का एक तीखा तीरः अगर छोटा उदयपुर को कोई अवॉर्ड देना है, तो वह पानी की सिंचाई के क्षेत्र में 'दुनिया का सबसे अच्छा अवॉर्ड' होना चाहिए–एक ऐसा अवॉर्ड जो आज तक दुनिया में किसी को नहीं मिला! क्योंकि, कागज़ पर प्लान दिखाने और करोड़ों का बजट खर्च करने के बाद भी लोगों को प्यासा रखने की 'अनोखी कामयाबी' सिर्फ़ इसी सिस्टम ने हासिल की है! स्कीमों का फ्लॉप शो हर साल सरकार आदिवासी इलाकों के लिए सिंचाई स्कीम और लिफ्ट इरिगेशन के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन असलियत यह है कि ज़्यादातर स्कीम ठीक से लागू नहीं होतीं या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। खेती के लिए पानी की कमी और सिंचाई की कमी के कारण किसानों की आर्थिक हालत बहुत खराब हो गई है। गुस्साए आदिवासी समुदाय और लोकल किसानों ने एक साथ आकर सरकार और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोल दिया।

1. जब राज्य के दूसरे इलाकों में पानी सप्लाई किया जा सकता है, तो छोटा उदेपुर के आदिवासी किसानों के साथ ऐसा बुरा बर्ताव क्यों?



2. करोड़ों रुपये की लागत से घोषित सिंचाई योजनाएं सिर्फ कागजों पर ही क्यों हैं?

3. चुनाव के समय वोट मांगने आने वाले नेताओं को आज आदिवासियों की प्यास और खेतों की सूखी ज़मीन क्यों नहीं दिखती? सिंचाई के पानी की कमी के कारण आदिवासी युवाओं और किसानों को अपना घर छोड़कर पलायन करना पड़ रहा है। अगर जल्द से जल्द क्वांट और पूरे छोटा उदेपुर जिले के लिए बड़े पैमाने पर सिंचाई की योजना नहीं बनाई गई और योजनाओं को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो यह मोर्चा आने वाले दिनों में और भी तीखे आंदोलन का रूप लेगा।

गरबा फेस्टिवल के नाम पर किंजल दवे और इशानी दवे से लाखों की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कृति नगरी वडोदरा में नवरात्रि के पवित्र त्योहार की आड़ में एथलीटों की आस्था और उत्साह को खुलेआम ठगने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। वडोदरा के शक्ति नगर सर्कल में एक बड़ा गरबा फेस्टिवल आयोजित करने का दावा करते हुए, ऑर्गनाइज़र ने एथलीटों से 5,000 से 7,000 रुपये तक की भारी रकम के पास बेचे। लेकिन, जब गरबा का समय आया, तो ऑर्गनाइज़र ने गरबा रोक दिया और लाइट बंद करके रातों-रात भाग गए! मिली जानकारी के मुताबिक, ऑर्गनाइज़र ने बड़ा प्रमोशन किया था कि गुजरात की मशहूर लोक गायिका किंजल दवे और इशानी दवे इस गरबा फेस्टिवल में परफॉर्म करने वाली हैं। इन स्टार सिंगर्स के गरबा की धुन पर नाचने के लिए वडोदरा के युवाओं और खिलाड़ियों ने हज़ारों रुपये खर्च करके पास खरीदे थे। लेकिन ऑर्गनाइज़र का इरादा सिर्फ़ पैसे ऐंठना और स्कैम करना था। जब गरबा फैंस तैयार होकर ग्राउंड पर पहुँचे, तो वहाँ न तो ठीक से साउंड सिस्टम था और न ही कोई ऑर्गनाइज़र मौजूद था। ऑर्गनाइज़र ने फ़ोन बंद कर दिए थे और गरबा ग्राउंड को लॉक करके गायब हो गए थे। हज़ारों रुपये देने के बाद भी गरबा में डांस न कर पाने और ठगी का पता चलने पर ग्राउंड पहुँचे खिलाड़ियों और उनके पेरेंट्स में बहुत गुस्सा था। गुस्साए लोगों ने ग्राउंड के बाहर ज़बरदस्त प्रोटेस्ट किया और हंगामा किया।

अहमदाबाद में साइकिल चुराने वाला कुख्यात तस्कर पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। इसनपुर और मणिनगर इलाके अहमदाबाद शहर के सेंसिटिव इलाके माने जाते हैं। एक शातिर तस्कर जो रात में पुलिस की नींद खराब करता था और घरों में सेंधमारी करता था, आखिरकार खखिनी में पकड़ा गया है। वह आ गया है। कुख्यात चोर जो शहर में साइकिल पर घूमता है और आसान सा भ्रम पैदा करके बंद घरों को निशाना बनाता है।



अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने जावेद खान पठान को पकड़कर उसके काले धंधे का पर्दाफाश किया है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से क्राइम की दुनिया में भारी हंगामा मच गया है। पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं, वे बेहद चौंकाने वाली हैं। आरोपी जावेद खान पठान को कोई महंगी कार या बाइक नहीं, बल्कि एक साधारण कार चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वह साइकिल का इस्तेमाल करता था। यह तस्कर, जो रात में जल्दी साइकिल पर निकल जाता था, सोसाइटियों में रेकी करता था ताकि किसी को शक न हो। और वह उन लोगों को निशाना बनाता था जिनके घर बंद होते थे। पुलिस चौकीदार को उस पर कभी शक नहीं हुआ क्योंकि वह साइकिल से घूमता था, इसी का फायदा उठाकर वह लंबे समय से चोरी कर रहा था।

मशहूर सिंगर आदित्य गढ़वी के बयान के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजराती लोकगीत और संगीत के स्टार, मशहूर सिंगर आदित्य गढ़वी के हाल ही में दिए गए एक बयान ने सोशल मीडिया और कल्चरल सर्कल में हलचल मचा दी है। गरबा इवेंट्स और नवरात्रि जैसे पवित्र हिंदू त्योहारों में विधर्मियों की एंट्री को लेकर चल रहे विवाद के बीच, आदित्य गढ़वी की भूमिका और उनके स्टैंड पर सवाल उठ रहे हैं। यह मामला अब बहुत गरमा गया है और सोशल मीडिया पर राय और आलोचनाएं वायरल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राय के मुताबिक, आलोचना करने वालों का मानना है कि अगर कोई बयान देने के बाद उसे साफ़ किया जाता है या बदला जाता है, तो उसे स्टैंड बदलना माना जाता है। VHP (विश्व हिंदू परिषद) और दूसरे संगठनों ने पहले भी हिंदू त्योहार नवरात्रि की पवित्रता बनाए रखने के लिए साफ़ रोल निभाया है। ऐसे में, जब पॉपुलर कलाकार ऐसे सेंसिटिव मुद्दों पर गोलमोल स्टैंड लेते हैं, तो उनके सपोर्टर्स और फॉलोअर्स में बहुत गुस्सा होता है। क्रिटिक्स का कहना है कि अगर विधर्मियों की एंट्री पर पहले ही बात हो चुकी है, तो व्हाइट-कॉलर या हाई-प्रोफाइल सेलिब्रिटीज़ के मामले में स्टैंडर्ड क्यों बदलने चाहिए? जनता अब डबल स्टैंडर्ड्स मानने के मूड में नहीं है। यह पूरा विवाद RJ आकाश के उस बयान से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने हिंदू त्योहारों में दूसरे धर्मों के लोगों की एंट्री पर सवाल उठाए थे। त्योहार की आड़ में 'लव जिहाद' जैसी बुराइयों को रोकने और गरबा ग्राउंड की पवित्रता को भंग होने से बचाने के लिए कड़े नियम होने चाहिए। अगर त्योहार हमारा है, तो इसमें हमारे अपने समाज की भी भागीदारी होनी चाहिए, यह जनभावना मज़बूत हो रही है। लोगों को इस बात से गुस्सा है कि जब कलाकार स्टेज पर होते हैं, तो करोड़ों युवा उन पर अफ़रीन चिल्लाते हैं,इस विवाद से आने वाले दिनों में नवरात्रि के प्लान और कलाकारों की भूमिका को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ सकती है।

नेशनल हाईवे-48 पर वाघोडिया चौकड़ी ब्रिज के पास एक भयानक हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा से गुज़रने वाले बहुत बिज़ी नेशनल हाईवे-48 पर आधी रात को एक भयानक और दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। वाघोडिया से अजवा जाते समय, वाघोडिया चौकड़ी ब्रिज के खत्म होने वाले बहुत खतरनाक मोड़ के पास एक बेकाबू ट्रक ज़ोरदार धमाके के साथ पलट गया। इस भयानक हादसे में ट्रक में सवार एक अधेड़ उम्र के आदमी के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं और वह खून से लथपथ हालत में चीखने लगा। रमेशभाई मकवाना के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं: डरपोक ड्राइवर मौके से भाग गया मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे के समय ट्रक में सवार आनंद-खंभात के वरखोड़ी चारो फीनाव गांव के रहने वाले 50 साल के रमेशभाई मकवाना ट्रक पलटने से कुचल गए। इस भयानक हादसे में रमेशभाई के दोनों पैरों में गंभीर फ्रैक्चर और चोटें आईं। हैरानी और हैरानी की बात यह है कि हादसे के बाद दर्द से कराह रहे घायल व्यक्ति की मदद करने के बजाय, लापरवाह ट्रक ड्राइवर आधी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर इंसानियत को पीछे छोड़कर मौके से भाग गया। जैसे ही ट्रक के धमाके के साथ पलटने की आवाज सुनाई दी, लोकल ड्राइवर और इलाके के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों ने बिना देर किए तुरंत 108 इमरजेंसी एम्बुलेंस सर्विस को सूचना दी। घटना की गंभीरता को समझते हुए, 108 टीम कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गई। पैरामेडिकल स्टाफ ने खून बह रहे रमेशभाई मकवाना को फर्स्ट एड दिया और आगे के इलाज के लिए तुरंत वडोदरा के सयाजी हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया। एक्सीडेंट की वजह से कुछ देर के लिए नेशनल हाईवे-48 पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई और ट्रैफिक जाम हो गया। घटना की खबर मिलते ही लोकल पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा और क्रेन की मदद से पलटे हुए ट्रक को सड़क से हटाकर ट्रैफिक ठीक करवाया। पुलिस ने फरार लापरवाह ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी है।





अहमदाबाद के घी कांटा रोड पर नकली कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद SOG (स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप) ने अहमदाबाद शहर के व्यस्त और जाने-माने घी कांटा इलाके में ग्राहकों की सेहत और स्किन के साथ खुलेआम खिलवाड़ करने वाले नकली कॉस्मेटिक्स के काले कारोबार पर कार्रवाई की है। ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर डुप्लीकेट कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स बेचने के गोरखधंधे का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने LOréal Professionnel कंपनी का 6.90 लाख रुपये का नकली सामान ज़ब्त किया है। ब्यूटी शॉप की आड़ में नकली सामान बेचा जा रहा था SOG पुलिस को मिली खास जानकारी के आधार पर, घी कांटा रोड पर मौजूद 'माई ब्यूटी सेंट्रल' और 'लक्ष्मी ब्यूटी शॉप' पर एक साथ अचानक छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, इन दुकानों में लॉरियल कंपनी के लोगो और पैकेजिंग से तैयार शैम्पू, हेयर सीरम, कंडीशनर और दूसरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स बड़ी मात्रा में मिले। कंपनी के ऑथराइज्ड रिप्रेज़ेंटेटिव की मौजूदगी में वेरिफ़ाई करने पर यह साफ़ हो गया कि ये सभी प्रोडक्ट्स नकली और जाली थे। यश ठक्कर और ऋषभ अग्रवाल के खिलाफ़ केस दर्ज मुंबई का सप्लायर फरार पुलिस ने इस स्कैम में शामिल दुकानदार यश ठक्कर और ऋषभ अग्रवाल के खिलाफ़ कॉपीराइट और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और उनकी गिरफ़्तारी के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान पता चला कि इन नकली कॉस्मेटिक्स की बड़ी मात्रा मुंबई के एक बड़े सप्लायर से मंगवाई जा रही थी। छापेमारी की खबर मिलते ही, मुंबई से नकली सामान भेजने वाला मुख्य आरोपी फरार हो गया है, और स्ह्रत टीम ने उसे पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। और किन-किन दूसरी दुकानों पर ऐसे नकली सामान सप्लाई किए गए हैं।

BJP सरकार किसान-हितैषी नहीं बल्कि 'किसान-भूखी' है: खाद में अचानक 500 रुपये की बढ़ोतरी, बिजली कटौती और सूखे के खिलाफ कांग्रेस का हंगामा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। एक तरफ कुदरत के कहर से गुजरात में भयानक सूखे के हालात बन गए हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकार की किसान विरोधी नीतियों की वजह से धरतीपुत्र आर्थिक रूप से तबाह हो रहे हैं। किसान कांग्रेस की आज हुई खास प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य की BJP सरकार पर जमकर हमला बोला गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि BJP सरकार सिर्फ 'किसान-हितैषी' होने की बकवास कर रही है, जबकि असल में वह 'किसान-भूखी' साबित हो चुकी है। इनपुट इक्विपमेंट, बीज और खेती के औजारों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और दूसरी तरफ खेती की उपज की कीमतें बहुत नीचे आ गई हैं। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि सौराष्ट्र, कच्छ और उत्तरी गुजरात में कम बारिश की वजह से सूखे की आहट सुनाई दे रही है।

आंकड़ों का सच: पूरे भारत में सबसे कम बारिश द्वारका जिले में सिर्फ़ 16' और कल्याणपुर तालुका में सिर्फ़ 7' दर्ज की गई है। जामनगर और पोरबंदर जिले भी भयानक सूखे की चपेट में हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक का उदाहरण जहां महाराष्ट्र और कर्नाटक की सरकारों ने अपने राज्यों में सूखा प्रभावित इलाकों को घोषित कर दिया है और किसानों को राहत दी है, वहीं गुजरात सरकार कुंभकर्ण की नींद सो रही है। किसान कांग्रेस के नेता पाल अंबालिया ने सरकार के दोहरे रवैये को सामने लाते हुए कहा कि 14 जुलाई 2026 को गुजरात हाई कोर्ट के फ़ैसले (SCA नंबर 2167/2013) में सरकार ने खुद यह तर्क दिया था कि 'गैर-खेती वाले वैल्यूअर खेती की ज़मीन का मूल्यांकन नहीं कर सकते, क्योंकि खेती की ज़मीन का मूल्यांकन उपजाऊपन, सिंचाई और सालाना पैदावार जैसे फ़ैक्टर पर आधारित होता है। लेकिन, 4 जुलाई 2026 के एक सर्कुलर के मुताबिक, बड़ी बिजली कंपनियों को मुआवज़ा और क़ानून बचाने के लिए, सरकार ने IBBI के गैर-खेती वाले वैल्यूअर पर किसानों के खेतों से गुज़रने वाली बिजली लाइनों और बिजली के खंभों की ज़मीन का मूल्यांकन सस्ते दाम पर करवाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इनकम टैक्स एक्ट और वेल्थ टैक्स एक्ट के नियमों के मुताबिक, खेती की ज़मीन के मूल्यांकन के लिए एग्रीकल्चर साइंस में डिग्री और 5 साल का अनुभव ज़रूरी है, फिर भी सरकार क़ानून का उल्लंघन करके बिजली कंपनियों के लिए दलाल का काम कर रही है। 31 अक्टूबर को 'किसान महासम्मेलन' और आर-पार की लड़ाई की चेतावनी AICC ओडिशा के संगठन इंचार्ज लालजीभाई देसाई और किसान नेता महेश राजकोटिया की मौजूदगी में सरकार की नीतियों के खिलाफ आखिरी चेतावनी दी गई:



1. **30 अक्टूबर की डेडलाइन:** सरकार 30 अक्टूबर तक कम बारिश वाले सभी इलाकों को सूखा प्रभावित घोषित करे।

2. **चार गुना मुआवजा:** बिजली लाइनों के मामले में, बाजार कीमत का चार गुना मुआवजा और जोखिम के खिलाफ बीमा पॉलिसी का प्रावधान किया जाए।

3. किसान कांग्रेस: अगर 30 अक्टूबर तक मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 31 अक्टूबर को किसानों के मसीहा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के शुभ अवसर पर जामनगर, द्वारका और पोरबंदर जिलों में सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई शुरू करने के लिए 'किसान कांग्रेस' का आयोजन किया जाएगा।

अहमदाबाद में कांग्रेस ऑफिस पर टकराव की आशंका के चलते पुलिस की कड़ी तैनाती: हंगामे से पहले लगाए गए तीन लेयर के बैरिकेड, क्या पुलिस ABVP और BJP के विरोध को रोक पाएगी?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति का मुख्य केंद्र माने जाने वाले अहमदाबाद में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के हेडक्वार्टर पर बड़े हंगामे और आमने-सामने की हिंसक झड़पों की आशंका के बीच अहमदाबाद पुलिस हरकत में आ गई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और BJP संगठन के विरोध और घेराव के ऐलान के बाद पुलिस ने एहतियात के तौर पर कांग्रेस ऑफिस के बाहर तीन लेयर (तीन लेवल) के लोहे के बैरिकेड लगाए हैं। पुलिस छावनी में तब्दील हुआ राजीव गांधी भवन कड़ी सुरक्षा कांग्रेस ऑफिस में पिछली झड़पों और तोड़फोड़ की घटनाओं से सीखते हुए पुलिस ने इस बार सख्त रुख अपनाया है। कांग्रेस भवन की ओर जाने वाली सभी मुख्य सड़कों को मजबूत बैरिकेड लगाकर ब्लॉक कर दिया गया है। मौके पर 600 से ज़्यादा पुलिस कर्मी, SRP स्क्वॉड और बड़े पुलिस अधिकारियों का काफिला तैनात किया गया है। किसी भी असामाजिक तत्व या प्रदर्शनकारी को ऑफिस के मेन गेट तक पहुंचने से रोकने के लिए वॉटर कैनन और थंडरबोल्ट गाड़ियां भी तैयार रखी गई हैं। क्या ABVP कार्यकर्ताओं को रोका जा सकेगा? राजनीतिक संकट और माहौल में गर्मी के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अहमदाबाद पुलिस सड़क पर आक्रामक ABVP और BJP कार्यकर्ताओं को रोक पाएगी? इससे पहले भी ऑफिस के बाहर NSUI, ABVP और BJP-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पत्थरबाजी और आमने-सामने की लड़ाई की घटनाएं हो चुकी हैं।

सौ साल पार कर चुकी गुजराती साहित्य परिषद विवादों के भंवर में: ऑटोनॉमी के खिलाफ एक बड़ा नैतिक संकट, लेखकों में भारी नाराज़गी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक नामी संस्था 'गुजराती साहित्य परिषद', जो गुजराती भाषा, साहित्य और संस्कृति की शान है और जिसका 100 साल से भी ज़्यादा का शानदार इतिहास है, इस समय गंभीर विवादों और नैतिक संकटों के दौर से गुज़र रही है। यह संस्था, जिसे साहित्यिक मंथन और विचारों के खुले लेन-देन का सेंटर होना चाहिए, जब अपने मूल्यों को छोड़कर झूठे तर्कों, चुनाव-उन्मुख राजनीति और विवादों के पीछे भाग रही है, तो भाषा प्रेमियों समेत पूरे साहित्य जगत में चिंता की लहर दौड़ गई है। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी और ऑटोनॉमी पर कुठाराघात एक चिंताजनक स्थिति संगठन के अंदरूनी चुनावों और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस को लेकर लेखकों और बुद्धिजीवियों में बहुत गुस्सा है। सबसे बड़ा सवाल 'वोटर लिस्ट' की पवित्रता और संगठन की आज़ाद ऑटोनॉमी पर खड़ा हो गया है। जब तक वोटर लिस्ट ट्रांसपेरेंट और पवित्र नहीं होगी और फ्री एक्सप्रेशन के अधिकार को स्वीकार नहीं किया जाएगा, तब तक गुजराती साहित्य परिषद की असली गरिमा और शानदार परंपरा को वापस लाना बिल्कुल नामुमकिन है। साहित्यिक हलकों का साफ मानना है कि लेखक स्वभाव से ही एक आज़ाद इंसान होता है। उसके विचारों, उसकी कलम या उसकी अभिव्यक्ति को किसी छोटे संकल्प, आचार संहिता या एडमिनिस्ट्रेटिव सीमाओं में बांधकर उसकी ऑटोनॉमी छीनना बिल्कुल भी सही या न्यायसंगत नहीं है। रचनाकार पर कंट्रोल करने या उसे किसी खास दायरे में बांधने की कोई भी कोशिश साहित्यिक मूल्यों का अपमान करने के बराबर है। भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के सामने अस्तित्व का सवाल अगर एक गर्व करने वाली संस्था, जिसके प्रेसिडेंट महात्मा गांधी, कन्हैयालाल मुंशी और उमाशंकर जोशी जैसे महान लोग रहे हैं, अपने ही अंदरूनी मामलों में उलझी रहेगी, तो मातृभाषा गुजराती को बढ़ावा देने का बुनियादी काम रुक जाएगा। साहित्य के क्षेत्र के नेताओं की यह ज़ोरदार मांग है कि संस्था के पदाधिकारी और एडमिनिस्ट्रेटर निजी हितों और विवादों से ऊपर उठें, ऑटोनॉमी बनाए रखें और गुजराती साहित्य की शान को फिर से ज़िंदा करें।

मशहूर 'सफेद परिंदे' गरबा के पहले दिन भयानक मिसमैनेजमेंट सामने आया: महंगे पास खरीदने के बावजूद खिलाड़ी और विज़िटर परेशान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के युवाओं और गरबा लवर्स के बीच बड़े अट्रैक्शन का सेंटर माने जाने वाले मशहूर 'सफेद परिंदे' गरबा फ़ेस्टिवल के पहले दिन भयानक और चौंकाने वाला मिसमैनेजमेंट सामने आया। सोशल मीडिया पर मशहूर और महंगे पास बेचकर हाइप बनाने वाले ऑर्गनाइज़र शुरू से ही ऑर्डर बनाए रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। हज़ारों रुपये खर्च करके पहुंचे खिलाड़ियों और गरबा लवर्स को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ा है। फ़ेस्टिवल की पहली रात हज़ारों लोग गरबा वेन्यू पर उमड़े। लेकिन ऑर्गनाइज़र्स ने क्राउड मैनेजमेंट के लिए जो सुविधाएँ दी थीं, वे बहुत नाकाफ़ी साबित हुईं एंट्री पॉइंट पर झड़पें: गेट पर काफ़ी सिक्योरिटी गार्ड और सही लाइन मैनेजमेंट न होने की वजह से अफ़रा-तफ़री मच गई।

पार्किंग लॉट में ट्रैफ़िक जाम: पार्किंग की सही व्यवस्था न होने की वजह से मेन सड़कों पर गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गईं, जिससे ट्रैफ़िक जाम की भयानक समस्या हो गई।पास होने के बावजूद परेशानी: महंगे पास होने के बावजूद लोगों को घंटों लाइनों में खड़ा होना पड़ा।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, खिलाड़ियों में भारी गुस्सा

गरबा वेन्यू पर अफ़रा-तफ़री और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जिससे ऑर्गनाइज़र्स के ख़िलाफ़ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। कई एथलीट्स ने अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा कि सिर्फ़ बड़े-बड़े एडवर्टाइज़मेंट और दिखावे करके पास के नाम पर बड़ी रकम इकट्ठा की जा रही है, लेकिन सिक्योरिटी और सुविधाओं के नाम पर बहुत



कम पैसा दिख रहा है। क्या 'सफ़ेद परिंदे' के ऑर्गनाइज़र सिर्फ़ पैसा कमाने पर ध्यान दे रहे हैं? नियमों के मुताबिक, कैपेसिटी के हिसाब से ही पास बेचे जाने हैं, लेकिन आरोप हैं कि लिमिट से ज़्यादा लोगों को एंट्री देने की वजह से इतनी बड़ी अफ़रा-तफ़री मची है। अब देखना यह है कि बाकी गांवों में पुलिस और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन इन ऑर्गनाइज़र्स के ख़िलाफ़ सख़्त एक्शन लेते हैं और सिस्टम को सुधारते हैं या एथलीटों को पूरे नवरात्रि ऐसे ही परेशान होना पड़ेगा।

सोनम वांगचुक ने लद्दाख में छठी अनुसूची के वादे को लेकर सरकार की आलोचना की: चीन को साफ शब्दों में धमकाते हुए कहा, 'यह हमारा अंदरूनी मामला है'

जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख के हक के लिए उठाई आवाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने एक बार फिर लद्दाख के भविष्य और पहचान को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। संविधान की 'छठी अनुसूची' के तहत लद्दाख को विशेष दर्जा देने के पिछले वादों को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए वांगचुक ने चीन से भी साफ-साफ कहा है कि वह लद्दाख के अंदरूनी मामलों में दखल देना बंद करे।

क्या सरकार छठी अनुसूची के वादों को भूल गई है?

लद्दाख की जमीन, संस्कृति, पर्यावरण और रोजगार की रक्षा के लिए 'छठी अनुसूची' को लागू करना बेहद जरूरी है। सोनम वांगचुक ने



सरकार को याद दिलाया है कि लद्दाख के लोगों से पहले जो बड़े वादे किए गए थे, उन्हें पूरा करने में देरी क्यों हो रही है? जब वहां के लोगों के हक और वजूद पर खतरा हो, तो चुप रहना ठीक नहीं है। वांगचुक की इन हरकतों से सियासत गरमा गई है और सरकार पर दबाव बढ़ गया है। चीन को चेतावनी 'लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा है' एक तरफ, सरकार के खिलाफ अपने हक की लड़ाई लड़ रहे सोनम वांगचुक ने ड्रैगन (चीन) को भी कड़ा संदेश दिया है। लद्दाख मुद्दे पर चीन के बयानों और उसके माफ़ न किए जा सकने वाले दखल के बारे में वांगचुक ने साफ कहा है, 'लद्दाख भारत का अभिन्न और संप्रभु हिस्सा है, चीन को इसमें अपनी नाक घुसाने या दखल देने की कोई ज़रूरत नहीं है।' लद्दाख के नागरिक और भारत सरकार भारत के अंदरूनी मसलों को सुलझाने में सक्षम हैं, किसी भी बाहरी ताकत को दखल देने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। स्थानीय लोगों में जागरूकता और संघर्ष तेज़ होने की संभावना है। सोनम वांगचुक के इस बोल्ड बयान के बाद, इस बात की पूरी संभावना है कि लद्दाख में चल रहा आंदोलन और तेज़ होगा। पर्यावरण और संस्कृति की रक्षा के लिए शहीद हुए लद्दाख के लोग अब अपने अधिकारों के लिए लड़ने के मूड में हैं।

गुजरात पुलिस की छवि पर सवाल: पुलिस सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ 48 घंटे में केस दर्ज करने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस डिपार्टमेंट की इमेज खराब करने और खाकी की इज्जत को तार-तार करने वाली एक और बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह एक बेहतरीन उदाहरण है कि जब आम लोगों की रक्षा करने वाले गार्ड ही खुलेआम शिकारी बन जाते हैं तो क्या होता है। कोर्ट ने आखिरकार एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर की गंभीर गैर-जिम्मेदारी और अपराध के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, जिसने गैर-कानूनी तरीके से एक आम महिला के घर में घुसकर हैवानियत की और उसे धमकाया। कोर्ट ने साफ और सख्त आदेश दिया है कि इस मौज-मस्ती करने वाले के खिलाफ अगले 48 घंटे के अंदर केस दर्ज किया जाए और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। मिली जानकारी के मुताबिक, कानून के रखवाले माने जाने वाले इस ने अपने अधिकार का खुलेआम गलत इस्तेमाल करते हुए सारी हदें पार कर दी थीं। बिना किसी कानूनी इजाज़त या प्रोसेस के एक महिला के घर में ज़बरदस्ती घुसकर उसे धमकाया और धमकाया गया। घर की पवित्रता और महिला की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली इस हरकत से पूरे इलाके में बहुत गुस्सा फैल गया था। पुलिसवालों की ऐसी गुंडागर्दी से आम लोगों में सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि अगर गार्ड ही घर में घुसकर आतंक मचाएगा तो आम लोग इंसाफ के लिए कहां जाएंगे कोर्ट का आदेश: 'शिकायत दर्ज करें और 48 घंटे के अंदर रिपोर्ट दें' जब इस मामले में लोकल लेवल पर और पुलिस डिपार्टमेंट में सही इंसाफ नहीं मिला तो पीड़ित पक्ष ने कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। मामले की गंभीरता और सबूतों को देखते हुए कोर्ट ने पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ़ रुख अपनाया है।

सरकारी गाड़ियों का बेहिसाब गलत इस्तेमाल: DFO स्वास्तिक जडेजा को एडमिनिस्ट्रेशन से तगड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/गुजरात। सरकारी अधिकारी और बड़े अधिकारी कैसे पब्लिक के पैसे का इस्तेमाल अपनी शाही शान-शौकत को पूरा करने के लिए करते हैं, इसका एक और शर्मनाक खुलासा हुआ है। एडमिनिस्ट्रेशन ने सरकारी गाड़ियों के बेहिसाब और गैर-कानूनी गलत इस्तेमाल के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। जैसे ही यह बात सामने आई कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के इंचार्ज एक बड़े अधिकारी DFO स्वास्तिक जडेजा ने सरकारी गाड़ी का गलत इस्तेमाल पर्सनल फायदे और कामों के लिए किया, एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ा भूचाल आ गया। एडमिनिस्ट्रेशन ने इस मामले में सख्त एक्शन लिया है और ऑफिशियली स्वास्तिक जडेजा को 'शो-कॉज नोटिस' जारी किया है। नियमों के मुताबिक, सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल सिर्फ़ सरकारी काम, ऑफिशियल ट्रिप और डिपार्टमेंट के काम के लिए ही किया जा सकता है। लेकिन, ज़िम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी कानून और नियमों को अपनी जेब भरने का ज़रिया समझते हैं। स्वास्तिक जडेजा पर सरकारी मशीनरी और गाड़ियों का गलत इस्तेमाल करके उन्हें अपने पर्सनल काम और ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल करने का आरोप है। जनता के पसीने से भरे खजाने के टैक्स के पैसे से चलने वाली इन गाड़ियों के इस पर्सनल इस्तेमाल से आम नागरिकों और जानकार लोगों में बहुत गुस्सा है।



'कोकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दीपके को हिरासत में लेने के बाद, पुलिस छावनी में बदल गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन और रैलियों का माहौल अपने चरम पर पहुँच गया है। कनॉट प्लेस में प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च और विरोध-प्रदर्शन से पहले ही दिल्ली पुलिस ने 'कोकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर और विवादित युवा नेता अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया था। अभिजीत दीपके को कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली के संवेदनशील मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाने के बाद, वहाँ राजनीतिक गर्मी और तनावपूर्ण माहौल बन गया है। क्योंकि अभिजीत दीपके को स्पेशल एग्जीक्यूटिव एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना है, इसलिए सुबह से ही मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस स्टेशन के आस-पास के इलाके को कैंटोनमेंट (पुलिस छावनी) में बदल दिया गया है, ताकि कोई अनहोनी न हो। दूसरी तरफ, अभिजीत दीपके के सपोर्ट में उनके लीगल एडवाइजर और वकील (जिसमें रत्ना सिंह और पुष्पा शर्मा समेत लीगल टीम भी शामिल है) पुलिस स्टेशन पहुंच गए। कस्टडी और डिटेंशन प्रोसेस को लेकर पुलिस और वकीलों के बीच गरमागरम बहस की खबरें भी सामने आई हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस या नगर निगम एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से कनॉट प्लेस या दिल्ली में तय जगहों के अलावा दूसरी जगहों पर प्रोटेस्ट या के बाहर मीडिया वालों, सिक्योरिटी वालों और सपोर्टर्स की भारी भीड़ जमा है और पूरे देश की पॉलिटिकल नज़रें इस मामले पर टिकी हैं।



जयपुर सेंट्रल जेल की दीवार के ऊपर से फेंका मोबाइल और तंबाकू का पैकेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद कैदियों तक प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने की कोशिश का मामला सामने आया है। शनिवार दोपहर बाइक सवार दो युवकों ने जेल के वार्ड नंबर-10 की दीवार के ऊपर से मोबाइल और तंबाकू का पैकेट फेंक दिया। जेल की सुरक्षा में तैनात सिविल ड्रेसधारी प्रहरियों की सतर्कता से एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा। घटना के बाद जेल प्रशासन ने पकड़े गए आरोपी को लालकोठी थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जयपुर सेंट्रल जेल में प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने की घटनाओं पर निगरानी रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी व्यवस्था के तहत जेल प्रहरियों को सिविल ड्रेस में भी तैनात किया गया है, ताकि जेल की बाहरी सीमाओं के आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। शनिवार को जेल प्रहरी जसवंत, निरंजन और राजेन्द्र इसी जिम्मेदारी के तहत निगरानी कर रहे थे। दोपहर करीब एक बजे तीनों प्रहरी जेल के पीछे स्थित कसाई मोहल्ले की कॉलोनी में निगरानी के लिए घूम रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने जेल के वार्ड नंबर-10 की दीवार के ऊपर से एक पैकेट अंदर फेंक दिया। जेल की दीवार के ऊपर से पैकेट फेंकने की गतिविधि पर प्रहरियों की नजर पड़ गई। उन्होंने तत्काल दोनों युवकों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। अचानक हुई इस कार्रवाई के दौरान बाइक चला रहे युवक को पकड़ने में सफलता मिल गई, लेकिन बाइक पर पीछे बैठा उसका साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। जेल प्रहरियों ने मौके से बाइक चला रहे शादाब पुत्र अयाज अहमद को पकड़ लिया। वहीं, उसके साथ बाइक पर पीछे बैठा सोहेल उर्फ कालू पुत्र मोहम्मद शकील खान भागने में सफल रहा। घटना के बाद प्रहरियों ने पकड़े गए शादाब के साथ बरामद बाइक और जेल के अंदर फेंके गए मोबाइल व तंबाकू के संदिग्ध पैकेट को लालकोठी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जेल प्रशासन की ओर से पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जेल के भीतर प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने के पीछे क्या उद्देश्य था और इस घटना में अन्य किसी व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।



बागरा में मां अंबाजी गरबा महोत्सव में महिषासुर वध की भव्य झांकी ने मोहा मन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। कस्बे में मां अंबाजी गरबा मंडल की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव में शुक्रवार को भक्ति, आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। गरबा पंडाल में सजी देवी-देवताओं की भव्य झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण महिषासुर वध की सजीव झांकी रही, जिसके मंचन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।



धार्मिक प्रस्तुतियों के दौरान पूरा पंडाल माता के जयकारों से गूंजता रहा। आयोजन में बागरा सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और गरबा रास के माध्यम से माता की आराधना की। गरबा महोत्सव में मां अंबाजी की भव्य उपस्थिति के साथ उनकी आठ देवियों, मां कालिका, गोरा भैरव, काला भैरव और दशा माता के स्वरूपों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। देवी-देवताओं की सजीव झांकियों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक वातावरण और साज-सज्जा ने पूरे पंडाल को भक्तिमय बना दिया। महोत्सव के दौरान महिषासुर वध की झांकी का विशेष मंचन किया गया। कलाकारों ने देवी शक्ति और महिषासुर के बीच हुए युद्ध के प्रसंग को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति के माध्यम से बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। झांकी के दौरान श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा। देवी-देवताओं की वेशभूषा में सजे कलाकारों ने गरबा रास में हिस्सा लेकर आयोजन की रौनक बढ़ाई। पारंपरिक धार्मिक प्रस्तुतियों के साथ गरबा की लय और ताल ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने भी गरबा खेलकर माता की आराधना की। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच पंडाल में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। कार्यक्रम में खाटूश्यामजी की सजीव झांकी का भी मंचन किया गया। इस धार्मिक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। झांकी के दौरान पंडाल में 'जय माता दी' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ देवी-देवताओं के दर्शन किए और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता निभाई।

बागरा में मां अंबाजी नवरात्रि महामहोत्सव का पांचवां दिन धूमधाम से मनाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। कस्बे में मां अंबाजी गरबा मंडल की ओर से आयोजित नवरात्रि महामहोत्सव के पांचवें दिन भक्ति, उल्लास और धार्मिक उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में देवी-देवताओं की जीवंत झांकियों और गरबा रास की आकर्षक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मां अंबाजी की अलौकिक झांकी महोत्सव का मुख्य आकर्षण रही। झांकियों के दर्शन और गरबा रास में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गरबा प्रांगण में पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महोत्सव के दौरान मां अंबाजी की भव्य और आकर्षक झांकी सजाई गई। बाल कलाकारों और श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं का स्वरूप धारण कर धार्मिक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों की वेशभूषा और झांकियों की सजीव प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को आकर्षित किया।ह विमलेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मां अंबाजी की अलौकिक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बाल कलाकारों और श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं के रूप में गरबा रास प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। जैसे ही कलाकार गरबा प्रांगण में पहुंचे, पूरा पंडाल 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। नवरात्रि महामहोत्सव के दौरान पारंपरिक परिधानों में सजे श्रद्धालुओं ने गरबा रास में बढ़-चढ़कर भाग लिया। ढोल और डांडियों की थाप पर महिला-पुरुषों सहित श्रद्धालु देर रात तक गरबा खेलते रहे। संगीत, भक्ति और पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियों से गरबा प्रांगण में उत्सव का माहौल बना रहा।

कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: पुलिया से 15 फीट नीचे गिरी मिनी बस, आठ लोगों की मौत और 17 घायल

मृतकों में बस चालक भी शामिल
अंधेरे में चला बचाव अभियान, घायलों को खिड़कियां तोड़कर निकाला गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। पुलिस के अनुसार, टेंपो ट्रैवलर में सवार यात्री शुक्रवार शाम करीब सात बजे भोपाल से रवाना हुए थे। सभी लोग आपस में रिश्तेदार थे और राजस्थान में चार दिन के भ्रमण पर आए थे। यात्रा के पहले दिन उनका कार्यक्रम खाटूश्यामजी के दर्शन करने का था, लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले ही यह हादसा हो गया, सिमलिया थाना प्रभारी नंद सिंह ने बताया कि दुर्घटना शनिवार सुबह करीब छह बजे कोटा शहर से लगभग 35 किलोमीटर दूर कराड़िया टोल के पास हुई। टेंपो ट्रैवलर एक्सप्रेसवे पर चलते हुए पुलिया से नीचे गिर गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर के अनुसार, घायल यात्री चार दिवसीय राजस्थान यात्रा पर निकले थे। हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में बस चालक भी शामिल है। हादसा इतना गंभीर था कि ट्रैवलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बचाव कार्य में शामिल एक सदस्य ने आशंका जताई कि वाहन का अगला हिस्सा एक्सप्रेसवे से नीचे गिरते समय पहले टकराया होगा। हालांकि, दुर्घटना की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई यात्रियों के शव सीटों के बीच फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घायल यात्रियों को निकालने के लिए वाहन की खिड़कियां तोड़नी पड़ीं। हादसे की सूचना सुबह करीब सवा छह बजे पुलिस को मिली थी। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राहत कार्य शुरू कराया। दुर्घटनास्थल पर कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर जाम जैसी स्थिति भी बन गई। बचाव दल ने क्षतिग्रस्त वाहन से यात्रियों को बाहर निकालने के साथ घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया। हादसे में घायल यात्रियों को कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में कई घायल बेहोशी की हालत में लाए गए, जिन्हें चिकित्सकों ने सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया। गंभीर स्थिति वाले कुछ घायलों को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, अधिकतर घायलों के सिर में



गंभीर चोटें आई हैं। कई यात्रियों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर भी हुए हैं। वाहन में सीटों के बीच फंसने और दुर्घटना के दौरान जोरदार टक्कर लगने से यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वाहन में कई परिवारों के सदस्य सवार थे। प्रशासन की ओर से यात्रियों के आपसी संबंधों और अन्य आवश्यक जानकारियों का पता लगाया गया। न्यू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों और घायलों की पहचान कर ली गई है। मृतकों में अरुणा, वैष्णवी, त्रिशा, कृष्णा, अनिता, ओम सूर्यवंशी और राजू के नाम बताए गए हैं। वाहन चालक की भी हादसे में मौत हो गई। सात लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि एक घायल की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घायलों में वंदिता पुत्री रविंद्र झरबड़े, अजय गावंडे पुत्र मरोतराव गावंडे, वेदांत झरबड़े पुत्र योगेश झरबड़े, मोहनिस झरबड़े पुत्र रविंद्र झरबड़े, आकांक्षी झरबड़े पुत्री कमलेश झरबड़े, हेमलता गायकवाड़ पत्नी संतोष गायकवाड़ और सारांश पुत्र कमलेश झरबड़े सहित अन्य यात्री शामिल हैं।

मानसून की बेरुखी के बीच गो-सेवा की मिसाल सिरोही के पड़ीव में 11 बीघा जमीन पर उगाया हरा चारा

प्रथमेश कृषि फार्म में तैयार सप्तधान्य चारा तीन दिन तक गोवंशों के भोजन और चराई के काम आएगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। राजस्थान में मानसून की बेरुखी और कम बारिश के कारण कई क्षेत्रों में चारे का संकट गहराने से पशुपालकों और गोशालाओं के सामने चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। ऐसे समय में सिरोही जिले के पड़ीव गांव से गो-सेवा की सराहनीय पहल सामने आई है। यहां भारत विकास परिषद की देवनगरी शाखा की ओर से गोवंशों के लिए 11 बीघा जमीन पर हरा चारा उगाया गया। गो-सेवा प्रकल्प के तहत की गई इस पहल से करीब 500 गोवंशों को राहत मिलने की उम्मीद है। खेत में तैयार चारा तीन दिन तक गोवंशों के भोजन और चराई के काम आएगा। कम बारिश के कारण चारे की उपलब्धता प्रभावित होने के बीच इस प्रयास को गोवंशों के संरक्षण और सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत विकास परिषद की देवनगरी शाखा के अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह ने गो-सेवा प्रकल्प के तहत पड़ीव



गांव स्थित प्रथमेश कृषि फार्म में हरा चारा उगाने की पहल की। इसका उद्देश्य चारे की कमी के बीच गोवंशों के लिए भोजन की व्यवस्था करना रहा। इसके लिए 11 बीघा खेत में सप्तधान्य फसलें तैयार की गईं, जिनसे हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। मानसून के दौरान पर्याप्त बारिश नहीं होने से कृषि और पशुपालन से जुड़े लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में गोवंशों के लिए हरे चारे की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए खेत में चारा तैयार किया गया, ताकि जरूरत के समय गोवंशों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके। प्रथमेश कृषि फार्म में तैयार हरा चारा करीब 500 गोवंशों के लिए उपयोगी होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह चारा तीन दिन तक उनके भोजन और चराई के काम आएगा। इससे गोवंशों को हरा चारा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। गो-सेवा के इस प्रयास से यह भी सामने आया है कि सामूहिक पहल और उपलब्ध कृषि भूमि का उपयोग करके चारे की कमी के समय पशुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। विशेष रूप से कम बारिश वाले क्षेत्रों में गोवंशों के लिए चारा जुटाना महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे प्रयास गोशालाओं और गोवंशों की देखभाल में सहयोगी साबित हो सकते हैं। इस पहल के दौरान रताराम सुथार, गोशाला संचालक मोहनलाल पुरोहित, प्रमोद कुमार जानी, रमेश सिंह राठौड़, महेश त्रिवेदी, खंगाराराम देवासी और गणेश देवासी सहित बड़ी संख्या में गौभक्त मौजूद रहे।

39 घंटे तक जिंदगी की जंग लड़ता रहा नौ साल का भोमाराम, बोरवेल से निकाला तोड़कर भी नहीं बच सकी जान

फलोदी के पूनिया की ढाणी में 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिरा था मासूम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फलोदी। राजस्थान के फलोदी जिले में बोरवेल में गिरे नौ साल के भोमाराम को बचाने के लिए करीब 39 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन आखिरकार दुखद अंत के साथ समाप्त हुआ। शुक्रवार देर रात 3:35 बजे बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। उसे तत्काल एंबुलेंस से लोहावट अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय स्तर पर जुटी टीमों ने लगातार प्रयास किए। अभियान के दौरान बोरवेल के भीतर फंसा एक बड़ा पत्थर बचाव कार्य में गंभीर बाधा बन गया था। आखिरकार देसी उपकरण की मदद से पत्थर को निकालने के बाद बच्चे तक पहुंचने का



रास्ता साफ किया गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। जानकारी के अनुसार, भोमाराम 15 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे पूनिया की ढाणी में 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया था। वह बोरवेल के भीतर करीब 640 फीट की गहराई पर जाकर फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही बच्चे को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया। गहराई अधिक होने के कारण अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण था। बचाव दल को बच्चे तक पहुंचने और उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास करने पड़ रहे थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीमों ने बोरवेल की स्थिति का आकलन किया और उपलब्ध संसाधनों की मदद से बच्चे तक पहुंचने की कोशिश की। हालांकि, बोरवेल के भीतर बच्चे से करीब 30 फीट ऊपर एक पत्थर फंसा होने के कारण बचाव कार्य आगे बढ़ाने में परेशानी आ रही थी। पत्थर के कारण पाइप और अन्य उपकरणों को नीचे पहुंचाना मुश्किल हो रहा था। इससे बच्चे को बाहर निकालने की प्रक्रिया में अतिरिक्त समय लगा। बचाव अभियान में पत्थर सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें अपने प्रयासों के बावजूद इस अवरोध के कारण बच्चे को बाहर निकालने में सफल नहीं हो पा रही थीं। इसके बाद देसी जुगाड़ से उपकरण तैयार करने के लिए विशेषज्ञ माधाराम सुथार और उनकी टीम की मदद ली गई। टीम ने लोहे के सरियों को वेल्डिंग करके एक विशेष उपकरण तैयार किया। इसका उद्देश्य बोरवेल के भीतर फंसे पत्थर को इस तरह पकड़ना था कि उसे आसपास की संरचना पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना बाहर खींचा जा सके। बोरवेल के अंदर की स्थिति को समझने के लिए कैमरे से मिले फुटेज का सहारा लिया गया। उसी के आधार पर उपकरण के ढांचे और आकार को तैयार किया गया, ताकि वह भीतर मौजूद पत्थर तक पहुंच सके।

जयपुर में छह साल के मासूम का अपहरण, बाइक सवार दो बदमाश उठाकर ले गए

पत्नी के लापता होने के तीन महीने बाद बेटे के गायब होने से परिवार परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर के शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के बीलवा में छह साल के बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। शुक्रवार दोपहर बाइक सवार दो बदमाश घर के पास से मासूम को जबरन उठाकर ले गए। घटना के समय बच्चा अपनी 16 वर्षीय चचेरी बहन के साथ पानी लेने के लिए घर से कुछ दूरी पर स्थित आरओ प्लांट गया था। इसी दौरान हेलमेट पहने दो युवक बाइक पर पहुंचे और बच्चे को अपने साथ ले गए। चचेरी बहन के शोर मचाने के बावजूद आरोपी बच्चे को बाइक पर बीच में बैठाकर फरार हो गए। वारदात के बाद इलाके में चिंता का माहौल है। सूचना मिलने पर शिवदासपुरा थाना पुलिस ने नाकाबंदी करवाई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक घनश्याम के अनुसार, बीलवा निवासी 27 वर्षीय युवक ने अपने छह साल के बेटे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित का बेटा निजी स्कूल में कक्षा एक में पढ़ता है। शुक्रवार को स्कूल से लौटने के बाद वह घर पर खेल रहा था। दोपहर करीब 3:15 बजे वह अपनी 16 वर्षीय चचेरी



बहन के साथ पानी लेने के लिए घर से कुछ दूरी पर स्थित आरओ प्लांट गया था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। आरोप है कि उन्होंने बच्चे को जबरन अपने कब्जे में ले लिया और बाइक पर बीच में बैठाकर वहां से भाग निकले। बच्ची ने शोर मचाकर विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी तेजी से मौके से निकल गए। इसके बाद वह दौड़कर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। बच्चे के अचानक गायब होने की सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलने पर शिवदासपुरा थाना पुलिस सक्रिय हुई और इलाके में नाकाबंदी करवाई गई। पुलिस ने घटनास्थल तथा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज में बाइक पर बच्चे को ले जाते हुए दो संदिग्ध दिखाई दिए हैं। आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बाइक की नंबर प्लेट भी हटा रखी थी, जिससे उनकी पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के आने-जाने के संभावित रास्तों का पता लगाने के लिए रूट चार्ट तैयार किया जा रहा है। पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और बच्चे का पता लगाने के प्रयास में जुटी है। इस मामले में पीड़ित पिता ने परिवार से जुड़ा एक और गंभीर घटनाक्रम सामने रखा है। उसका कहना है कि उसकी 25 वर्षीय पत्नी 6 जुलाई 2026 को रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थी। पत्नी के नहीं मिलने पर उसने शिवदासपुरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीड़ित का आरोप है कि करीब तीन महीने बीत जाने के बाद भी उसकी पत्नी का पता नहीं चल पाया है। अब बेटे के अपहरण की घटना ने उसकी परेशानी और बढ़ा दी है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पत्नी के लापता होने के पीछे उसके दोस्त राकेश की भूमिका है। उसका कहना है कि जानकारी जुटाने पर उसे पता चला कि राकेश उसकी पत्नी को अपने साथ ले गया।

माउंट आबू में बालिकाओं को बताए कानूनी अधिकार, बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ किया जागरूक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, महिला सुरक्षा और सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिरोही के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में बालिकाओं को महिलाओं से जुड़े कानूनी प्रावधानों, सुरक्षा के उपायों तथा जरूरत पड़ने पर निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों की रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में वक्ता उत्तम कुमार ने बालिकाओं को महिलाओं और बच्चों के संरक्षण से जुड़े कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि प्रत्येक बालिका को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण या अन्याय की स्थिति में वह उचित कदम उठा सके।उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिकाओं को जागरूक रहने और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर चर्चा करते हुए इनके उन्मूलन में जागरूकता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को बताया गया कि जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों को विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।



पाली में 19 से 21 अक्टूबर तक सजेगा गरबा महोत्सव का रंग, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम सिंपल कौर करेंगी शिरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के जोधपुर रोड स्थित होटल सिद्धार्थ में 19 से 21 अक्टूबर तक तीन दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। नवरात्रि के उत्साह और पारंपरिक गरबा-डांडिया की रंगत से सजे इस आयोजन में शहरवासियों को संगीत, नृत्य और मनोरंजन का विशेष अनुभव मिलेगा। महोत्सव में टेलीविजन धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से पहचान बनाने वाली सिंपल कौर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतियां दे चुकीं डीजे खुशबू कपूर और दिल्ली की एंकर निशा शर्मा शामिल होंगी। आयोजकों के अनुसार, इस बार कार्यक्रम को खास अंदाज में तैयार किया गया है, ताकि तीनों दिन गरबा प्रेमियों को उत्सव का भरपूर आनंद मिल सके। आयोजनकर्ता प्रदीप जाम और लक्ष लखारा ने बताया कि इस बार गरबा महोत्सव को आकर्षक और यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम सिंपल कौर की मौजूदगी आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगी। उनके शामिल होने से महोत्सव को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ ही डीजे खुशबू कपूर भी महोत्सव में शिरकत करेंगी। आयोजकों के अनुसार, खुशबू कपूर 70 देशों में अपनी प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। वह पालीवासियों के साथ गरबा रास में शामिल होकर उत्सव की रौनक बढ़ाएंगी। संगीत और डांडिया की थाप के बीच प्रतिभागियों को पारंपरिक नृत्य का आनंद लेने का अवसर मिलेगा महोत्सव में दिल्ली की प्रसिद्ध एंकर निशा शर्मा भी मौजूद रहेंगी। वह अपनी सुरीली आवाज और मंच संचालन के माध्यम से तीनों दिन कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखेंगी। गरबा और डांडिया के साथ मंचीय प्रस्तुतियों का संयोजन आयोजन को खास बनाने की तैयारी का हिस्सा है।



कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, पुलिया से 15 फीट नीचे गिरी मिनी बस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सिमलिया थाना क्षेत्र में कराड़िया टोल के पास यात्रियों से भरा टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर पुलिया से करीब 15 फीट नीचे जा गिरा। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 यात्री घायल हो गए। मृतक और घायल मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले बताए गए हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। अंधेरा होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने में कुछ देरी हुई, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने भी मदद करते हुए घायलों को बाहर निकालने में सहयोग किया। जानकारी के अनुसार, सभी यात्री मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे और आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। वे राजस्थान में चार दिन की यात्रा पर निकले थे। यात्रियों ने शुक्रवार शाम करीब सात बजे भोपाल से अपनी यात्रा शुरू की थी। उनका उद्देश्य खाटूश्यामजी के दर्शन करना था, लेकिन शनिवार सुबह कोटा जिले में उनकी यात्रा दर्दनाक हादसे में बदल गई। टेंपो ट्रैवलर कराड़िया टोल के पास पहुंचा, तभी वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गया। वाहन में सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

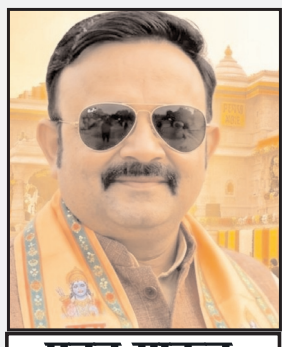


सम्पादकीय

वाइब्रेंट विकास के खोखले दावों के बीच 'अन्नदाता' लाचार क्यों?

1,68,460 करोड़ के कर्ज के पहाड़ तले दबा गुजरात का किसान

चकाचौंध कर देने वाली इमारतें, बुलेट ट्रेन के सपने और 'वाइब्रेंट गुजरात' के रोज बजाए जाने वाले ढोल-नगाड़ों के बीच गुजरात की अर्थव्यवस्था का एक ऐसा भयानक और कलेजा कंपा देने वाला सच सामने आया है, जिसने विकास के सभी दावों की पोल खोल दी है। केंद्र सरकार के आधिकारिक आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि समृद्ध माने जाने वाले हमारे गुजरात राज्य के किसानों के सिर पर आज कुल 1,68,460.93 करोड़ का भारी-भरकम कर्ज लटक रहा है! जिस राज्य में किसानों को समृद्ध बनाने के बड़े-बड़े भाषण दिए जाते हों, वहीं अन्नदाता खुद कर्ज के चक्रव्यूह में फंसकर बर्बाद हो रहा है। आंकड़े बोलते हैं: बैंक मालामाल और जगत का तात दिवालिया! सामने आए डेटा पर नजर डालें तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा आसानी से लग जाएगा:



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

केवल शॉर्ट-टर्म 'फसल ऋण' का बोझ ही बढ़कर 1,05,097.25 करोड़ पर पहुंच गया है, जो बिहार या पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से भी कहीं अधिक है।

खेती के आधुनिकीकरण, ट्रैक्टर और सिंचाई के लिए ली गई 'टर्म लोन' के 63,363.68 करोड़ अभी भी सिर पर बाकी हैं। सवाल यह उठता है कि जिंदगी भर कड़ी मेहनत कर पूरे गुजरात और देश का पेट भरने वाला किसान आखिरकार इस कदर कर्ज के दलदल में डूब क्यों गया?

कर्ज के पीछे का नग्न सत्यः महंगे इनपुट्स और विफल नीतियां आज के समय में खेती करना कोई सोने की खान नहीं, बल्कि मौत का कुआं बन चुका है। बीज, खाद, कीटनाशक दवाएं और डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। सरकार ने उर्वरक की थैलियों पर भी भारी बोझ बढ़ा दिया है। दूसरी तरफ, प्रकृति भी रूठी हुई है। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे जैसे हालात और बारिश की भारी कमी (विशेषकर सौराष्ट्र-कच्छ और द्वारका क्षेत्र में) के कारण किसानों के मुंह का निवाला छिन गया है। फसल बर्बाद हो जाए तो बैंक की किस्तें कहां से भरी जाएं? जब किसान अपनी फसल बेचने जाता है, तो उसे उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि बाजार में हर चीज महंगी मिलती है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है जहां किसान पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज लेने को मजबूर होता है और अंततः साहूकारों या बैंकों के शिकंजे में हमेशा के लिए फंस जाता है।

संपादकीय की नजर में: किसानों को कर्जमुक्त करने के लिए तत्काल उठाए जाने वाले कदम

यदि सरकार वास्तव में किसानों के प्रति संवेदनशील है, तो खोखले वादे छोड़कर त्वरित और कठोर कदम उठाने का समय आ गया है

1. पूर्ण कर्ज माफी या राहत पैकेजः जिस प्रकार उद्योगपतियों के हजारों-लाखों करोड़ रुपये के कर्ज रातोरात माफ कर दिए जाते हैं या राइट-ऑफ कर दिए जाते हैं, बिल्कुल उसी तर्ज पर गुजरात के छोटे और सीमांत किसानों के लिए विशेष कर्ज माफी या ब्याज माफी की योजना लागू की जानी चाहिए।

2. न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटीः किसानों को उनकी फसल का सही और लाभकारी मूल्य मिले, ऐसी कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी ताकि उन्हें कर्ज के सहारे न जीना पड़े।

3. इनपुट सब्सिडी और मुफ्त बिजलीः खाद, बीज और दवाओं पर से जीएसटी या बढ़े हुए टैक्स समाप्त कर किसानों को सस्ती सामग्री उपलब्ध कराई जाए और बिजली कटौती बंद कर पर्याप्त बिजली दी जाए।

4. प्राकृतिक आपदा में तत्काल मुआवजाः सर्वे के नाम पर महीनों तक किसानों को दफ्तरों के चक्कर कटवाने के बजाय, अतिवृष्टि या सूखे की स्थिति में सीधे बैंक खाते में सहायता राशि जमा होने की पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए।

अंत में किसान के बिना देश की अर्थव्यवस्था की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि 'अन्नदाता' ही भूखों मरेगा और खुदकुशी करने को मजबूर होगा, तो इन चमकदार विकास के आंकड़ों का कोई अर्थ नहीं रह जाता। सरकार को अब अपनी नींद से जागकर किसानों के इन खून से सने आंकड़ों को देखना होगा, आत्ममंथन करना होगा और किसानों को इस आर्थिक बेड़ियों से मुक्त करना ही होगा! किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार को ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। कर्जमाफी, फसलों का उचित मूल्य, सस्ती खाद-बीज और सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली जैसी सुविधाएं किसानों को राहत दे सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा मिलना भी जरूरी है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार को चाहिए कि वह घोषणाओं से आगे बढ़कर ऐसी नीतियां लागू करे, जिनसे किसानों की आय बढ़े, कर्ज का बोझ घटे और खेती लाभकारी व्यवसाय बन सके।

आज का राशिफल

(रविवार)18 अक्टूबर 2026

मेष — मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना लाभदायक रहेगा।

वृषभ — रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुखद माहौल रहेगा और धन खर्च करते समय सावधानी रखें

मिथुन — नौकरी और कारोबार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें और अपनी वाणी पर संयम रखें

कर्क — कार्यक्षेत्र में मेहनत का लाभ मिल सकता है। पुराने विवादों को बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें

सिंह — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। नौकरी में आपकी कार्यशैली की सराहना हो सकती है

कन्या — आज भाग्य का साथ मिलने से कुछ काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन उपयोगी रह सकता है

तुला — आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर बन सकते हैं। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी।

वृश्चिक — आज कामकाज में व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।

धनु — आज नए अवसर सामने आ सकते हैं और मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में सोच-समझकर कदम उठाएं।

मकर — आज रचनात्मक विचारों से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी और कारोबार में नए रास्ते खुल सकते हैं। मित्रों से बातचीत उपयोगी रहेगी।

कुंभ — आज आत्मविश्वास के साथ काम करने से लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी चुनौती का समाधान मिलने की संभावना है।

मीन — आज मन प्रसन्न रह सकता है और परिवार का सहयोग मिलेगा। रुके हुए कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है

सत्ता का घमंड तब पिघला जब प्रधानमंत्री खुद स्टीयरिंग व्हील पर बैठेः राजीव गांधी, जोंगा जीप और ज़ाजम गांव का ऐतिहासिक वादा!

बनासकांठा 1987 के आस-पास, गुजरात भयंकर सूखे की चपेट में था। बनासकांठा, कच्छ और सुरेंद्रनगर जैसे बॉर्डर और रेगिस्तानी जिलों में पानी की हर बूंद सोने जैसी कीमती हो गई थी। उस समय देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लुटियंस दिल्ली के AC कमरों में बैठकर रिपोर्ट पढ़ने के बजाय ज़मीनी हकीकत जानने का फैसला किया।

सुरेंद्रनगर सर्किट हाउस से निकलकर राजीव गांधी ने खुद अपनी मशहूर चॉकलेटी/मैरून रंग की जोंगा जीप की स्टीयरिंग व्हील संभाली। सारे सिक्योरिटी प्रोटोकॉल और एडमिनिस्ट्रेशन की लालफीताशाही को किनारे करके, वह खुद कच्छ के रण और बनासकांठा के किनारे के बॉर्डर वाले गांवों में गए। रेगिस्तान के किनारे 'ज़ज़म' गांव और गांव वालों का गुस्सा बनासकांठा और कच्छ के बॉर्डर पर बसा ज़ज़म गांव उस समय सुकभट्ट रेगिस्तान के बीचों-बीच प्यासा था। बॉर्डर के लोग यह देखकर हैरान थे कि प्रधानमंत्री खुद जीप चलाकर गांव आए। प्रशासन और नेताओं के अनगिनत खोखले वादों से तंग आकर ज़ज़म के गांव वालों और नेताओं ने राजीव गांधी के सामने कोई बड़ी मांग या राजनीतिक भाषण नहीं सुना, बल्कि सीधी और सटीक बात रखीः

'साहब, हमें कोई बड़ा बंगला या सड़क नहीं चाहिए, लेकिन हमारे बच्चे और जानवर पानी के बिना मर रहे हैं। अगर आप सच में देश के प्रधानमंत्री हैं, तो हमें पीने का साफ पानी दीजिए!'

ज़ज़म के लोगों ने प्रधानमंत्री से गांव में पीने के पानी की पक्की लाइन लाने का वादा मांगा।

राजीव गांधी का झटकाः दिल्ली पहुंचते ही ब्यूरोक्रेसी भाग रही थी!

राजीव गांधी ने गांव वालों की दर्दनाक हालत और पानी के लिए उनका गुस्सा अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने ज़ाजम गांव के लोगों से वहीं वादा कियाः 'पानी आप तक पहुंचेगा और वह भी जल्दी।' दिल्ली लौटते ही राजीव गांधी ने इस वादे को पूरा करने के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी को काम पर लगा दिया। टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग स्किल्स का इस्तेमाल करके मिशन मोड में तुरंत काम शुरू किया गया। उस ज़माने में, जब रेगिस्तानी इलाके में पाइपलाइन बिछाना बहुत मुश्किल और नामुमकिन माना जाता था, एक खास पानी की पाइपलाइन बिछाकर ज़ाजम और आस-पास के दूरदराज के गांवों में सैकड़ों किलोमीटर दूर से पीने का पानी पहुंचाया गया। लीडरशिप की एक ऐसी छाप जो इतिहास के पन्नों पर आज भी ज़िंदा है ज़ाजम के लोग



जब नल से पानी बहता देख रहे थे, तो उन्हें एहसास हुआ कि अगर किसी देश का प्रधानमंत्री चाहे तो प्रोटोकॉल की दीवारें तोड़कर आम नागरिक की प्यास बुझा सकता है। अपनी जोंगा जीप में धूल भरी सड़कों से गुज़रते हुए आखिरी आदमी के आंसू पोंछने का राजीव गांधी का स्टाइल आज भी गुजरात के बॉर्डर वाले इलाकों में एक सुनहरी लोककथा और मिसाल के तौर पर याद किया जाता है।

विकसित भारत के सपनों के बीच, महिसागर के स्कूलों का सचः बच्चे पढ़ने आते हैं तो स्कूल में ताले और टीचर गायब!

भोपाल में करोड़ों रुपये की एजुकेशन ग्रांट कागज़ों पर आइडियल, ज़मीन पर कानून का राज! दिल्ली से लेकर गांधीनगर तक 'विकसित भारत' और डिजिटल एजुकेशन के बड़े-बड़े दावे और विज्ञापन किए जाते हैं। लेकिन महिसागर ज़िले के ग्रामीण इलाकों से सामने आ रही ज़मीनी हकीकत को देखकर इन सरकारी दावों की हवा निकल जाती है। सरकारी प्राइमरी स्कूलों में हर साल बजट से करोड़ों रुपये की ग्रांट दी जाती है, फिर भी गांवों के स्कूलों में ताले लगे दिखते हैं। गरीब और आदिवासी परिवारों के बच्चे जब पढ़ने की उम्मीद में हाथों में नोटबुक लेकर स्कूल पहुंचते हैं, तो क्लासरूम में टीचर गायब रहते हैं!

बच्चों के लिए पढ़ाई या सिर्फ़ खाने की थाली? गांवों के हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि टीचर समय पर स्कूल आने की ज़हमत भी नहीं उठाते। कई गांवों में तो पूरा स्कूल एक टीचर के भरोसे चल रहा है या टीचर अपनी मर्ज़ी से गायब रहते हैं। बच्चे घंटों बाहर बैठकर स्कूल गेट खुलने का इंतज़ार करते हैं या खेलते हैं। ऑनलाइन अटेंडेंस और पेपरवर्क पूरा करके कागज़ पर सब कुछ 'ऑल इज़ वेल' दिखाया जाता है, लेकिन असल में पढ़ाई ज़ीरो हो गई है। सवाल उठता है कि क्या सरकार गांवों के बच्चों को सिर्फ़ मिड-डे मील तक सीमित रखना चाहती है? असली पढ़ाई और भविष्य कहां है? करोड़ों की ग्रांट किस सरकारी जेब में



जाती है? हर साल शिक्षा विभाग जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली, कंप्यूटर, ग्रांट और टीचरों की मोटी सैलरी पर बर्बाद करता है। अगर इतनी बड़ी ग्रांट मिल रही है, तो महिसागर के बॉर्डर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में टूटे-फूटे कमरे, पीने के पानी और टॉयलेट की सुविधा की कमी और टीचरों का हमेशा गायब रहना क्यों है? ज़मीनी स्तर पर बच्चों तक पहुंचने के बजाय कौन से अधिकारी या सिस्टम इन करोड़ों रुपयों की लालफीताशाही में खो रहे हैं, यह एक बड़ा और गंभीर सवाल है।

अंधेरे में भविष्यः शिक्षा विभाग कब जागेगा? जिस देश और राज्य में प्राइमरी शिक्षा खोखली



और लाचार हो, वह 'विकसित' कैसे हो सकता है? हुक्मरान बड़े-बड़े इवेंट और ग्लोबल समिट करके विकास का ढोल पीटते हैं, लेकिन महिसागर के आदिवासी और ग्रामीण बच्चों का भविष्य क्लासरूम के बंद दरवाजों के पीछे घुट रहा है। अगर टीचर खुद ड्यूटी पर नहीं आएंगे और सिस्टम ऐसे ही आंखें मूंदे रहेगा, तो इस इलाके के बच्चों का हक छीन लिया जाएगा। अब समय आ गया है कि शिक्षा मंत्री और कलेक्टर लेवल के लोग महिसागर के इन बंद स्कूलों और गैरहाजिर टीचरों के खिलाफ तुरंत एक्शन लें और सख्त से सख्त एक्शन लें!

137 कैंसर दवाओं पर मुनाफे की सीमा 30% तय, 9 नवंबर से लागू होंगे नए नियम

एनपीपीए के फैसले से जीवनरक्षक दवाओं की खुदरा कीमतों में 70' तक कमी आने की संभावना, दवा कंपनियों और अस्पतालों को नई दरें प्रदर्शित करने के निर्देश

नई दिल्ली। कैंसर के इलाज पर होने वाले भारी खर्च से मरीजों और उनके परिवारों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने दवाओं की कीमतों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दवाओं की कीमतें निर्धारित करने वाली नेशनल फार्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर व्यापार मार्जिन की सीमा 30 प्रतिशत तय कर दी है। यह व्यवस्था 9 नवंबर 2026 से लागू होगी। सरकार के अनुसार, इस फैसले से संबंधित जीवनरक्षक दवाओं की मौजूदा खुदरा कीमतों में 70 प्रतिशत तक की कमी आने की संभावना है। हालांकि, वास्तविक कमी अलग-अलग दवाओं की वर्तमान कीमत और उनकी आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भर करेगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के मुताबिक, इस संबंध में शनिवार को राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। यह निर्णय फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत काम करने वाली एनपीपीए ने ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन यानी व्यापार मार्जिन को तर्कसंगत बनाने की व्यवस्था के तहत लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य दवाओं की आपूर्ति और बिक्री के दौरान अलग-अलग स्तरों पर जुड़ने वाले अतिरिक्त व्यापार मार्जिन को नियंत्रित करना है, ताकि कैंसर के मरीजों को इलाज के लिए कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध हो सकें। कैंसर का उपचार लंबे समय तक चलने वाला और महंगा हो सकता है। कई मरीजों को नियमित रूप से दवाएं लेनी पड़ती हैं, जबकि कुछ उपचारों में महंगी दवाओं की जरूरत होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में कमी आने से मरीजों के परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम हो सकता है। सरकार के इस कदम को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। 137 कैंसर दवाओं को व्यापार मार्जिन नियंत्रण के दायरे में लाने का निर्णय विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के आधार पर लिया गया है। यह समिति स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत गठित की गई थी। इसमें देशभर के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सक, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कीमतों और उनके वितरण से जुड़े पहलुओं पर विचार करने के बाद 137 दवाओं को इस व्यवस्था में शामिल करने की सिफारिश की। इसके बाद एनपीपीए ने इन दवाओं पर व्यापार मार्जिन की सीमा 30 प्रतिशत निर्धारित करने का निर्णय लिया। सरकार के अनुसार, दवाओं की सूची को जरूरत के मुताबिक समय-समय पर अपडेट किया जाएगा। इससे भविष्य में आवश्यकता के आधार पर अन्य दवाओं को भी इस व्यवस्था के दायरे में लाने का रास्ता खुला रहेगा। हालांकि, किसी नई दवा को सूची में शामिल करने का निर्णय संबंधित प्रक्रिया और समीक्षा के बाद लिया जाएगा। क्या होता है ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन? ट्रेड मार्जिन रैशनलाइजेशन ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत दवा के वितरण और बिक्री से जुड़े विभिन्न स्तरों पर मिलने वाले व्यापार मार्जिन को नियंत्रित किया जाता है। दवा निर्माता से लेकर वितरक, थोक विक्रेता और खुदरा विक्रेता तक दवाओं की आपूर्ति में अलग-अलग स्तर शामिल होते हैं। इन स्तरों पर जुड़ने वाला मार्जिन अंतिम कीमत को प्रभावित कर सकता है। एनपीपीए की ओर से तय की गई 30 प्रतिशत की सीमा का उद्देश्य संबंधित दवाओं के व्यापार में अत्यधिक मार्जिन को रोकना है। इससे मरीजों को मिलने वाली खुदरा कीमत कम करने में मदद मिल सकती है। यह व्यवस्था दवा निर्माता की कीमत और वितरण या खुदरा स्तर पर जुड़ने वाले मार्जिन के बीच अंतर को ध्यान में रखती है। हालांकि, व्यापार मार्जिन की



सीमा तय होने का अर्थ यह नहीं है कि हर कैंसर दवा की कीमत एक समान अनुपात में घटेगी। अलग-अलग दवाओं की मौजूदा कीमतों, उनकी आपूर्ति व्यवस्था और व्यापारिक स्तरों पर लागू परिस्थितियों के आधार पर अंतिम कीमत में अंतर हो सकता है। एनपीपीए ने इससे पहले वर्ष 2019 में व्यापार मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए एक पायलट योजना शुरू की थी। इस कदम के बाद 526 ब्रांड की अधिकतम खुदरा कीमतों (एमआरपी) में 90 प्रतिशत तक की कमी दर्ज किए जाने की बात कही गई थी।

'रेस्टलेस लेग सिंड्रोम' दवा के भयानक साइड इफ़ेक्टः लिबिडो और जुए की लत में ज़बरदस्त बढ़ोतरी, मरीज़ों की ज़िंदगी बर्बाद

लगातार पैर हिलाने की आदत या बेचैनी महसूस होने की हालत, जिसे मेडिकली 'रेस्टलेस लेग सिंड्रोम' या पार्किंसंस कहते हैं, इसके इलाज के लिए दी जाने वाली दवाओं के भयानक और चौंकाने वाले साइड इफ़ेक्ट सामने आए हैं। इस बीमारी के लिए दी जाने वाली दवा की वजह से मरीज़ों में हाइपरसेक्सुअलिटी, जुआ खेलने की लत और बिना सोचे-समझे शॉपिंग जैसे भयानक इंपल्स कंट्रोल डिसऑर्डर हो गए हैं। दिमाग के 'डोपामाइन' केमिकल पर दवा का सीधा असर

इंटरनेशनल लेवल पर हुई एक खास जांच के मुताबिक, इस बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाली 'डोपामाइन एगोनिस्ट' क्लास की दवाएं (जैसे रोपिनिरोल और प्रैमिपेक्सोल) दिमाग में डोपामाइन हार्मोन के लेवल पर असर डालती हैं। दिमाग में खुशी और इंपल्स को कंट्रोल करने वाले इस केमिकल में अचानक बदलाव होने से मरीजों की सोच और व्यवहार में बड़ा बदलाव आता है।

दवा बनाने वाली कंपनी 'GSK' की एक रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि डोपामाइन एगोनिस्ट दवाओं और 'डेविंट' सेक्सुअल बिहेवियर के बीच सीधा लिंक है। एक केस स्टडी में, पार्किंसंस के लिए ऐसी दवाएं लेने वाले एक आदमी का भी सेक्सुअल बिहेवियर डेविंट और क्रिमिनल पाया गया।

'मैं सुबह जल्दी निकल जाता था': पीड़ित महिलाओं की दर्दनाक कहानियां

जांच के दौरान, कुछ पीड़ित महिलाओं ने बताया कि दवा शुरू करने के बाद उनकी सेक्सुअल इच्छाएं इतनी बढ़ गई थीं कि उन्होंने अपने व्यवहार पर कंट्रोल खो दिया था। एक महिला ने कहानी सुनाते हुए कहा, 'मेरी लिबिडो इतनी बढ़ गई थी कि मैं सुबह-सुबह घर से निकल जाती थी।'

इसके अलावा, जो लोग पहले कभी जुआ नहीं खेले थे, वे भी इस दवा को लेने के बाद जुए के इतने आदी हो गए कि एक महिला पर 1.68 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कर्ज़ हो गया। इस वजह से, कई परिवार पैसे की तंगी से जूझ रहे थे और कपल्स के रिश्ते टूट गए।

सिस्टम और कंपनियों ने मरीज़ों को चेतावनी नहीं दी!

सबसे गंभीर बात यह है कि मरीज़ों को दवा के साथ जो लीफलेट दिया गया था, उसमें इतने गंभीर साइड इफ़ेक्ट्स के बारे में कोई साफ़ या डिटेल्ड चेतावनी नहीं दी गई थी। च्च के मेडिसिन्स रेगुलेटर के मुताबिक, 'बढ़ी हुई लिबिडो और नुकसानदायक व्यवहार' के बारे में सिर्फ़ एक आम चेतावनी छापी गई थी, जबकि दवा कंपनियाँ इन जोखिमों से अनजान नहीं थीं।

मेडिकल एक्सपर्ट्स की चेतावनी और सलाह

मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि

1. रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम होने पर ऐसी दवाएँ सीधे लेने के बजाय, शरीर में आयरन या फेरिटिन का लेवल चेक करना चाहिए।

2. अगर किसी मरीज़ को ऐसी दवा की वजह से अपनी पर्सनैलिटी या व्यवहार में कोई अजीब बदलाव महसूस हो, तो डॉक्टर से सलाह लिए



बिना दवा अचानक बंद नहीं करनी चाहिए, बल्कि तुरंत डॉक्टर से संपर्क करके दवा बदल लेनी चाहिए।

इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद अब पूरी दुनिया में ऐसी दवाओं की बिक्री और उन पर लिखी चेतावनियों को लेकर सख्त नियम बनाने की मांग हो रही है।

रातोंरात 14 बीघा से ज्यादा गन्ना पैरों तले रौंदा, सुबह बर्बाद फसल देख सिर पकड़कर बैठ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। बढ़ापुर थाना क्षेत्र के इनायतपुर गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने किसानों की गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। जंगल से निकलकर खेतों में पहुंचे हाथियों ने 14 बीघा से अधिक गन्ने की फसल को पैरों तले रौंद दिया।



सुबह जब किसान अपने खेतों में पहुंचे तो चारों तरफ बिखरी और कुचली हुई फसल देखकर उनके होश उड़ गए। सालभर की मेहनत को बर्बाद होते देख एक बुजुर्ग किसान खेत में ही सिर पकड़कर बैठ गया। घटना के बाद से प्रभावित किसानों में चिंता और मायूसी का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, जंगली हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर खेतों में पहुंचा और गन्ने की फसल को कुचलना शुरू कर दिया। खेतों में खड़ा गन्ना जमीन पर बिछ गया। किसानों ने हाथियों के खेत में घुसने का वीडियो भी बनाया है। वीडियो में खेतों में हाथियों की मौजूदगी दिखाई देने की बात कही जा रही है। जंगल से सटे गांवों में हाथियों की आवाजाही किसानों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। किसान राजेश पाल, राजपाल सिंह, बलराज सिंह, राजेंद्र सिंह समेत अन्य किसानों की 14 बीघा से अधिक गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचा है। गन्ने की खेती में बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर खर्च करने के बाद किसानों को फसल से कमाई की उम्मीद रहती है। ऐसे में तैयार फसल के बर्बाद होने से उनकी आर्थिक स्थिति पर असर पड़ने की आशंका है। किसानों के लिए यह नुकसान केवल फसल तक सीमित नहीं है, बल्कि सालभर की मेहनत और उससे जुड़ी उम्मीदों को भी झटका लगा है। इनायतपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली हाथियों की मौजूदगी से किसानों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि हाथियों का झुंड दोबारा खेतों में पहुंचकर फसलों को नुकसान पहुंचा सकता है। खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए भी हाथियों की आवाजाही चिंता का विषय है। ग्रामीण चाहते हैं कि उनकी फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के नुकसान से बचा जा सके। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्रभावित खेतों का जायजा लिया। अब किसानों को नुकसान के आकलन और आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

ई-रिक्शा पलटने से 5 बच्चों समेत एक ही परिवार के 10 लोग झुलसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। नवरात्रि के दौरान मंदिर में भंडारा करने जा रहा एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। बसई मोहम्मदपुर क्षेत्र के मडुआ गांव से बेहड़ माता मंदिर जा रहे परिवार का ई-रिक्शा रास्ते में अचानक पलट गया। ई-रिक्शा में रखा गर्म खीर का भगोना पलटने से खीर यात्रियों के ऊपर गिर गई। हादसे में 5 बच्चों समेत एक ही परिवार के 10 लोग झुलस गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।



जानकारी के अनुसार, परिवार के लोग नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में भंडारा करने के लिए घर पर खीर बनाकर ई-रिक्शा से बेहड़ माता मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक ई-रिक्शा पलट गया। वाहन में रखी गर्म खीर यात्रियों पर गिरने से कई लोग झुलस गए। हादसे के बाद घायलों में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों के उपचार की जानकारी ली और चिकित्सकों से उनकी स्थिति के बारे में पूछा। जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में 10 लोग झुलसे हैं, जिनमें 5 बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका समुचित उपचार कराया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में प्रसाद और भंडारा वितरित करने जाते हैं। कई परिवार घरों में पूरी, हलवा और खीर तैयार कर मंदिरों तक ले जाते हैं। इसी क्रम में मडुआ गांव का परिवार भी बेहड़ माता मंदिर जा रहा था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने धार्मिक आयोजन की तैयारियों को मातम और चिंता में बदल दिया। फिलहाल सभी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे के कारणों और घायलों की स्थिति को लेकर आगे की जानकारी सामने आने का इंतजार है।

कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर कंटेनर से टकराए लोडर में लगी आग, क्लीनर जिंदा जला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अरौल थाना क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बाइकों से भरा एक लोडर आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गया। टक्कर के बाद लोडर में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। हादसे के दौरान चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली, लेकिन क्लीनर अंदर ही फंसा रह गया। खिड़की नहीं खुलने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और आग की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। लोडर में रखी इलेक्ट्रिक बाइकें भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गईं। जानकारी के अनुसार, फिरोजाबाद जिले के नगला खंगर निवासी श्याम यादव लोडर चलाते हैं। वह परिचालक सत्यभान के साथ कानपुर से 10 इलेक्ट्रिक बाइक लेकर फर्रुखाबाद जा रहे थे। शनिवार सुबह करीब 5 बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के नीचे कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर उनका लोडर आगे चल रहे कंटेनर से पीछे की ओर टकरा गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, चालक को झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित हुआ और कंटेनर से टकरा गया। टक्कर के बाद लोडर में आग लग गई। चालक श्याम यादव ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए किसी तरह वाहन से बाहर छलांग लगा दी और अपनी जान बचाने में सफल रहे। दूसरी ओर, क्लीनर सत्यभान लोडर के अंदर ही फंसा रह गया। बताया जा रहा है कि उसने बाहर निकलने के लिए अपनी तरफ की खिड़की खोलने की कोशिश की, लेकिन खिड़की नहीं खुल सकी। आग तेजी से फैलने के कारण उसे बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक लोडर में लदी इलेक्ट्रिक बाइकें आग की चपेट में आ चुकी थीं और वाहन को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी मिलते ही अरौल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और क्लीनर सत्यभान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। चालक के सुरक्षित बचने के बावजूद क्लीनर की मौत ने इस दुर्घटना को और गंभीर बना दिया। प्रारंभिक जानकारी में चालक को झपकी आने की बात सामने आई है। हालांकि, हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

रंगदारी से इनकार पर 68 वर्षीय बुजुर्ग व्यापारी से मारपीट

नरेंद्र मेहता और पुष्कित मेहता समेत 4 लोगों के खिलाफ शिकायत; सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। पॉश इलाके सपना संगीता में एक बुजुर्ग व्यापारी से कथित रंगदारी मांगने और उनके साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि धार से आए 4 लोगों ने 68 वर्षीय व्यापारी कैलाश चंद्र गर्ग के घर पहुंचकर उनसे हर महीने 50 हजार रुपये देने की मांग की। आरोपियों ने कथित तौर पर धमकी दी कि यदि उन्हें व्यापार करना है तो नियमित रूप से रकम देनी होगी। बुजुर्ग ने जब इस मांग को मानने से इनकार किया तो उनके साथ मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। मामले से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद भंवरकुआं थाना पुलिस ने जांच तेज कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल के अनुसार, रमा गर्ग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि 14 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे धार



निवासी नरेंद्र मेहता और पुष्कित मेहता अपने 2 अन्य साथियों के साथ उनके घर पहुंचे थे। आरोप है कि चारों ने घर के बाहर कैलाश चंद्र गर्ग को रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए धमकाने लगे। इसी दौरान कथित तौर पर उनसे कहा गया कि यदि व्यापार करना है तो हर महीने 50 हजार रुपये देने होंगे। शिकायत के मुताबिक, कैलाश चंद्र गर्ग ने अवैध रूप से रकम देने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद विवाद बढ़ गया और आरोप है कि नरेंद्र मेहता, पुष्कित मेहता तथा उनके साथ आए 2 अन्य लोगों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने कथित तौर पर मुक्कों से हमला किया, जिससे कैलाश चंद्र घायल हो गए। घटना के दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में मारपीट की गतिविधियां रिकॉर्ड होने की बात सामने आई है। परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस उद्देश्य से व्यापारी के घर पहुंचे थे और क्या इससे पहले भी उनसे रकम की मांग की गई थी। शिकायत में हर महीने 50 हजार रुपये देने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विवाद की शुरुआत कैसे हुई और इसमें शामिल लोगों की क्या भूमिका थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने उसे जांच में शामिल किया है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और घटनाक्रम की पुष्टि करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के कैमरों की रिकॉर्डिंग और शिकायत में दिए गए विवरण का मिलान कर रही है। इसके साथ ही आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सपना संगीता जैसे व्यस्त और पॉश इलाके में इस तरह की घटना सामने आने के बाद व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों के लिए कारोबार के साथ परिवार की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में किसी कारोबारी से कथित तौर पर नियमित रकम मांगने और इनकार करने पर मारपीट किए जाने का आरोप गंभीर है। हालांकि, इस मामले में आरोपियों की भूमिका और घटना के पीछे के कारणों की अंतिम पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी। फिलहाल भंवरकुआं थाना पुलिस शिकायत, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संभावित साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

दिन में एसी और गाड़ियों की मरम्मत, रात में चेन स्नैचिंग और लूटपाट; 94 मुकदमों वाले 2 बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

सेक्टर-43 में सेक्टर-39 थाना पुलिस से हुई मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। गुरुवार देर रात सेक्टर-39 थाना पुलिस और 2 बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। सेक्टर-43 में हुई इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक, तमंचा और 2.19 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में लूट, चोरी और चेन स्नैचिंग की कई वारदातों में शामिल रहे हैं। दिल्ली क्राइम ब्रांच को भी उनकी तलाश थी। नोएडा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अभय कुमार मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के भजनपुरा निवासी सलमान (30) और तनवीर (37) के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, दोनों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कुल 94 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें सलमान के खिलाफ 49 और तनवीर के खिलाफ 45 मुकदमे शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ लूट, चोरी, हथियार रखने और गिरोहबंद कानून के तहत भी मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों 10 से अधिक बार जेल जा



चुके हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पांचवीं कक्षा तक पढ़े हैं और दिन के समय एसी तथा गाड़ियों की मरम्मत का काम करते थे। आरोप है कि रात होते ही वे चोरी की बाइक लेकर निकलते और राह चलते लोगों को निशाना बनाकर चेन छीनने तथा लूटपाट की वारदात करते थे। पुलिस का दावा है कि दोनों लंबे समय से इस तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे और अलग-अलग इलाकों में वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के मुताबिक, वारदात के दौरान दोनों टी-शर्ट के ऊपर शर्ट पहनते थे। घटना के बाद पहचान छिपाने के लिए कथित तौर पर शर्ट उतारकर फेंक देते थे, ताकि सीसीटीवी फुटेज में कपड़ों के आधार पर उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाए। पुलिस इस तरीके को उनकी वारदात करने की रणनीति का हिस्सा बता रही है। जांच में सितंबर महीने की कुछ घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने सेक्टर-39 थाना क्षेत्र से एक बाइक चोरी की थी और इसके बाद सेक्टर-44 में एक महिला से चेन छीनने की वारदात को अंजाम दिया। आरोप है कि वारदात के बाद वे बाइक रास्ते में छोड़कर दूसरी बाइक चोरी कर लेते थे। पुलिस का दावा है कि इसी तरह उन्होंने 6 बाइक चोरी कीं और बाद में उन्हें अलग-अलग स्थानों पर छोड़ दिया। इसके बाद दोनों ई-रिक्शा से दिल्ली भाग गए थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सलमान के खिलाफ दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में 49 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, तनवीर के खिलाफ वर्ष 2006 से आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। उसके खिलाफ कुल 45 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं, लेकिन बाहर आने के बाद दोबारा वारदात करने लगते थे। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। बरामद बाइक, नकदी और हथियार के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ ही पुलिस अन्य संभावित वारदातों में उनकी भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी से क्षेत्र में हुई चोरी और चेन स्नैचिंग की कई घटनाओं के खुलासे में मदद मिल सकती है।

जंगल में कपास और तुअर के बीच उगा रखा था गांजा, 4.43 करोड़ रुपये की फसल जब्त; आरोपी फरार

3,345 पौधे जब्त; कुल वजन 3,695 किलो, राजू भूरिया की तलाश में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में अवैध गांजे की खेती का बड़ा मामला सामने आया है। राजगढ़ थाना क्षेत्र के चौबारा गांव के वन क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांजे के 3,345 पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 3,695 किलो यानी करीब 37 क्विंटल बताया गया है। पुलिस के अनुसार, जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 4 करोड़ 43 लाख 50 हजार रुपये है। गांजे की खेती कपास और तुअर की फसल के बीच की जा रही थी, ताकि सामान्य फसलों के बीच अवैध पौधों की पहचान आसानी से न हो सके। कार्रवाई के बाद मामले में नामजद आरोपी राजू भूरिया फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को चौबारा गांव के वन क्षेत्र में गांजे की अवैध खेती किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने धार और झाबुआ जिले की सीमा से लगे जंगल में लगातार 2 दिनों तक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर गांजे के पौधे मिले,



जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान कुल 3,345 पौधे बरामद किए गए। इनका वजन 3,695 किलो पाया गया और अनुमानित कीमत करीब 4.43 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने वन क्षेत्र में कपास और तुअर की फसल के बीच गांजे के पौधे उगा रखे थे। इसके अलावा जंगल के निचले हिस्सों में भी अवैध खेती किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर यह खेती की जा रही थी। हालांकि, जमीन पर कब्जे और खेती से जुड़े सभी पहलुओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस मामले में राजू पिता डूंगर सिंह भूरिया के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई के बाद से आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजे की खेती कब से की जा रही थी, इसमें आरोपी को किन लोगों का सहयोग मिल रहा था और तैयार फसल को कहां भेजने की योजना थी। इसके लिए संभावित सहयोगियों और आरोपी के संपर्कों से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है। वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजे के पौधे मिलने के बाद पुलिस की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल जब्त पौधों और दर्ज प्रकरण के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी और जांच के बाद अवैध खेती से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

रिश्तेदार के फ्लैट में सो गए सिपाही; हथकड़ी छोड़कर फरार हुआ बंदी सन्नी पाल, 3 पुलिसकर्मी निलंबित

डॉक्टर नहीं मिलने पर थाने की जगह निजी फ्लैट पर ठहराया; सुबह उठे तो गायब मिला बंदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। पुलिस की लापरवाही का मामला सामने आया है। छतरपुर से हाथ में लगी चोट का इलाज कराने लाए गए चोरी के आरोपी सन्नी पाल ने पुलिस कस्टडी से फरार होकर पुलिस महकमे में हलचल मचा दी। आरोप है कि पुलिसकर्मी उसे सुरक्षित थाने में रखने के बजाय होटल में खाना खिलाने के बाद अपने रिश्तेदार के फ्लैट पर ले गए। वहां पुलिसकर्मियों के सो जाने पर बंदी मौका पाकर फरार हो गया। मौके पर उसकी हथकड़ी पड़ी मिली। घटना के बाद छतरपुर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने तीनों संबंधित आरक्षकों को तत्काल निलंबित कर दिया है। मामले की जांच जारी है। विश्वविद्यालय के सीएसपी रवि भदौरिया के मुताबिक, छतरपुर पुलिस में पदस्थ आरक्षक विजय यादव, शुभम शर्मा और संदीप चोरी के मामले में पकड़े गए बंदी सन्नी पाल को इलाज के लिए ग्वालियर लेकर आए थे। करीब 30 वर्षीय सन्नी पाल उत्तराखंड का निवासी बताया जा रहा है। उसके हाथ में चोट



लगी थी, जिसके उपचार के लिए पुलिसकर्मी उसे ग्वालियर पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, पुलिसकर्मी तड़के करीब 4 बजे बंदी को ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें सुबह आने की सलाह दी गई। इसके बाद बंदी को किसी थाने में सुरक्षित रखने के बजाय आरक्षक शुभम शर्मा अपने साथियों के साथ विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित लोटस विला ले गया। यहां उसके भाई गौरव शर्मा का फ्लैट बताया जा रहा है। मामले की जांच के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि पुलिसकर्मी बंदी को होटल लेकर गए थे, जहां उसे खाना खिलाया गया। इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सन्नी पाल होटल में खाना खाते दिखाई दे रहा है। होटल से लौटने के बाद पुलिसकर्मी उसे लेकर रिश्तेदार के फ्लैट पर पहुंचे। आरोप है कि वहां सभी सो गए और बंदी की निगरानी नहीं हो सकी। सुबह करीब 7 बजे जब पुलिसकर्मियों की नींद खुली तो सन्नी पाल फ्लैट से गायब था। उसकी हथकड़ी वहीं पड़ी मिली। बंदी के फरार होने का पता चलते ही पुलिसकर्मियों ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद अधिकारियों को सूचना दी गई और संबंधित पुलिसकर्मी विश्वविद्यालय थाने पहुंचे। पुलिस ने फरार बंदी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बंदी को थाने के बजाय निजी फ्लैट पर ले जाने और उसकी निगरानी में चूक के मामले को गंभीरता से लिया गया है। पुलिस अब होटल, फ्लैट और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही सन्नी पाल के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उसकी तलाश की जा रही है।

रात 8 बजे घर से निकली 12 साल की बच्ची नहीं लौटी, सुबह खंडहर की तीसरी मंजिल पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बैरागढ़ इलाके में 12 वर्षीय बच्ची का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बच्ची का शव मुख्य बाजार के पीछे कृष्णा कॉम्प्लेक्स के पास स्थित एक खंडहरनुमा इमारत की तीसरी मंजिल पर मिला। बच्ची के लापता होने के बाद परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे और पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई थी। अगली सुबह शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मोइन खान नाम के एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, बच्ची बैरागढ़ फाटक रोड स्थित झुग्गी बस्ती में अपने परिवार के साथ रहती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति में सहयोग करने के लिए वह पन्नी बीनने का काम करती थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बच्ची पिछली रात करीब 8 बजे घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिवार के सदस्यों ने आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की। काफी देर तक कोई जानकारी नहीं मिलने पर परिजन बैरागढ़ थाने पहुंचे और बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। परिजनों को उम्मीद थी कि बच्ची सुरक्षित मिल जाएगी, लेकिन अगली सुबह उसकी मौत की खबर सामने आई। पुलिस को सूचना मिली कि कृष्णा कॉम्प्लेक्स के पीछे स्थित एक सुनसान और खंडहरनुमा इमारत की तीसरी मंजिल पर बच्ची का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही बैरागढ़ थाना पुलिस, एसीपी और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही पुलिस ने जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध मोइन खान को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची घर से निकलने के बाद कहां गई और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई। घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम को भी बुलाया गया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए, जिनकी जांच के आधार पर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के क्षेत्र और घटनास्थल से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।



बैतूल के रहने वाले हैं कोटा हादसे के सभी मृतक, भोपाल से खाटूश्यामजी जा रहे थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बैतूल। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। सभी श्रद्धालु भोपाल से ट्रैवलर में सवार होकर राजस्थान स्थित खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे। रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे नाले में जा गिरा। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बैतूल से परिजन और रिश्तेदार राजस्थान के लिए रवाना हो गए। घायलों के उपचार और प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह हुआ। श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवलर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रैवलर पुलिया से नीचे नाले में गिर गई। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि 8 लोगों की जान चली गई और 17 लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। हादसे में जान गंवाने वाले और घायल होने वाले अधिकांश लोग बैतूल जिले के मुलताई और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इनमें कई लोग कामकाज के सिलसिले में भोपाल में रह रहे थे। जानकारी के मुताबिक, वाहन में सवार अधिकतर लोग आपस में रिश्तेदार थे और जामगांव तथा मीरापुर क्षेत्र से जुड़े परिवारों के सदस्य थे। हादसे की खबर मिलने के बाद परिजनों में शोक छा गया। दुर्घटना में एक 24 वर्षीय कॉलेज छात्रा की भी मौत होने की जानकारी सामने आई है। श्रद्धालु खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। परिजन और परिचित घायलों की जानकारी लेने तथा अस्पतालों में उनकी मदद के लिए राजस्थान पहुंच रहे हैं। हादसे में घायल हुए बैतूल जिले के कुछ लोगों की पहचान भी सामने आई है। इनमें सदर, बैतूल निवासी 41 वर्षीय हेमलता संतोष गायकवाड़, मुलताई के घाट बिरोली निवासी 21 वर्षीय मोहनिश पिता रविन्द्र झरबड़े और मीरापुर निवासी 25 वर्षीय रीता झरबड़े शामिल हैं। इसके अलावा घाट बिरोली निवासी 14 वर्षीय वेदांत पिता योगेश झरबड़े और 11 वर्षीय सारांश पिता कमलेश झरबड़े के घायल होने की जानकारी दी गई है। घायलों का उपचार जारी है। परिजन उनकी स्थिति की जानकारी लेने में जुटे हैं। हादसे में घायल सभी लोगों की स्वास्थ्य स्थिति और उपचार से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आने का इंतजार है। दर्दनाक हादसे के बाद मध्य प्रदेश में शोक की लहर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर मृतकों के प्रति दुख जताया और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव से लगातार चर्चा की जा रही है। मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों तथा घायलों तक सहायता पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

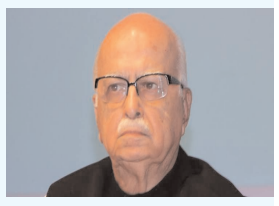


mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (रविवार)
18 अक्टूबर 2026

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी अस्पताल में भर्ती, चेस्ट इंफेक्शन की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

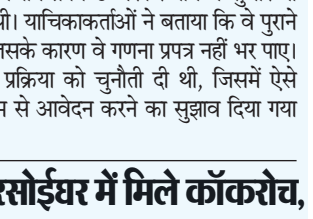
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 98 वर्षीय आडवाणी को शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल के पल्मोनरी विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल चिकित्सक उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक क्षेत्र में उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है और उपचार जारी है। आडवाणी के अस्पताल में भर्ती होने से करीब एक सप्ताह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने आडवाणी से आशीर्वाद लिया और उनके लंबे सार्वजनिक जीवन तथा देश के प्रति योगदान का उल्लेख किया था। यह मुलाकात प्रधानमंत्री के सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर से जुड़ी थी। नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सरकार का नेतृत्व संभाला था। इसके बाद उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर तीन बार जिम्मेदारी निभाई। बाद में वह देश के प्रधानमंत्री बने और लगातार तीन लोकसभा चुनावों में जीत हासिल की। प्रधानमंत्री के रूप में उनके राजनीतिक सफर में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर बिताया गया समय भी एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा है।



दिल्ली में 47.56 लाख मतदाताओं के नामों का दोबारा सत्यापन शुरू, प्रारूप मतदाता सूची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रारूप मतदाता सूची से हटाए गए 47.56 लाख मतदाताओं के नामों का दोबारा सत्यापन शुरू कर दिया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता अंतिम मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मामलों की जांच कर रहे हैं।यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिनमें कहा गया था कि प्रारूप मतदाता सूची से ऐसे लोगों के नाम भी हटा दिए गए हैं, जो जीवित हैं और अपने पंजीकृत पते पर रह रहे हैं। अधिकारियों को हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की दोबारा जांच करने और पात्र मतदाताओं की समस्याओं का निपटारा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, प्रारूप मतदाता सूची में शामिल 97.53 लाख मतदाताओं में से 33.12 लाख को नोटिस जारी किए गए थे। इनमें से करीब 25 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। शेष मामलों को 30 अक्टूबर तक सुलझाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बूथ स्तर के अधिकारी नोटिस से जुड़े मामलों की जांच के साथ हटाए गए नामों का भी सत्यापन कर रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण की गणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद दिल्ली में करीब 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.56 लाख के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए थे। इन मामलों को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरी प्रविष्टि वाली श्रेणी में रखा गया था। अब इन नामों की दोबारा जांच की जा रही है, ताकि पात्र मतदाताओं को अंतिम सूची में शामिल करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिन पात्र मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में नहीं हैं, वे प्रपत्र-6 भरकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 4 दिसंबर को जारी की जाएगी। इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने मतदाता सूची से नाम हटने के मामले में प्रपत्र-6 के जरिए दोबारा पंजीकरण के लिए आवेदन करने की बात कही है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान गणना प्रपत्र नहीं भर पाने वाले 2 याचिकाकर्ताओं ने अपने नाम मतदाता सूची में बहाल करने की मांग की थी। उन्होंने प्रपत्र-6 के बजाय प्रपत्र-8 भरकर नाम में सुधार या बदलाव करने की अनुमति मांगी थी। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि वे पुराने पते से दूसरी जगह चले गए थे, जिसके कारण वे गणना प्रपत्र नहीं भर पाए। उन्होंने निर्वाचन आयोग की उस प्रक्रिया को चुनौती दी थी, जिसमें ऐसे मतदाताओं को प्रपत्र-6 के माध्यम से आवेदन करने का सुझाव दिया गया था।



होटल रेडिसन ब्लू के रसोईघर में मिले कॉकरोच, खराब तेल से खाना बनाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में दिल्ली के महिपालपुर स्थित होटल रेडिसन ब्लू के रसोईघर की जांच में कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। जांच के दौरान कॉकरोच और मक्खियां मिलने, फफूंद प्रभावित फल-सब्जियों, खराब रखरखाव और खाना पकाने के तेल की गुणवत्ता से जुड़ी कमियां पाए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद होटल का संचालन करने वाली कंपनी एबी होटल्स लिमिटेड को सुधार नोटिस जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के निरीक्षण में होटल के रसोईघर में स्वच्छता और खाद्य पदार्थों के रखरखाव से जुड़ी 7 कमियां सामने आईं। इनमें कॉकरोच और मक्खियों की मौजूदगी, फफूंद प्रभावित फल-सब्जियां तथा खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले तेल की गुणवत्ता से संबंधित खामियां शामिल हैं। अधिकारियों ने संबंधित कंपनी को कमियों में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने पर होटल का खाद्य सुरक्षा लाइसेंस निलंबित किए जाने की कार्रवाई हो सकती है। खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने रेडिसन ब्लू के अलावा डीएनवी फूड प्रॉडक्ट्स लिमिटेड, झनवितन्नी, जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड, बिग बास्केट और फ्लिपकार्ट इंडिया के खिलाफ भी कार्रवाई की है। विभिन्न मामलों में खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन और उत्पादों से जुड़े दावों की जांच की गई। जानकारी के अनुसार, 2 कारोबारियों के लाइसेंस पर कार्रवाई की गई, जबकि राइस ब्रान तेल के प्रचार से संबंधित दावों को लेकर 3 कंपनियों को नोटिस जारी किए गए। अक्टूबर 2026 में खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने गंभीर अनियमितताओं के मामलों में भी कार्रवाई की है। शिवम एग्रो और टीसीएफ चॉकलेट्स के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने की जानकारी दी गई है। वहीं, गंभीर स्वच्छता संबंधी कमियों के चलते क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शनर्स का खाद्य सुरक्षा लाइसेंस भी निलंबित किया गया है। खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने प्रयोगशाला जांच में तय सीमा से अधिक कीटनाशक अवशेष पाए जाने के बाद एवरेस्ट के पैकबंद जीरा पाउडर के संबंधित पूरे बैच को बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया है। इसके अलावा, खाद्य उत्पादों पर किए जाने वाले भ्रामक दावों को लेकर भी सख्ती की गई है। प्राधिकरण की कार्रवाई के बाद कई कंपनियों ने अपने उत्पादों से '100 प्रतिशत' जैसे दावों वाले लेबल हटाए हैं।आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने सभी राज्यों को मिलावटी खाद्य पदार्थों और मिठाइयों के खिलाफ निगरानी बढ़ाने तथा जांच अभियान तेज करने के निर्देश दिए हैं।



अजित पवार विमान हादसे के बाद विमानन सुरक्षा पर सवाल, जांच रिपोर्ट में वीएसआर वेंचर्स की कार्यप्रणाली में मिलीं खामियां

खराब मौसम में अस्थिर तरीके से विमान उतारने का प्रयास बना 2023 के मुंबई हादसे की प्रमुख वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती में हुए विमान हादसे में मौत के बाद अब विमानन सुरक्षा और निजी विमान संचालकों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की एक जांच रिपोर्ट में वीएसआर वेंचर्स की पायलट प्रशिक्षण व्यवस्था, अभिलेखों के रखरखाव और आंतरिक लेखा परीक्षण में कई कमियां सामने आने की बात कही गई है। रिपोर्ट में विमानन नियामक नागरिक विमानन महानिदेशालय को पायलटों के प्रशिक्षण अभिलेखों की जांच करने और उड़ान सुरक्षा से जुड़े नियमों के पालन की निगरानी मजबूत करने की सिफारिश की गई है। यह रिपोर्ट सितंबर 2023 में मुंबई हवाई अड्डे पर हुए लियरजेट विमान हादसे से संबंधित है। रिपोर्ट में दुर्घटना के संभावित कारणों के साथ ही पायलटों के निर्णय, खराब मौसम में विमान उतारने की



प्रक्रिया और विमान संचालक कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसी कंपनी का एक विमान जनवरी में बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, मुंबई हादसे की रिपोर्ट के निष्कर्षों को बारामती दुर्घटना का अंतिम कारण नहीं माना जा सकता। दोनों घटनाओं की जांच से जुड़े निष्कर्ष अलग-अलग आधार पर देखे जाने चाहिए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 14 सितंबर 2023 को विशाखापट्टनम से आया लियरजेट विमान मुंबई हवाई अड्डे के 27 नंबर के रनवे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार सभी 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दुर्घटना के दौरान हवाई अड्डे के एक टैक्सी मार्ग की बत्ती भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जांच में दुर्घटना का संभावित कारण खराब मौसम के बावजूद विमान के चालक दल द्वारा अस्थिर तरीके से उतरने की प्रक्रिया जारी रखना बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान को सुरक्षित तरीके से उतारने के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप स्थिति नहीं होने के बावजूद उतरने का प्रयास जारी रखा गया। इस दौरान विमान की गति और नियंत्रण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया, जिससे वह कम ऊंचाई पर वायुगतिकीय ठहराव की स्थिति में पहुंच गया। इसके बाद चालक दल विमान को सामान्य उड़ान स्थिति में वापस लाने में सफल नहीं हो सका। रिपोर्ट में विमान के चालक दल द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन नहीं करने की बात भी सामने आई है। इसमें कम गति की चेतावनी के बावजूद विमान की गति पर पर्याप्त ध्यान नहीं देने और उतरने का प्रयास छोड़कर दोबारा ऊंचाई हासिल करने का निर्णय लेने में देरी जैसे पहलुओं का उल्लेख किया गया है। हादसे के समय खराब मौसम के कारण बाहर देखने में परेशानी हो रही थी। इसके अलावा, विमान के पीछे से चलने वाली तेज हवा और निर्धारित समय से पहले उतरने की जल्दबाजी भी दुर्घटना के संभावित कारणों में शामिल बताई गई है। जांच के मुताबिक, इन परिस्थितियों में चालक दल को सुरक्षित उतरने के प्रयास के बजाय दोबारा ऊपर उठने का फैसला लेना चाहिए था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने नागरिक विमानन महानिदेशालय को सुझाव दिया है कि वह निश्चित पंखों वाले विमानों के पायलटों के प्रशिक्षण से जुड़े सभी अभिलेखों की जांच करे। विशेष रूप से गैर-नियमित विमान सेवा और सामान्य विमानन से जुड़े संचालकों के अभिलेखों की समीक्षा करने पर जोर दिया गया है।

यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी, 2018 के मानहानि मामले में अदालत की कार्रवाई

अदालत ने गुरुग्राम स्थित आवास पर समन भेजने के दिए थे निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली की साकेत अदालत ने वर्ष 2018 में दर्ज मानहानि के एक मामले में उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से जुड़े सदस्य विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने ध्रुव राठी पर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो के जरिए मानहानि करने का आरोप लगाया है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन की अदालत में हुई। अदालत ने वारंट जारी करते हुए अगली सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब अदालत ने इससे पहले 12 अक्टूबर को भी ध्रुव राठी के खिलाफ नए समन जारी किए थे। अदालत ने 12 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान कहा था कि शिकायतकर्ता पिछले कई वर्षों से ध्रुव राठी को समन तामील कराने का प्रयास कर रहा है। इसके बाद अदालत



ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित उनके आवास पर नया समन भेजने के निर्देश दिए थे। शिकायतकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि समन तामील कराने गए कर्मचारी की रिपोर्ट के अनुसार, मौके पर घर बंद मिला था। इसके बाद अदालत ने मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए जमानती वारंट जारी किया। यह मामला वर्ष 2018 में ध्रुव राठी के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो 'बीजेपी आईटी सेल पार्ट-2' से जुड़ा है। शिकायतकर्ता विकास पांडे 'आई सपोर्ट नरेंद्र मोदी' नामक सोशल मीडिया पेज के संस्थापक हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि वीडियो में उनके बारे में आपत्तिजनक और मानहानिकारक दावे किए गए। शिकायत के अनुसार, वीडियो में विकास पांडे पर भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ में वरिष्ठ पद पर होने और महावीर प्रसाद नामक व्यक्ति को कथित तौर पर फर्जी खबरें फैलाने से जुड़े बयान वापस लेने के लिए 50 लाख रुपये की पेशकश करने का आरोप लगाया गया था। इन आरोपों को लेकर विकास पांडे ने अदालत का रुख किया था। मामले में लगाए गए आरोप शिकायत का हिस्सा हैं, जिन पर अदालत में कानूनी प्रक्रिया जारी है। अदालत के आदेश के अनुसार, इस मामले में ध्रुव राठी के खिलाफ पहली बार जुलाई 2019 में समन जारी किया गया था। इसके बाद से शिकायतकर्ता की ओर से उन्हें समन तामील कराने के प्रयास किए जाते रहे हैं। लंबे समय से चल रहे इस मामले में अब जमानती वारंट जारी किया गया है। अदालत ने अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को तय की है। उधर, ध्रुव राठी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर अपने लंदन में होने की जानकारी दी। शिकायतकर्ता के वकील समक्ष शर्मा ने अदालत में दलील दी थी कि ध्रुव राठी आमतौर पर ऑस्ट्रिया में रहते हैं और दिल्ली में 'कॉकरोच जनता पार्टी' से जुड़े प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

भिवंडी में 33.71 करोड़ रुपये के एक्सपायरी खाद्य उत्पादों का मामला, नष्ट करने के बजाय दोबारा बेचने का आरोप

गुलजार नगर की दुकान पर मिले 18 तरह के खराब उत्पाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के भिवंडी में एक्सपायर हो चुके, खराब और दूषित खाद्य उत्पादों को नष्ट करने के बजाय कथित तौर पर खुले बाजार में बेचने का मामला सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की जांच के बाद इस मामले में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में 33.71 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के खाद्य उत्पादों की पहचान की गई है। मामले में खाद्य कंपनियों, गोदाम संचालकों, निस्तारण ठेकेदारों, बिचौलियों और स्थानीय कारोबारियों से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। 17 अक्टूबर की सुबह भिवंडी के शांतिनगर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इससे पहले 14 और 15 अक्टूबर को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर जांच अभियान चलाया था। जांच के दौरान आशंका जताई गई कि एक्सपायर, खराब, अस्वीकृत या क्षतिग्रस्त पैकेजिंग वाले खाद्य



उत्पादों को नष्ट करने के बजाय दोबारा बिक्री के लिए खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में भेजा जा रहा था। एफआईआर के अनुसार, कुल 33,71,30,552 रुपये मूल्य के खाद्य उत्पादों की पहचान की गई, जिन्हें कथित तौर पर बिक्री के लिए रखा गया था। जांच के दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सबसे पहले भिवंडी के गुलजार नगर स्थित डिस्काउंट स्टोर का निरीक्षण किया। यहां 18 तरह के एक्सपायर हो चुके, खराब और रिसाव वाले खाद्य उत्पाद मिले, जिनकी कीमत 80,575 रुपये बताई गई। अधिकारियों के अनुसार, दुकान संचालकों के पास आवश्यक खाद्य लाइसेंस नहीं थे। जांच में खरीद के बिल, भंडार का रिकॉर्ड और आपूर्तिकर्ताओं से संबंधित दस्तावेज भी नहीं मिले। दुकान संचालक ने अधिकारियों को बताया कि उसे यह सामान गुलजार अब्दुल मुबीन खान से मिला था। इसके बाद अधिकारियों ने भिवंडी के चाविंद्रा स्थित खान के ठिकाने की जांच की। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य उत्पादों की खरीद, भंडारण और आगे आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल की गई। जांच के दौरान अधिकारियों को भिवंडी के खोनी और कंबा क्षेत्रों में स्थित बी.के. डिस्पोज नामक केंद्र के बारे में जानकारी मिली। इसका संचालन बाबर मियाज अहमद सिद्दीकी द्वारा किए जाने की बात सामने आई। आरोप है कि इन स्थानों पर विभिन्न कंपनियों के एक्सपायर खाद्य उत्पाद बिना आवश्यक खाद्य लाइसेंस के रखे गए थे। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रों पर भंडार का उचित रिकॉर्ड, खरीद के बिल, कचरा निस्तारण की रसीदें और खाद्य उत्पादों को वास्तव में नष्ट किए जाने के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले।

18 हजार रुपये के कर्ज को लेकर परिवार को धमकाने का आरोप, अस्पताल में युवक की मौत; साहूकार के खिलाफ मामला दर्ज

8 अक्टूबर को घर पहुंचकर धमकी देने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। ठाणे जिले के डोंबिवली में कर्ज और ब्याज की रकम को लेकर एक परिवार को कथित रूप से परेशान करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि 18 हजार रुपये उधार देने वाले एक साहूकार ने रकम वसूलने के लिए परिवार पर दबाव बनाया और कर्जदार के बेटे को धमकी दी। घटना के बाद युवक की तबीयत बिगड़ गई। उसे उपचार के लिए मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 13 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता शम्मू बापूमिया पिंजारी (60) ने आरोप लगाया कि उन्होंने मई 2025 में अबिद सैयद (42) से 18 हजार रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि कर्ज चुकाने के लिए प्रतिदिन 300 रुपये के हिसाब से 40 दिनों तक भुगतान करने की शर्त रखी गई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उन्होंने किस्तों के रूप में करीब 7,500 रुपये चुका दिए थे। इसके बावजूद कर्ज की रकम को लेकर विवाद



बना रहा और उनसे ब्याज सहित अधिक राशि की मांग की जाने लगी। परिवार का आरोप है कि साहूकार ने बकाया रकम बढ़ाकर 20,500 रुपये बताई और भुगतान के लिए लगातार दबाव बनाया। इसी सिलसिले में 8 अक्टूबर को आरोपी ने कथित रूप से शिकायतकर्ता के बेटे को धमकी दी कि यदि 2 दिनों के भीतर पैसे नहीं दिए गए तो उसके साथ मारपीट की जाएगी। परिवार के अनुसार, इस धमकी के बाद युवक मानसिक रूप से परेशान हो गया और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। युवक की हालत खराब होने पर परिजन उसे उपचार के लिए मुंबई के एक अस्पताल में ले गए। वहां इलाज के दौरान 13 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार ने साहूकार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, युवक की मौत का सटीक चिकित्सकीय कारण उपलब्ध जानकारी में स्पष्ट नहीं है। इसलिए मौत और कथित धमकी के बीच संबंध की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। शिकायत के आधार पर डोंबिवली के तिलक नगर पुलिस थाने में आरोपी अबिद सैयद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र साहूकारी (विनियमन) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी पर बिना वैध लाइसेंस के साहूकारी करने और कर्ज की वसूली के लिए धमकाने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में जुटी है। जांच के दौरान कर्ज की वास्तविक राशि, अब तक किए गए भुगतान, ब्याज की मांग और युवक को दी गई कथित धमकी से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जाएगी। फिलहाल, आरोपी पर लगे आरोपों की पुष्टि होना बाकी है।

अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में कथित अवैध निर्माण पर बीएमसी की कार्रवाई, निर्माण के कुछ हिस्से हटाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन के मुंबई के जुहू स्थित बंगले में कथित अनधिकृत निर्माण को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने कार्रवाई की है। रिपोर्ट के अनुसार, नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बंगले में किए गए निर्माण के कुछ हिस्सों को हटाया। इससे पहले नगर निकाय ने निर्माण कार्य को लेकर नोटिस जारी किया था और आवश्यक अनुमतियां प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाने पर नगर निगम ने निर्माण को अनधिकृत माना। यह बंगला जुहू की कपोले सहकारी आवास सोसाइटी में स्थित है और इसका क्षेत्रफल लगभग 7,802 वर्ग फुट बताया गया है। बंगला अजय देवगन और उनकी मां वीणा देवगन का है। नगर निगम के अनुसार, परिसर में आवश्यक अनुमति के बिना आंतरिक बदलाव, विभाजन दीवारों का निर्माण, खिड़कियों में फेरबदल और अन्य संरचनात्मक कार्य किए जा रहे थे। नगर निगम ने 10 सितंबर को मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 354-क के तहत काम रोकने का नोटिस जारी किया था। नोटिस में आरोप लगाया गया था कि जुहू के विले पार्ले पश्चिम स्थित जेवीपीडी क्षेत्र की एनएस रोड नंबर 11 पर कपोले सहकारी आवास सोसाइटी के संबंधित भूखंड पर बिना आवश्यक अनुमति के निर्माण और बदलाव किए जा रहे हैं। इसमें निर्माण के दौरान सिपोरेक्स ब्लॉक के इस्तेमाल का भी उल्लेख किया गया था। नोटिस के माध्यम से बंगले के मालिक या वहां रहने वाले व्यक्ति को तत्काल निर्माण कार्य रोकने और 24 घंटे के भीतर आवश्यक अनुमतियां प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि निर्देशों का पालन नहीं होने पर अनधिकृत निर्माण और सामग्री हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई का खर्च और जिम्मेदारी भी संबंधित मालिक पर डाले जाने की बात कही गई थी। बीएमसी के के-पश्चिम विभाग कार्यालय ने 6 अक्टूबर को इस मामले में आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार, 15 सितंबर को दिए गए जवाब के साथ ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, जिनसे यह साबित हो सके कि संबंधित निर्माण कार्य के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमति ली गई थी। आवश्यक मंजूरी के प्रमाण उपलब्ध नहीं होने के कारण नगर निगम ने मालिक की ओर से दिए गए जवाब को स्वीकार नहीं किया।



लालकृष्ण आडवाणी आईसीयू में भर्ती, हालत स्थिर; जेपी नड्डा अस्पताल पहुंचकर जाना स्वास्थ्य का हाल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत को लेकर इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जारी की है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 98 वर्षीय आडवाणी फिलहाल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर रख रही है और उनका उपचार जारी है। अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, आडवाणी का इलाज तंत्रिका रोग विभाग के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में चल रहा है। चिकित्सक उनकी स्थिति की नियमित निगरानी कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल ने उनकी हालत स्थिर बताई है। वरिष्ठ नेता की उम्र को देखते हुए उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आडवाणी के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिलने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा शनिवार सुबह इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आडवाणी से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पार्टी के वरिष्ठ नेता के अस्पताल में भर्ती होने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी उनकी सेहत को लेकर चर्चा बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, आडवाणी को 16 अक्टूबर को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। बताया गया कि उन्हें शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद चिकित्सकों ने उनकी जांच की और उपचार शुरू किया। लालकृष्ण आडवाणी को इससे पहले भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस साल मई में उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। दिसंबर 2024 में भी उन्हें चिकित्सकीय जांच और उपचार के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था। उस समय भी डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में उनका इलाज हुआ था। लालकृष्ण आडवाणी भारतीय राजनीति और भाजपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं। पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा की भूमिका मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने तीन बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। वे 1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005 तक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। आडवाणी ने केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं और देश के उपप्रधानमंत्री के पद पर कार्य किया।

अमेरिका में भारतीय निवेश 330 अरब डॉलर पार

एस्सार का 15 अरब डॉलर का इस्पात संयंत्र भी सूचीबद्ध

वाशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने अमेरिका में खरबों डॉलर के विदेशी निवेश की सूची जारी की है, जिसमें भारत 330 अरब डॉलर से अधिक के महत्वपूर्ण निवेश के साथ शीर्ष निवेशकों में शामिल हो गया है। इस सूची में भारत की दो प्रमुख प्रविष्टियां दर्शाई गई हैं, जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था में उसके बढ़ते विश्वास को रेखांकित करती हैं। व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लगातार प्रदर्शित हो रही इस सूची में भारत का कुल निवेश 330 अरब डॉलर से अधिक दर्ज किया गया है, जिसमें 310 अरब डॉलर और 20.5 अरब डॉलर की दो अलग-अलग प्रविष्टियां शामिल हैं। इस सूची में आयोवा में एस्सार समूह के मेसाबी मेटालिक्स द्वारा घोषित 15 अरब डॉलर के इस्पात संयंत्र को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खरबों डॉलर के सुखद प्रवाह का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा टेक्सास में एक तेल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए 300 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, जिसे इस सूची में शामिल किया गया है। मई में, सिलेक्टयूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान भी भारतीय उद्योग जगत ने अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी।

हल्दी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, सूखे और अल नीनो का असर

पिछले एक साल में 80 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रसोई का अहम हिस्सा, हल्दी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। पिछले एक साल में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी के साथ, हाजिर बाजार में यह 23,000 रुपए प्रति क्विंटल के पार बिक रही है, जबकि वायदा बाजार में यह 24,500 रुपए तक पहुंच गई है। इस अभूतपूर्व तेजी का मुख्य कारण मांग में तेजी और अल नीनो के कारण घटती आपूर्ति है। पिछले एक महीने में हल्दी के दाम 18 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। किसान और स्टॉकिस्ट बेहतर दाम की उम्मीद में माल रोक रहे हैं, साथ ही पिछले सीजन के मुकाबले कैरी-फॉरवर्ड स्टॉक में 5 लाख बोरे की कमी भी एक कारण है। अल नीनो के प्रभाव से सूखे की स्थिति और फसल पर इसके प्रतिकूल असर की आशंका ने कीमतों को और भड़का दिया है। कर्नाटक में लगभग 13,446 हेक्टेयर हल्दी की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसकी कीमत 188.24 करोड़ रुपए आंकी गई है। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सूखे के कारण बुवाई का रकबा 20-30 फीसदी घट गया है, जिससे अगले साल उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका है। वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग के बावजूद, आपूर्ति की कमी से जुलाई 2026 में निर्यात 10 फीसदी घटा है, जो मौजूदा संकट को और गहरा रहा है। यह स्थिति उपभोक्ताओं और निर्यातकों दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

एचडीएफसी ने पेश किया नया भारत इक्विटी ईटीएफ

एक निवेश में मिलेगी बाजार की डाइवर्सिटी

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अपना नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एचडीएफसी एफटीएसई इंडिया इक्विटी ईटीएफ सूचीबद्ध कर दिया है। यह नया फंड निवेशकों को एक ही निवेश के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार की कई प्रमुख कंपनियों में विविधीकृत एक्सपोजर हासिल करने का एक आसान तरीका प्रदान करेगा, जिससे उन्हें अलग-अलग शेयरों में निवेश की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह ईटीएफ एफटीएसई इंडिया इक्विटी इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जो एफटीएसई इंडिया ऑल कैप इंडेक्स के कुल बाजार मूल्य का लगभग 90 फीसदी कवर करता है। इसका अर्थ है कि निवेशक विभिन्न आकार की भारतीय कंपनियों में अपना पैसा लगा सकेंगे, जिससे उनके पोर्टफोलियो में विविधता आएगी। एक ओपन-एंडेड ईटीएफ होने के नाते, इसका प्राथमिक उद्देश्य इंडेक्स के प्रदर्शन के करीब रिटर्न देना है, जिसमें शेयरों का चुनाव इंडेक्स के नियमों के आधार पर होगा।

एचडीएफसी के एक अ धिकारी ने इस अवसर पर कहा कि यह ईटीएफ ऐसे निवेशकों की जरूरत पूरी करेगा जो भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि का लाभ आसान और पारदर्शी तरीके से उठाना चाहते हैं। इस लिस्टिंग के साथ, एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने अपने पैसिव निवेश उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार किया है।

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट के बाद जोरदार तेजी से हुआ बंद

वैश्विक चिंताओं और महंगाई ने बढ़ाई निवेशकों की बेचैनी

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और बढ़ती महंगाई के शुरुआती दबाव के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए सप्ताह का समापन बढ़त के साथ किया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों सूचकांकों ने सप्ताह के अंत तक महत्वपूर्ण उछाल दर्ज की, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को भारी गिरावट के साथ हुई। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण सेंसेक्स 547 अंक से अधिक गिरकर 71,924 पर और निफ्टी 157 अंक फिसलकर 22,363 पर बंद हुआ। कमजोर निवेशक धारणा और मुद्रास्फीति की चिंताओं ने बाजार को और नीचे खींचा। हालांकि, मंगलवार को बाजार में जोरदार वापसी हुई। शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 1,109 अंक उछलकर 73,033 पर और निफ्टी 358 अंक बढ़कर 22,721 पर बंद हुआ। रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। बुधवार को एक बार फिर उतार-चढ़ाव का दौर देखा गया और सेंसेक्स 251 अंक गिरकर 72,781 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 22,688 पर रहा। इस दिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेश की लगातार निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में भारतीय शेयर बाजार ने ज़बरदस्त तेजी दर्ज की।

गुरुवार को बैंक, आईटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख शेयरों में भारी खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते सेंसेक्स 1,533 अंक की विशाल बढ़त के साथ 74,315 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 374 अंक बढ़कर 22,997 पर बंद हुआ। यह तीन हफ्ते का उच्च स्तर था। शुक्रवार को भी यह तेजी जारी रही। आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और मजबूत वैश्विक रुझानों के दम पर सेंसेक्स 413 अंक और निफ्टी 148 अंक की बढ़त के साथ क्रमशः 74,729 और 23,146 पर सप्ताह का समापन किया।

विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड गिरावट

- रुपए को बचाने के लिए आरबीआई की कवायद जारी

नई दिल्ली ।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 9 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.6 अरब डॉलर घटकर 726 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से रुपये को डॉलर के मुकाबले अत्यधिक गिरने से बचाने के लिए आरबीआई द्वारा बाजार में लगातार डॉलर बेचने के कारण हुई है। गौरतलब है कि 4 सितंबर को 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से पिछले पांच हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 59.7 अरब डॉलर की भारी कमी आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में इस बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह रुपये पर बना दबाव है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण रुपये पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने बताया कि आरबीआई ने इस सप्ताह के दौरान लगभग 9.8 अरब डॉलर बेचे, हालांकि विदेशी मुद्रा के मूल्य में बदलाव से कुछ हद तक कुल गिरावट कम रही। विदेशी मुद्रा भंडार के विभिन्न घटकों पर नजर डालें तो, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.14 अरब डॉलर घटकर 597.61 अरब डॉलर रह गईं, जो कुल भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, सोने का भंडार भी 1.32 अरब डॉलर घटकर 105.09 अरब डॉलर पर आ गया।

हरियाणा में 4000 करोड़ का निवेश, स्वीडन यात्रा ने खोले नए द्वार

सीएम सैनी की पहल से व्यापार, रोजगार के अवसर सृजित

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हालिया स्वीडन यात्रा राज्य के लिए 4,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव लेकर आई है। हाल ही में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वीडिश कंपनियों के साथ आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए, जो हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चार दिवसीय यात्रा पर स्वीडन पहुंचा था। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करना, वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी तथा टिकाऊ विकास में सहयोग को बढ़ावा देना था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। यात्रा के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम के बीच एक ऐतिहासिक शहर-से-शहर सहयोग समझौता भी हुआ। इस समझौते के तहत दोनों शहर तकनीकी नवोन्मेष, स्मार्ट सिटी समाधान, टिकाऊ शहरी विकास, ज्ञान के आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन पर मिलकर काम करेंगे, जिससे दीर्घकालिक साझेदारी को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बयान में यह भी कहा गया कि खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों पर भी सहमति बनी है, जो राज्य में इन क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान करेगा। यह पहल हरियाणा को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करती है।

लेंसकार्ट की चमक बरकरार, शेयर 43 फीसदी चढ़ा,निवेशकों ने की बंपर खरीदारी

म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के सभी शेयर हाथों-हाथ खरीदे

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने के बावजूद, आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस पर निवेशकों का भरोसा अटूट बना हुआ है। मई 2026 में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों द्वारा बेचे गए सभी शेयरों को म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने हाथों-हाथ खरीद लिया है, जो कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और भविष्य की विकास संभावनाओं में गहरे विश्वास को दर्शाता है। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट ने एक बार फिर निवेशकों का दिल जीत लिया है, जब जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई।

इन बड़े निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, घरेलू म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने उनके बेचे गए सभी शेयरों को हाथों-हाथ खरीद लिया, जो कंपनी की मजबूत बुनियाद और आकर्षक भविष्य के प्रति उनके भरोसे को उजागर करता है।

सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, एसबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड निवेशक बनकर उभरा है, जिसके पास कंपनी की 3 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके बाद कोटक टेक्नॉलजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है।

निवेशकों के इस मजबूत भरोसे का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। शुक्रवार को लेंसकार्ट का शेयर 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ 646.5 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 43.4 फीसदी की शानदार तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी 50 में 11.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि लेंसकार्ट के शेयर की यह तेजी केवल बाजार के अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में ठोस वृद्धि और भविष्य की मजबूत संभावनाओं को दर्शाती है। एक रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 के बाद से शेयर का दो साल आगे का पीई मल्टीपल केवल 8 फीसदी बढ़ा है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 के लिए मुनाफे के अनुमानों को 27-30 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय परिणाम भी इस बात की पुष्टि करते हैं; जून तिमाही में लेंसकार्ट का राजस्व सालाना आधार पर 34 फीसदी बढ़कर 2,710 करोड़ रुपये हो गया।

इस प्रकार, सॉफ्टबैंक जैसे शुरुआती निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, लेंसकार्ट अपने दमदार वित्तीय प्रदर्शन और आकर्षक विकास संभावनाओं के दम पर नए संस्थागत निवेशकों को लगातार आकर्षित कर रही है।

यह निवेशकों के बीच कंपनी की दीर्घकालिक क्षमता और बाजार में बढ़ती पकड़ में गहरे विश्वास को दर्शाता है, जिससे यह आने वाले समय में भी एक मजबूत और टिकाऊ खिलाड़ी बनी रहेगी।

कच्चे तेल में फिर भारी उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

हूती हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल दर्ज किया गया है। मई के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड का भाव 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया, जबकि अमेरिकी क्रूड में भी लगभग 4 फीसदी की तेजी आई है। वैश्विक आपूर्ति में जल्द सुधार की उम्मीदें कमजोर पड़ने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने ऊर्जा बाजार की चिंता बढ़ा दी है। तेल की बढ़ती कीमतों के पीछे कई कारण हैं। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा संयंत्रों व रिफाइनरियों को लगातार निशाना बनाए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा



है। रूस की रियाजान तेल रिफाइनरी पर हमले के बाद परिचालन रोकना पड़ा, जिससे रूसी डीजल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। काला सागर क्षेत्र में तनाव भी वैश्विक तेल एवं ईंधन आपूर्ति पर दबाव बनाए हुए है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।



बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 757 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 643 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में उसकी कुल आय 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3,251 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,748 करोड़ रुपये थी।बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शुद्ध ब्याज आय सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,055 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 956 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक 25 प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तारीख को यह 1.27 लाख करोड़ रुपये थी।

ट्रंप का यू-टर्न-रूसी तेल खरीदारों पर लगाए शुल्क तुरंत माफ

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए गए शुल्कों को तुरंत माफ कर दिया है, जिससे भारत और चीन जैसे प्रमुख आयातकों को बड़ी राहत मिली। यह फैसला 100 फीसदी शुल्क लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया और अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शन्स रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 को लागू किया गया था। इस कानून में रूसी तेल और गैस के शीर्ष पांच खरीदारों से आने वाले सामानों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान था, जो 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही समय-सीमा के बाद नई खरीद पर लागू होना था। यह कानून रूसी उत्पादों पर 500 फीसदी तक शुल्क का भी प्रावधान करता था। हालांकि, उसी आदेश की धारा 4 का उपयोग करते हुए ट्रंप ने इन सभी शुल्कों को तुरंत निलंबित कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं ग्राहम एक्ट की धारा 112 और 113, या इस आदेश में बताए गए किसी भी शुल्क को लागू करने से छूट देता हूं (माफ करता हूं)। यह छूट तब तक प्रभावी रहेगी जब तक राष्ट्रपति या संबंधित मंत्री आगे कोई और कदम उठाने का निर्णय नहीं लेते। इस आदेश में किसी



देश का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन इसका सीधा फायदा रूसी तेल के बड़े खरीदारों को मिला है।

यस बैंक एटी-1 बॉन्ड मामला- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दो एमएफ ने निवेश रोका

कोटक और निप्पॉन लाइफ ने कुछ डेट फंडों में नए निवेश पर लगाई अस्थायी रोक

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यस बैंक के अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को बहाल करने के फैसले के बाद, कोटक महिंद्रा एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने अपने कुछ डेट म्युचुअल फंड योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह कदम निवेशकों के हितों की सुरक्षा और पुरानी एनएवी में अचानक संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि नए निवेशकों के प्रवेश से पुराने निवेशकों के लाभ में कमी न आए। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें यस बैंक के इन बॉन्डों को बट्टे खाते में डालने के फैसले को रद्द किया गया था। इस फैसले से उन म्युचुअल फंड योजनाओं के नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिनके पास ये बॉन्ड थे और जिनका मूल्य अभी तक शून्य माना गया था। कोटक महिंद्रा एएमसी ने कोटक मीडियम टर्म फंड और कोटक क्रेडिट रिस्क फंड में नए निवेश पर रोक लगाई है, जिनकी कुल परिसंपत्तियां 2,680 करोड़ रुपये हैं। इसी तरह, निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने भी अपने इंडिया रिटायरमेंट फंड की वेल्थ क्रिएशन और इनकम जेनरेशन योजनाओं में नया निवेश लेना बंद कर दिया है। फंड हाउसों ने यह एहतियाती कदम इसलिए उठाया है ताकि नए निवेशक, जो बढ़ी हुई एनएवी का लाभ उठा सकते हैं, उनके प्रवेश से पुराने निवेशकों को मिलने वाले संभावित लाभ में कमी न आए। फिलहाल, दोनों फंड हाउस सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कर रहे हैं और बॉन्ड के सटीक मूल्यांकन को लेकर स्पष्टता का इंतजार है। मार्च 2020 में यस बैंक के पुनर्गठन के दौरान 8,415 करोड़ रुपये के इन एटी-1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डाल दिया गया था, जिसे जनवरी 2023 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

महंगाई ने फीकी की त्योहारों की मिठास, मिठाइयां 15 फीसदी तक महंगी

चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस महंगी; ग्राहक और दुकानदार दोनों परेशान

नई दिल्ली ।

इस त्योहारी मौसम में मिठाइयों की मिठास पर महंगाई का साया गहरा गया है। चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस सहित प्रमुख सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण देश भर में मिठाइयों के दाम पिछले साल के मुकाबले औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। त्योहारों का उत्साह जहां एक ओर बाजारों में रौनक ला रहा है, वहीं दूसरी ओर मिठाइयों की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा रही हैं। चीनी, दूध, मेवे और वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर जैसे प्रमुख घटकों की लागत में अप्रत्याशित उछाल के कारण देश भर में मिठाइयों की कीमतें 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उत्तर भारत की मावे वाली बर्फी से लेकर दक्षिण के लड्डू और कोलकाता के संदेश तक, हर लोकप्रिय मिठाई महंगी हुई है। मिठाई बनाने में सबसे अहम चीनी की कीमतें 3-4 महीने पहले के 44 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर अब 60 रुपये के पार पहुंच गई हैं। इसी तरह, गाय का दूध पिछले साल की तुलना में करीब 30 प्रतिशत महंगा होकर 42 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि असमान मॉनसूनी बारिश और पशु आहार की बढ़ती कीमतों के कारण दूध उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिससे इसकी कीमतें ऊंची बनी रहेंगी।

मेवे, काजू और मक्खन जैसी सामग्री भी औसतन 15 प्रतिशत तक महंगी हुई हैं, जिसका एक कारण पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ते कंटेनर भाड़े को बताया जा रहा है। इस बढ़ती लागत का असर मिठाई विक्रेताओं पर भी पड़ रहा है। उत्तरी कोलकाता में कुछ प्रतिष्ठान जैसे गिरीश चंद्र दे ऐंड नकुर चंद्र नंदी अभी भी लागत का बोझ खुद उठा रहे हैं, जबकि ओडिशा में मिठाइयों की खुदरा कीमतों में 25 से 30 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई है।

सप्ताह भर में सोना 4,500, चांदी 13,500 सस्ती हुई

विशेषज्ञ बोले- सीमित दायरे में रहेगा कारोबार, कच्चे तेल पर रहेगी नजर

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना और चांदी के भाव स्थिर रहे, जिससे उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद निवेशकों को हल्की राहत मिली। हालांकि, भारतीय रुपए की लगातार मजबूती ने बहुमूल्य धातुओं में किसी बड़े सुधार की गुंजाइश को सीमित कर दिया, जहां 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,49,900 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर टिकी रही। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब सप्ताह भर में सोने की कीमतों में 4,500 रुपए (तीन प्रतिशत) की बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि चांदी 13,500 रुपए (छह प्रतिशत) तक सस्ती हुई। बाजार विश्लेषकों के मुता बिक धातुओं ने निचले स्तर से नुकसान की भरपाई करने का प्रयास किया, लेकिन रुपए की लगातार मजबूती ने इस सुधार को रोक दिया। रिजर्व बैंक के समर्थन से रुपया लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे चढ़कर 94.92 पर बंद हुआ, जिसका सीधा असर बहुमूल्य धातुओं पर दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.30 प्रतिशत बढ़कर 4,183.34 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 57.80 रुपए प्रति औंस पर थी, जो घरेलू बाजार की स्थिरता से अलग रुझान दर्शाती है। अनुमान के मुता बिक व्यापारियों के कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखे जाने के बीच सोने में हल्के तेजी के रुख के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार की उम्मीद है। यह स्थिति निवेशकों को सतर्कता बरतने का संकेत दे रही है।



दुनिया के इस खूबसूरत गांव में मौजूद है फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं, फिर भी नहीं है कोई रहने वाला

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कुछ ऐसी ही एक जगह है उत्तर कोरिया का किजोंग-डोंग गांव। खूबसुरती के मामले में इस गांव का कोई तोड़ नहीं है, लेकिन यहां पर कोई रहने वाला ही नहीं है। हालांकि, इस गांव में आलीशान इमारतें, साफ-सुथरी सड़कें, पानी की टंकी, बिजली, स्ट्रीट लाइट समते तमाम तरह की सुविधाएं हैं।

किजोंग-डोंग गांव साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के मिलिट्रीरहित जोन में स्थित है। साल 1953 में कोरियन वॉर के बाद हुए युद्ध विराम के दौरान इस गांव को बनाया गया था। कई लोग इस गांव को प्रोपगैंडा विलेज कहते हैं। लोगों का ये मानना है कि इस गांव का निर्माण इसलिए कराया गया ताकि उथ कोरिया में रह रहे लोगों को ऐसा लगे कि यहां के लोगों की लाइफ काफी लग्जरी है।

किजोंग-डोंग का इतिहास

किजोंग-डोंग गांव के निर्माण का किस्सा भी काफी रोचक है। दरअसल, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच जब कोरियाई युद्ध की अनौपचारिक समाप्ति हुई, उसी समय इस गांव का निर्माण हुआ। तीन साल तक चले इस युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस दोनों देशों को अलग करने वाले क्षेत्र को डिमिलिट्राइज एरिया के रुप में जाना जाता है। युद्ध के दौरान दोनों देशों ने यहां से अपने नागरिकों को हटा दिया था। युद्ध विराम की घोषणा के समय यह तय किया गया कि दोनों देश सीमा पर सिर्फ एक ही गांव को बरकरार रख सकते थे या फिर नया गांव बसा सकते थे। ऐसे में दक्षिण कोरिया ने अपनी सीमा में मौजूद फ्रीडम विलेज के रुप में जाना जाने वाला डाइसॉन्ग-डोंग को बरकरार रखा। यहां पर करीब 226 लोग रहते हैं। इतना ही नहीं इस गांव के लोगों को विशेष पहचान पत्र दिया गया है और रात 11 बजे के बाद कर्फ्यू लग जाता है।

दूसरी तरफ उत्तर कोरिया ने पीस विलेज के रुप में एक नया गांव किजोंग-डोंग का निर्माण करवाया। इस गांव को लेकर उत्तर कोरिया का ये दावा है कि यहां पर 200 निवासी हैं। बच्चों के लिए किंडरगार्टन, प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के अलावा यहां रह रहे लोगों के लिए अस्पताल भी है। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह गांव एकदम सुनसान है और यहां कोई नहीं रहता है। लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए रोजाना घरों में लाइट जलाई जाती हैं और सड़कों पर सफाईकर्मी झाड़ू लगाते नजर आते हैं। लेकिन इस गांव में रहने वाले लोग नहीं दिखाई देते हैं।





बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।



पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी पंख

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

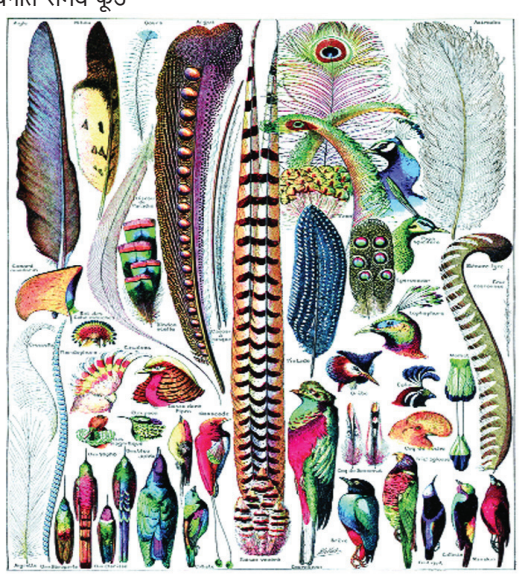
पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।



एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।



रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।



वॉलीबॉल चैंपियंस लीग

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

नोएडा । हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (वीसीएल) में अपने सुपर 6 कैंपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया। हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता। हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।



जीत के बाद चिराग ने कहा, 'सुपर 6 स्टेज की शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे। '

एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

'हम मैनचेस्टर सिटी को परेशान कर सकते हैं'

मुकाबले से पहले इप्सविच गोलकीपर वाल्टन का बयान

मैनचेस्टर । इप्सविच टाउन के गोलकीपर क्रिश्चियन वाल्टन का मानना है कि उनकी टीम मैनचेस्टर सिटी को कड़ी टक्कर देने और उन्हें परेशान करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एतिहाद स्टेडियम में खेले जाने वाले इस प्रीमियर लीग मुकाबले में इप्सविच पूरी आत्मविश्वास के साथ उतरेगा। इप्सविच ने टॉप लीग में अपनी वापसी की एक अच्छी शुरुआत की है, उसे लीग की शीर्ष टीम के खिलाफ एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, वाल्टन ने कहा कि उनकी टीम इंग्लिश फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार है। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए वाल्टन ने कहा, 'हमें पूरा भरोसा है कि मैनचेस्टर सिटी का सामना एक अच्छी इप्सविच टीम से होने वाला है। हमें पूरे आत्मविश्वास के साथ वहां जाना होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं। '



मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

हांगकांग सिक्सेस 2026

क्रुणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

नई दिल्ली । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद क्रुणाल को यह जिम्मेदारी दी गई। भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में क्रुणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश

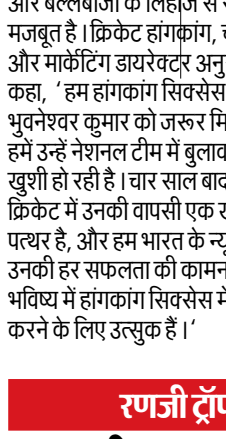


राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है। क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा, 'हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पत्थर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। '

रणजी ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

मुंबई । मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं।



मुंबई की टीम

सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्यांश शेडगे, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिसूजा और ओंकार तरमले।



न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

वनडे में 2 अलग कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कमान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज



अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे।

अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें मैच के लिए भारत की वनडे टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत की टेस्ट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

यह कैसी तैयारी

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह: 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है। बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे। अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था। इस पूरे टूर्नामेंट में बुमराह ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जो एक वनडे मैच के स्पेल से भी कम है। न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार कंडिशंस में आजमाने का अच्छा मौका था।



अगरकर के जाने के बाद भी मौका नहीं, क्या टीम इंडिया में वापसी के रास्ते शमी के लिए क्या अब बंद हो चुके हैं?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर से नजरअंदाज किया गया है। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान ओझा को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। प्रज्ञान ने अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए अपनी पहली टीम को मंजूरी दी। इस टीम में सबसे चौंकाने वाला नाम भुवनेश्वर कुमार का था। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 के लिए भी इंजर्ड अर्शदीप की जगह टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है और वह संभवत: प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी की



उम्मीद जगाई थी। शमी 9 मार्च 2025 (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल) के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट खेला और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी फॉर्म और फिटनेस का सबूत दिया। वह अभी भी रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने शमी को हमेशा नजरअंदाज किया। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार के साथ भी ऐसा ही हुआ। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद वह टीम इंडिया से बाहर रहे।

अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बने और उनकी पहली टीम में ही भुवनेश्वर कुमार थे। इसके बाद शमी का न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की संभावना बढ़ गई, खासकर जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में उनका चयन तय माना जाने लगा। लेकिन, शुक्रवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा हुई, तो शमी का नाम फिर नदारद था।

पहला टी20: डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन,

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया



रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी।

इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी। रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बिलव्ड बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद केलिस नधलोवु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद शार्ने मेयर्स ने नधलोवु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा ग्वानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया।

निकी प्रसाद को स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया

भारत के लिए युवा ऑलरआउंडर निकी प्रसाद इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें मुकाबले से पहले कप्तान स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया। कैप मिलने के बाद साथी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और अनुष्का शर्मा ने गले लगाकर उन्हें बधाई दी।



उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है: शेफाली वर्मा

रायपुर। शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भरा टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, 'उप-कप्तानी की बात करें तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार और सहज रहें। मैं बस यही कोशिश कर रही हूं कि हर खिलाड़ी सहज महसूस करे और कप्तान की मदद कर सकूं। '



उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को देते हुए कहा, 'हरमन दी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज महिला क्रिकेट जिस मुकाम पर है, वह पूरी तरह से हरमन दी की ही देन है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।



कटरीना कैफ की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सौंदर्या रजनीकांत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ हाल ही में मां बनने के बाद पहली बार एक बड़े इवेंट में नजर आईं थीं, जिसके बाद उन्हें लुक्स और वजन को लेकर काफी ट्रोल किया गया। अब इस ऑलनाइन ट्रोलिंग पर सलमान खान सहित कई सेलेब्स कटरीना के सपोर्ट में सामने आए हैं। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी और फिल्ममेकर सौंदर्या रजनीकांत ने भी महिलाओं के शरीर में प्रेग्नेंसी के बाद होने वाले बदलावों को लेकर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है।

कटरीना कैफ ने नवंबर 2025 में पति विक्की कौशल के साथ अपने बेटे विहान का स्वागत किया था। मां बनने के बाद से वह लाइमलाइट से काफी दूर थीं, लेकिन हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर तरह-तरह के कमेंट होने लगे। इसी मामले पर बात करते हुए सौंदर्या रजनीकांत ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में बदलाव होना बिल्कुल सामान्य है और ऐसे समय में महिला को ट्रोल करने के बजाय उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

बातचीत के दौरान सौंदर्या रजनीकांत ने कटरीना की ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए महिलाओं के लिए सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा, 'मेरे दो बच्चे हैं और यह आसान नहीं है। जब आपको उस प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, तो आपका शरीर बदल जाता है और एक खास उम्र के बाद बच्चा होना और भी मुश्किल होता है। मेरा दूसरा बच्चा 35 साल की उम्र के बाद हुआ था। यह आसान नहीं है। आपको उस महिला को सम्मान देना चाहिए। क्योंकि जो एक महिला शारीरिक रूप से कर सकती है, उसके लिए आप पुरुषों को दोष नहीं दे सकते क्योंकि वे ऐसा नहीं कर सकते। यह बायोलॉजी का मामला है।'

हम पुरुष से नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेंट क्यों नहीं होते?

सौंदर्या ने आगे कहा कि महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर उन्हें जज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लेकिन आपको यह स्वीकार करना होगा कि एक महिला ऐसा करती है। हम पुरुष से यह नहीं पूछते कि तुम प्रेग्नेंट क्यों नहीं होते? लेकिन जब हम उस दौर से गुजरते हैं, तो मुझे बहुत बुरा लगा जब वह सब हुआ। यह सही नहीं था। यह अच्छा व्यवहार नहीं था। महिलाएं बहुत कुछ सहती हैं, लेकिन महिला होना खास बात है।'

सौंदर्या खुद दो बच्चों की मां हैं

सौंदर्या रजनीकांत खुद भी दो बच्चों की मां हैं, उन्होंने 2010 में बिजनेसमैन अश्विन से शादी की थी। 2015 में उनके बेटे वेद का जन्म हुआ। इसके बाद 2016 में दोनों अलग हो गए और 2017 में उनका तलाक हो गया। साल 2019 में सौंदर्या ने बिजनेसमैन विशागन से दूसरी शादी की। 2022 में दोनों बेटे वीर के माता-पिता बने।

सलमान खान भी कर चुके हैं कटरीना का सपोर्ट

कटरीना के वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर सलमान खान भी ट्रोलर्स को फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने सवाल किया था कि जब एक्ट्रेस हाल ही में मां बनी हैं, तो उनके वजन और लुक पर लोग कमेंट क्यों कर रहे हैं। सलमान ने कहा, 'प्रेग्नेंट होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ता है।'

गणेश चतुर्थी पर पहली बार दिखीं कटरीना



कटरीना कैफ को हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में देखा गया था। मां बनने के बाद यह उनकी उन चुनिंदा पब्लिक अपीयरेंस में से एक थी, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। हालांकि, जहां कई फैंस ने कटरीना के लुक की तारीफ की, वहीं कुछ यूजर्स ने उनके बढ़े हुए वजन को लेकर कमेंट किए। कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी से पहले और बाद की तस्वीरों को शेयर करते हुए उनके लुक की तुलना भी की। सोशल मीडिया पर चल रही इस चर्चा पर अभी तक कटरीना कैफ या उनके पति विक्की कौशल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, सौंदर्या रजनीकांत और सलमान खान जैसे सितारों के कटरीना के सपोर्ट में बोलने के बाद एक बार फिर बॉडी-शेमिंग और महिलाओं के शरीर को लेकर सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग का मुद्दा चर्चा में आ गया है।



सनी कौशल और विशाल जेठवा के साथ नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।

बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेठवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है।

हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं'।

2020 में आई थी आखिरी वेब सीरीज

इस सीरीज के जरिए बिपाशा बसु अपनी बेटी देवी के जन्म के बाद लंबे ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। मां बनने के बाद से अभिनेत्री ने अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दिया और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। हालांकि, वे फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आती रही हैं। मगर, फैंस अब उन्हें स्क्रीन पर एक्टिंग करते देख सकेंगे। अभिनय के मोर्चे पर बिपाशा को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था, जो 2020 में रिलीज हुई। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'अलोन' थी। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी।



बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं

अभिनेत्री सम्वेदना सुवाल्का फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' (दृश्यम 3) में विजय सालगांवकर की वकील एडवोकेट गायत्री मोहन के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने दृश्यम टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'फिल्म में सभी कलाकारों के साथ काम करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। फिल्म में इतने अच्छे कलाकार हैं कि जब हम उनके साथ खड़े होते हैं, तो हम और चमकने लगते हैं। मैं बस अपना काम कर रही थी और वे सभी मुझे उठा रहे थे।' अभिनेत्री से सवाल किया, 'आज, गुणवत्ता बनाम मात्रा के दबाव में, अभिनेताओं को अक्सर एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करना पड़ता है। क्या आप प्रोजेक्ट चुनते समय चयनात्मक हैं या आपको लगता है कि आपको कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए?' अभिनेत्री ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'कुछ मामलों में मैं सिलेक्टिव हूं। अगर मुझे कोई अच्छा काम नहीं मिलता है, तो मैं सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने के लिए काम नहीं करती हूं। अब जब मैंने इतना काम कर लिया है, तो मैं और भी अच्छे किरदार करना चाहूंगी लेकिन मैं अवसरों को नहीं छोड़ना चाहती हूं। मैं अब बहुत काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री संवेदना सुवालका आगामी फिल्म 'गुरु' में जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। जॉन अब्राहम के साथ अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'फिल्म गुरु में हम साथ काम कर रहे हैं, जिसे रिबु दासगुप्ता ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जॉन हीरो वाली छवि दिखाने के बजाय अपनी बॉडी दिखा रहे हैं। मैं अभी-अभी काम से वापस आई हूं और मुझे बहुत मजा आया।'

अभिनेत्री से एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री उन कलाकारों का कम इस्तेमाल कर रही है जो नृत्य कर सकते हैं, एक्शन कर सकते हैं और अभिनय के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण भी ले चुके हैं?'

अभिनेत्री सम्वेदना सुवाल्का ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि वास्तव में कई अभिनेताओं को अलग-अलग तरीकों से पहचाना जाता है। कुछ एक्शन हीरो के रूप में जाने जाते हैं, कुछ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं और कुछ ऑल-राउंडर के रूप में जाने जाते हैं। ऐसे में मैं ऐसा नहीं कहूंगी।

दुलकर सलमान ने ली 'आई एम गेम' के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

दुलकर सलमान की फिल्म 'आई एम गेम' को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 3 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसका प्रदर्शन कमजोर रहा। अब दुलकर ने सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और बतौर प्रोड्यूसर इसकी जिम्मेदारी स्वीकार की है। दुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि लोगों ने फिल्म को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने आलोचनाओं को भी स्वीकार किया। साथ ही यह भी कहा कि वह लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।



इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया



अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है।

उम्र पर क्या बोलीं श्रिया

बातचीत में श्रिया ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'

श्रिया ने की मेकर्स की तारीफ

अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजू' एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।

इशिता के बारे में श्रेया ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दृश्यम' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।



जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके हाथों में कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जान्हवी की इस पोस्ट ने फैंस और ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है। कई लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप पर फोकस किया गया है, उसने इन अटकलों को और हवा दे दी है। दिलचस्प बात यह है कि यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी कपूर हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को लेकर सुर्खियों में थीं। ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



विकास बहल की अगली फिल्म में दिखेंगे जिमी, मोना-सिद्धांत

जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलिजेह अग्निहोत्री स्टारर विकास बहल की अगली फिल्म 1990 के दशक के ब्रिटेन में पंजाबी म्यूजिक के तेजी से उभरने की कहानी पर आधारित होगी।

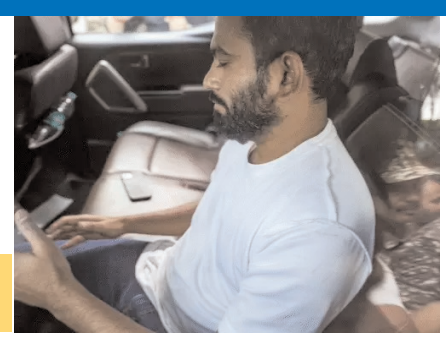
ये फिल्म उस दौर को दिखाएगी, जब ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के युवाओं की एक पूरी पीढ़ी संगीत के जरिए अपनी पहचान और अपनी आवाज तलाश रही थी। फिल्म की कहानी 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन में सेट है। उस दौर में गैरेज, बैकरूम, पायरेट रेडियो स्टेशनों और अंडरग्राउंड गिग्स से पंजाबी म्यूजिक का एक नया आंदोलन आकार ले रहा था। पंजाबी ढोल और वेस्टर्न बेसलाइन के मेल से तैयार इस नई आवाज ने धीरे-धीरे म्यूजिक चार्ट्स तक जगह बनाई थी। यह सिर्फ म्यूजिक इंडस्ट्री के उभार की कहानी नहीं, बल्कि अलग संस्कृतियों के बीच बड़े हो रहे युवाओं की भी कहानी है।

SIR के खिलाफ कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला ग्राउंड में रैली, पुलिस से इजाजत मिली

दीपके कल हिरासत में, सुबह गिरफ्तार, शाम को जमानत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपये का बॉन्ड भरना पड़ा। दिल्ली पुलिस ने उन्हें शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। इससे पहले शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले उन्हें हिरासत में लिया गया था। आठ दिनों के भीतर दीपके के खिलाफ यह दूसरी कार्रवाई बताई जा रही है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली हवाई अड्डे पर विमान से हिरासत में लिया गया था, हालांकि अगले दिन उन्हें रिहा कर दिया गया था। दीपके की हिरासत को लेकर CJP ने पुलिस पर जानकारी नहीं देने के आरोप लगाए थे। पार्टी का दावा था कि हिरासत में लिए जाने के कई घंटे बाद तक उनके ठिकाने की जानकारी नहीं दी गई। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे के अनुसार, पुलिस ने संसद मार्ग थाने में दीपके के मौजूद होने से इनकार करते हुए दूसरे थाने में पता करने को कहा था। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि उनके वकीलों को हिरासत की वजह स्पष्ट रूप से नहीं बताई गई। CJP की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह और दीपके के वकील पुष्प शर्मा मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। रत्ना सिंह ने बताया था कि दीपके को सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया जाना था। इस बीच थाने के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई और दिल्ली में कनॉट प्लेस, संसद मार्ग तथा जंतर-मंतर के आसपास बैरिकेडिंग की गई। हालांकि, सड़कों पर यातायात जारी रहा। दिल्ली में हालिया प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई के विरोध में ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) और अन्य संगठनों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई को लेकर विरोध जताया। उधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गांडे ने दीपके की रिहाई की मांग की थी। उनका दावा था कि दीपके तिरंगा लेकर जा रहे थे और उन्होंने पुलिस से दूसरी जगह जाने का विकल्प भी मांगा था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। गांडे ने आरोप लगाया कि दीपके के वकीलों और परिवार को उनकी लोकेशन तथा हिरासत के कारणों की जानकारी नहीं दी गई थी। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित म्यूजियम पुलिस

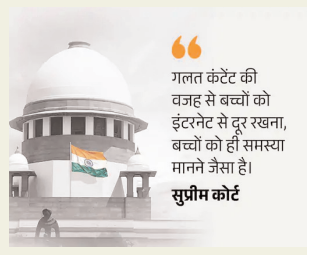


स्टेशन में दिल्ली पुलिस के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता दिल्ली विश्वविद्यालय की कानून की छात्रा और एनएसयूआई कार्यकर्ता अथिरा विजयन हैं। शकायत के मुताबिक, 13 अक्टूबर को दिल्ली के कनॉट प्लेस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें रोका, गाली-गलौज की, घसीटा और मारपीट की। शिकायत में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई है। इन आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस और नई दिल्ली के अन्य इलाकों में लागू प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में कई एफआईआर दर्ज कीं।

बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने; 5 साल में केस 26.6 गुना बढ़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट इस्तेमाल करने की आजादी के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है। अदालत ने कहा कि इंटरनेट का इस्तेमाल करना हर व्यक्ति, यहां तक कि बच्चों के लिए भी मौलिक अधिकार है। बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह दूर रखना बेतुका होगा। अदालत के अनुसार, ऑनलाइन गलत सामग्री की मौजूदगी के आधार पर बच्चों के इंटरनेट इस्तेमाल पर पूरी तरह



प्रतिबंध लगाना उचित समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट पर पूरी तरह रोक लगाने से बच्चे कम सुरक्षित वेबसाइटों और डिजिटल मंचों की ओर जा सकते हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन धमकी या शोषण का सामना करने वाले बच्चे शिकायत करने से भी डर सकते हैं। इसलिए बच्चों को इंटरनेट से दूर करने के बजाय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सुरक्षित तरीके से इंटरनेट इस्तेमाल करने में सक्षम बनाने की जरूरत है। अदालत ने बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से संबंधित ऑनलाइन सामग्री (सीएसईएम) की पहचान करने और उसे हटाने की व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार को राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने का निर्देश दिया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य ऐसी सामग्री को पहचानना, उसके प्रसार को रोकना और अलग-अलग डिजिटल मंचों पर उसे दोबारा अपलोड किए जाने पर कार्रवाई को प्रभावी बनाना है।

दरभंगा में घर के बाहर सो रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या, 24 साल पुराने जमीन विवाद की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले में घर के बाहर सो रहे एक बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर ने बेहद करीब से उनके सिर में गोली मारी, जो सिर के आर-पार हो गई। मृतक की पहचान सुरेंद्र ठाकुर (65) के रूप में हुई है। घटना बिशनपुर थाना क्षेत्र के रुपौली गांव के वार्ड नंबर-6 स्थित बरही टोल की है। शुक्रवार की रात हुई इस वारदात का पता सुबह चला। पुलिस हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। परिजनों के मुताबिक, सुरेंद्र ठाकुर रोज की तरह शुक्रवार रात भी अपने घर के बाहर सो रहे थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर के अंदर सोए हुए थे। रात में किसी को भी घटना की जानकारी नहीं मिली। गांव के पास दुर्गा पूजा का आयोजन हो रहा था, जहां तेज आवाज में साउंड बॉक्स बज रहा था। ऐसे में गोली चलने की आवाज सुनाई नहीं दी और परिवार को वारदात का पता तक नहीं चला।



सोने-चांदी के भाव में गिरावट, एक हफ्ते में सोना 3,004 और चांदी 10,191 सस्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में इस सप्ताह गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 24 कैरेट सोने के 10 ग्राम का भाव 3,004 रुपये घटकर करीब 1.46 लाख रुपये रह गया। इससे पहले 9 अक्टूबर को इसकी कीमत करीब 1.49 लाख रुपये थी। वहीं, चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट आई है। एक किलोग्राम चांदी का भाव करीब 2.21 लाख रुपये से घटकर 2.11 लाख रुपये रह गया। इस तरह एक सप्ताह में चांदी 10,191 रुपये सस्ती हुई। इस साल सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 में सोने की कीमत में अब तक 13,319 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि चांदी 20,108 रुपये सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव करीब 1.33 लाख रुपये था, जो अब लगभग 1.47 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में चांदी की कीमत 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर करीब 2.10 लाख रुपये रह गई। सोने और चांदी ने इस साल 29 जनवरी को ऊंचे स्तर छुए थे। उस समय 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 1.76 लाख रुपये और एक किलोग्राम चांदी का भाव लगभग 3.86 लाख रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद से दोनों कीमती धातुओं के भाव में उतार-चढ़ाव जारी है। कीमतों में बदलाव का असर उन लोगों पर भी पड़ता है, जो निवेश के लिए सोना-चांदी खरीदते हैं और शादी-ब्याह या अन्य अवसरों के लिए आभूषण बनवाने की योजना बना रहे हैं। ोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने की अनुमानित कुल कीमत 5 लाख करोड़ डॉलर से अधिक बताई गई है। रुपये में इसका मूल्य करीब 450 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बैठता है।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 4.7% बढ़कर 19,510 करोड़, फंसे कर्ज में भी सुधार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश के प्रमुख निजी बैंकों में शामिल एचडीएफसी बैंक ने 17 अक्टूबर को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर 2026 के वित्तीय नतीजे जारी किए। बैंक का एकल आधार पर शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 4.7 प्रतिशत बढ़कर 19,510 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बैंक की शुद्ध ब्याज आय में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34,619 करोड़ रुपये रही। बाजार के अनुमानों में शुद्ध मुनाफा करीब 19,567 करोड़ रुपये और शुद्ध ब्याज आय 34,861 करोड़ रुपये रहने की संभावना जताई गई थी। इस लिहाज से बैंक के नतीजे बाजार के अनुमानों के करीब रहे। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन कुल परिसंपत्तियों के आधार पर 3.16 प्रतिशत और ब्याज अर्जित करने वाली परिसंपत्तियों के आधार पर 3.32 प्रतिशत रहा। तिमाही के दौरान बैंक का प्रावधान और आकस्मिक व्यय 3,570 करोड़ रुपये रहा, जबकि कुल ऋण लागत अनुपात 0.44 प्रतिशत दर्ज किया गया। 30 सितंबर 2026 तक बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर 1.11 प्रतिशत पर आ गया। जून 2026 में यह 1.17 प्रतिशत और सितंबर 2025 में 1.24 प्रतिशत था। कृषि क्षेत्र से जुड़े गैर-निष्पादित ऋणों को अलग रखने पर सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 0.87 प्रतिशत रहा। जून 2026 में यह 0.91 प्रतिशत और सितंबर 2025 में 0.99 प्रतिशत था। सितंबर तिमाही के अंत में शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात 0.37 प्रतिशत दर्ज किया गया।ैंक का कुल ऋण वितरण सालाना आधार पर 16.3 प्रतिशत बढ़कर 32,19,500 करोड़ रुपये हो गया। ऋण प्रबंधन के तहत कुल अग्रिम राशि में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा ऋण में 11.7 प्रतिशत, लघु एवं मध्यम बाजार के उद्यमों को दिए गए ऋण में 23.5 प्रतिशत और कॉरपोरेट तथा अन्य थोक ऋणों में 16.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तिमाही के दौरान औसत ऋण प्रबंधन राशि 31,87,200 करोड़ रुपये रही। यह सालाना आधार पर 14.1 प्रतिशत और पिछली तिमाही की तुलना में 4.9 प्रतिशत अधिक थी।



विदेश में नौकरी के नाम पर हजारों युवाओं से ठगी का आरोप, मुख्य आरोपी हाजी नाहिद गनी और सहयोगी पटना से गिरफ्तार

दुबई, सऊदी अरब, थाईलैंड और मलेशिया में रोजगार दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये वसूलने का आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

किशनगंज। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर सीमांचल के बेरोजगार युवाओं से कथित तौर पर मोटी रकम वसूलने और अवैध तरीके से विदेश भेजने के मामले में किशनगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने विशेष टीम और एसटीएफ की मदद से मामले के मुख्य आरोपी हाजी नाहिद गनी और उसके सहयोगी मो. तवरेज को शनिवार तड़के पटना से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी पूर्णिया के रहने वाले बताए गए हैं। , पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ किशनगंज और पूर्णिया में विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी से जुड़े आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। आरोप है कि हाजी नाहिद गनी प्राइवेट लिमिटेड और ताईबा इंटरनेशनल टूर एंड ट्रेवल्स के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा दिया जाता था। दुबई, सऊदी अरब, थाईलैंड और मलेशिया में रोजगार दिलाने के नाम पर युवाओं से लाखों रुपये वसूलने की शिकायतें सामने आई हैं। पुलिस को मिली शिकायतों के मुताबिक, कुछ युवाओं को कथित तौर पर अवैध रास्तों से विदेश भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद उन्हें वीजा और तय रोजगार के अनुरूप काम नहीं मिलने तथा उनकी सहमति के बिना दूसरा काम कराए जाने के आरोप भी लगे हैं। कुछ पीड़ितों ने जबरन काम कराने और बंधुआ मजदूरी जैसी परिस्थितियों में रखे जाने की शिकायत की है। पुलिस इन आरोपों की जांच कर रही है। मलेशिया भेजने के नाम पर 1.80 लाख रुपये लेने का आरोप पुलिस के अनुसार, विशनपुर थाना क्षेत्र में दर्ज कांड संख्या 47/26 में शिकायतकर्ता मो. सुलेमान ने आरोप लगाया कि उनके बेटे नूरजफर को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 1 लाख 80 हजार रुपये लिए गए। शिकायत के मुताबिक, 9 सितंबर 2026 को नूरजफर को पटना से दिल्ली और फिर दिल्ली से थाईलैंड के क्राबी शहर भेजा गया। इसके बाद 18 सितंबर को उसे कथित तौर पर डंकी रूट के जरिए अवैध रूप से मलेशिया में प्रवेश कराया गया। आरोप है कि मलेशिया पहुंचने के बाद नूरजफर को कई अन्य युवकों के साथ एक कमरे में बंद कर दिया गया। बाद में उसे जोहोर के सेनाई स्थित बायोसीन एसडीएन बीएचडी में काम पर लगाया गया। इसी दौरान मलेशियाई आव्रजन अधिकारियों की छापेमारी में कई युवकों को गिरफ्तार किए जाने की बात सामने आई। शिकायत के अनुसार, नूरजफर किसी तरह जंगल में छिपकर गिरफ्तारी से बचा और बाद में एक स्थानीय एजेंट की मदद से भारत लौट आया। इस मामले के सामने आने के बाद विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर युवाओं को कथित रूप से फंसाने वाले नेटवर्क को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। पुलिस के मुताबिक, अन्य मामलों में भी शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें दुबई और सऊदी अरब में विशेष काम दिलाने का भरोसा दिया गया और वीजा सहित अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर रकम ली गई। हालांकि, विदेश पहुंचने के बाद उनसे कथित तौर पर अलग काम कराया गया। कुछ युवाओं ने यह भी शिकायत की कि विदेश में फंसने के बाद जब उन्होंने आरोपियों से भारत वापस बुलाने की मांग की, तो उनसे अतिरिक्त रकम मांगी गई। पुलिस अब इन शिकायतों की पुष्टि करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि कथित नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

मस्क पर ओवैसी के बयान की रिजिजू ने की तारीफ, बोले—विपक्ष के नेता उनसे सीखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एलन मस्क को लेकर दिए गए बयान की तारीफ की। रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ओवैसी कभी-कभी भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर समझदारी भरी बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष के कुछ नेता सरकार की बात नहीं सुनना चाहते, तो उन्हें ओवैसी से सीखना चाहिए। दरअसल, 14 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के दौरान ओवैसी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके सौ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वह अपने देश और संवैधानिक पद का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने भारत में उपलब्ध सस्ते इंटरनेट का जिक्र करते हुए कहा कि कोई विदेशी व्यक्ति भारत को हुक्म नहीं दे सकता। ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एलन मस्क और भारत के दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को लेकर सोशल मीडिया पर बहस चल रही है। हाल ही में एलन मस्क ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर तंज कसते हुए उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' कहा था। मस्क की पोस्ट में अंबानी को भारत का वास्तविक ताकतवर व्यक्ति बताने की टिप्पणी की गई थी। इसके बाद भारत में इंटरनेट सेवाओं और कारोबारी प्रतिस्पर्धा को लेकर चर्चा तेज हो गई। मस्क पिछले कुछ समय से भारत में अपनी उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवा स्टारलिंक की शुरुआत में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।



अजय देवगन के नाम से जुड़े जुहू बंगले पर बीएमसी की कार्रवाई की खबर, पीआर टीम ने किया खंडन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन के नाम से जुड़े मुंबई के जुहू इलाके स्थित एक बंगले में कथित अनधिकृत निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने निर्माण कार्य के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुछ हिस्सों को हटाया है। हालांकि, अजय देवगन के पीआर प्रतिनिधि पराग देसाई ने उनके बंगले पर नगर निगम की टीम पहुंचने की खबरों का खंडन किया है। पराग देसाई के अनुसार, अजय देवगन के बंगले में बीएमसी की टीम नहीं आई और इस संबंध में सामने आ रही खबरें बेबुनियाद हैं। उनका कहना है कि जिस संपत्ति को लेकर खबरें प्रसारित हो रही हैं, वह अजय देवगन के घर से थोड़ी दूरी पर स्थित है और उसे किराए पर दिया गया है। उनके मुताबिक, संभव है कि नगर निगम को उस संपत्ति में कुछ अनियमितताएं मिली हों, जिसके कारण वहां कार्रवाई की गई हो। उन्होंने यह भी कहा कि मामले में आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा रिपोर्टों के अनुसार, जुहू की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में स्थित संबंधित संपत्ति करीब 7,802 वर्ग फीट क्षेत्र में बनी है। आरोप है कि वहां अंदरूनी बदलाव, पार्टीशन की दीवारें, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्य आवश्यक अनुमति के बिना किए जा रहे थे।

10 सितंबर 2026 को जारी हुआ था नोटिस

मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि बीएमसी ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 354ए के तहत नोटिस जारी किया था। इसमें कथित निर्माण कार्य तत्काल रोकने और संबंधित दस्तावेजों के साथ आवश्यक अनुमतियां प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। नगर निगम की ओर से कार्रवाई के संबंध में सामने आई जानकारी के मुताबिक, नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य जारी रहने का आरोप है। इसके बाद संपत्ति में किए गए कुछ कथित अनधिकृत निर्माण को हटाने की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। हालांकि, अजय देवगन के पीआर प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई उनके बंगले पर नहीं हुई।



दुर्गा पूजा पंडाल में नजर आईं काजोल

इस घटनाक्रम के बीच अभिनेत्री काजोल को जुहू स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में देखा गया। मुखर्जी परिवार की ओर से हर साल आयोजित होने वाले इस दुर्गा पूजा समारोह में परिवार के कई सदस्य शामिल होते हैं। इनमें रानी मुखर्जी, तनीषा मुखर्जी और अयान मुखर्जी समेत अन्य सदस्य भी शामिल रहते हैं। फिलहाल, संपत्ति की पहचान और बीएमसी की कार्रवाई को लेकर सामने आए दावों के बीच अजय देवगन की पीआर टीम ने उनके बंगले पर कार्रवाई की खबरों को खारिज किया है। मामले में आधिकारिक बयान सामने आने के बाद ही स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकेगी।

पटना में दुर्गा पूजा की धूम, 121 फीट ऊंचे जगन्नाथ मंदिर जैसे पंडाल में उमड़ रहे श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। शारदीय नवरात्र के सातवें दिन महासप्तमी पर बिहार में मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की जा रही है। मंत्रोच्चार के बीच विभिन्न पूजा पंडालों के पट खुलने के साथ ही राजधानी पटना में उत्सव का माहौल है। शहर के बोरिंग रोड, बेली रोड, जगदेव पथ और एतवारपुर सहित कई इलाकों में भव्य पंडाल तैयार किए गए हैं। इन पंडालों को देश के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर सजाया गया है, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने महासप्तमी के अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने श्री दुर्गा पूजा समिति, मून क्लब, जगदेव पथ; श्री दुर्गा पूजा समिति, भद्रकाली मंदिर, कृष्णा अपार्टमेंट के सामने, बोरिंग रोड; तथा श्री दुर्गा पूजा समिति, बोरिंग रोड चौराहा के पूजा पंडालों में पूजा की। मुख्यमंत्री ने राज्य की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने बिहारवासियों को दुर्गा पूजा की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कामना की कि मां दुर्गा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और बिहार विकास के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ते हुए समृद्धि की ओर अग्रसर हो। पटना में इस बार पूजा पंडालों को अलग-अलग धार्मिक और स्थापत्य शैलियों में तैयार किया गया है। एतवारपुर में ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल बनाया गया है। इसकी ऊंचाई करीब 121 फीट और चौड़ाई 120 फीट बताई गई है। इस पंडाल को तैयार करने में लगभग 80 कारीगरों ने योगदान दिया है। वहीं, डाकबंगला चौराहे पर खजुराहो मंदिर की थीम पर पंडाल तैयार किया गया है। बोरिंग कैनाल रोड स्थित हिमगिरी चौराहे के पास भी इस बार शिवलिंग के आकार का विशाल पंडाल बनाया गया है। इसकी ऊंचाई करीब 100 फीट और लंबाई लगभग 150 मीटर बताई गई है।



2029 के लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगी राजनीतिक लड़ाई, तिरंगा मार्च से पहले प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और उनकी आवाज दबाने पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अभिनेता प्रकाश राज एक बार फिर अपने राजनीतिक बयान को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार में बदलाव की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन चुनाव और संवैधानिक तरीकों से होना चाहिए। उनका कहना है कि भारत के पास संविधान, मतदान का अधिकार और शांतिपूर्ण विरोध की ताकत है। ऐसे में राजनीतिक बदलाव के लिए हिंसा या अराजकता का रास्ता अपनाने के बजाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा किया जाना चाहिए। इंडिया टुडे से बातचीत में प्रकाश राज ने बांग्लादेश और नेपाल का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत उन देशों जैसा नहीं है। यहां डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी और भगत सिंह की विरासत के साथ संविधान और मतदान का अधिकार मौजूद है। उन्होंने कहा कि सरकार बदलने की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से लड़ी जाएगी और इसके लिए चुनाव तथा संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रकाश राज ने उत्तर प्रदेश के चुनावों से लेकर 2029 के लोकसभा चुनाव तक लोकतांत्रिक लड़ाई जारी रखने की बात कही। उनके मुताबिक, नागरिकों को सरकार से सवाल पूछने और अपनी असहमति शांतिपूर्ण तरीके से व्यक्त करने का अधिकार है। सत्ता परिवर्तन की मांग को हिंसा या अराजकता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। प्रकाश राज ने दिल्ली में प्रस्तावित तिरंगा मार्च से पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में लिए जाने पर सवाल उठाए। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित था। प्रदर्शन से जुड़े लोगों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। प्रकाश राज ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को रोकने और हिरासत में लेने पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने सवाल किया कि यदि प्रदर्शनकारी तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं, तो उन्हें रोका क्यों जा रहा है। भिनेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर तिरंगा' अभियान का उल्लेख करते हुए पूछा कि जब लोगों से तिरंगा फहराने और उसके प्रति सम्मान व्यक्त करने की अपील की जाती है, तो प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लेकर चलने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा तिरंगे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं। प्रकाश राज ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों की आवाज दबाने के लिए ताकत का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार या संबंधित संस्थाओं पर लगाए जा रहे आरोप गलत हैं, तो उनका जवाब तथ्यों और सबूतों के साथ दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, सवाल पूछने वालों को रोकने के बजाय उनके सवालों का जवाब देना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है।प्रकाश राज ने दोहराया कि भारत में राजनीतिक बदलाव का रास्ता चुनाव, संविधान और शांतिपूर्ण विरोध से होकर गुजरना चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी के अहिंसक संघर्ष का उल्लेख करते हुए युवाओं से लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने की बात कही। उनके बयान के बाद सत्ता परिवर्तन की मांग, तिरंगा मार्च, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार को लेकर जारी राजनीतिक बहस फिर चर्चा में आ गई है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.